



JAIN
Adhyatma
Academy
of North America
Kanjiswami.guru



Jinendra Pooja
Sangrah

English

Aatmageet

(Dr. Hukamchand Bharill, Jaipur)

Mai Gyananand Swabhawi Hu
Mai Hun Apne Mae Swayampurna
Parkee Mujhmae Kuch Gandh Nahee
Mai Aras Arupee Asparsee
Parse Kuchbhee Sambandh Nahee
Mai Gyananand Swabhawi Hu

Mai Rang Raagse Bhinn Bhedh Se
Bhee Mai Bhinn Niraalaa Hu
Mai Hu Akhand Chaitanya Peend
Neej Rasme Ramnewala Hu
Mai Gyananand Swabhawi Hu

Mai Hee Meraa Karta Dharta
Mujhme Parka Kuch Kaam Nahee
Mai Mujhme Rahnewaalaa Hu
Parme Meraa Vishraam Nahee
Mai Gyananand Swabhawi Hu

Mai Shudhbudh Avirudhdh Ak
Par Pariniti se Aprabhavi Hu
Aatnmaanubhuti se Praapt-tatva
Mai Gyananand Swabhawi Hu

INDEX

Information – Pooja, Prakshal & Aarti	2
Abhishek (Prakshal) Path	10
Adinaath Poojan	28
Akshay Trutiya Parva Poojan	74
Arghavali.....	14
Bahubali Poojan	64
Bis Viharmaan Poojan	53
Choubisi Poojan	46
Dev Shashtra Guru Poojan (Keval Ravo Kirano...)	16
Dev Shashtra Guru Poojan (Aasha Ki Pyas...)	20
Dev Shashtra Guru Poojan (Pratham Dev Arahant...)	24
Krutrim-Akrutrim Chaityalaya Poojan	68
Mahaveer Poojan (Shri Veer Maha Ativeer...)	36
Mahaveer Poojan (Santapta Manas...)	40
Maha Arghya.....	86
Nandishwerdweep Poojan	71
Panch Parmeshthi Poojan	43
Panch Parmeshthi Aarti	89
Pooja Pithika (Sanskrit)	12
Pooja Pithika (Hindi).....	13
Shantinaath Poojan	32
Shantipaath - 1 & Visarjan	87
Shantipaath - 2 & Visarjan	88
Samaysaar Poojan	78
Shrut Panchami Poojan	83
Simandhar Poojan.....	49
Siddh Poojan.....	56
Trikaal Choubisi Poojan	60
Vinay Path.....	11

निश्चयपूजा

निश्चयनय से तो पूज्य-पूजक में कोई भेद ही दिखाई नहीं देता। अतः इस दृष्टि से तो पूजा का व्यवहार ही संभव नहीं है। निश्चयपूजा के सम्बन्ध में आचार्यों ने जो मंतव्य प्रकट किये हैं, उनमें कुछ प्रमुख आचार्यों के विचार द्रष्टव्य हैं -

आचार्य योगीन्दु देव लिखते हैं -

“मणु मिलिययु परमेसरहं परमेसरु वि मणस्स ।
बीहि वि समरसि हूबाहूँ पूज्ज चढावहु कस्स ॥”^१

विकल्परूप मन भगवान आत्मा से मिल गया, तन्मय हो गया और परमेश्वरस्वरूप भगवान आत्मा भी मन से मिल गया। जब दोनों ही सम-रस हो गये तो अब कौन/किसकी पूजा करे? अर्थात् निश्चयदृष्टि से देखने पर पूज्य-पूजक का भेद ही दिखाई नहीं देता तो किसको अर्घ्य चढ़ाया जाये?”

इसीतरह आचार्य पूज्यपाद लिखते हैं -

“यः परात्मा स एवाऽहं योऽहं स परमस्ततः ।
अहमेव मयोपास्यो नान्यः कश्चिदिति स्थितिः ॥”^२

स्वभाव से जो परमात्मा है, वही मैं हूँ तथा जो स्वानुभवगम्य मैं हूँ, वही परमात्मा है; इसलिए मैं ही मेरे द्वारा उपास्य हूँ, दूसरा कोई अन्य नहीं।”

इसी बात को कुन्दकुन्दाचार्य देव ने अभेदनय से इसप्रकार कहा है -

“अरुहा सिद्धायरिया उज्झाया साहु पंच परमेठ्ठी ।
ते वि हु चिट्ठहि आदे तम्हा आदा हु मे सरणं ॥”^३

अरहन्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु - ये जो पंच परमेष्ठी हैं; वे आत्मा में ही चेष्टारूप हैं, आत्मा ही की अवस्थायें हैं; इसलिए मेरे आत्मा ही का मुझे शरण है।”

इसप्रकार यह स्पष्ट होता है कि अपने आत्मा में ही उपास्य-उपासक भाव घटित करना निश्चयपूजा है। ●

१. परमात्मप्रकाश १/१२३/२ २. समाधितंत्र ३१ ३. अष्टपाहुडः मोक्ष पाहुड, मूल श्लोक १०४

व्यवहारपूजा : भेद-प्रभेद

द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव; पूज्य, पूजक, पूजा; नाम, स्थापना आदि तथा इन्द्र, चक्रवर्ती आदि द्वारा की जानेवाली पूजा की अपेक्षा व्यवहार पूजन के अनेक भेद-प्रभेद हैं।

पूजा को द्रव्यपूजा और भावपूजा में विभाजित करते हुए आचार्य अमितगति उपासकाचार में लिखते हैं -

“वचो विग्रहसंकोचो द्रव्यपूजा निगद्यते।

तत्र मानससंकोचो भावपूजा पुरातनैः ॥^१”

वचन और काय को अन्य व्यापारों से हटाकर स्तुत्य (उपास्य) के प्रति एकाग्र करने को द्रव्यपूजा कहते हैं और मन की नाना प्रकार से विकल्पजनित व्यग्रता को दूर करके उसे ध्यान तथा गुण-चिन्तनादि द्वारा स्तुत्य में लीन करने को भावपूजा कहते हैं।^२”

आचार्य अमितगति ने अमितगति श्रावकाचार में एवं आचार्य वसुनन्दि ने वसुनन्दि श्रावकाचार में द्रव्यपूजा के निम्नांकित तीन भेद किये हैं^३ -

(१) सचित्त पूजा (२) अचित्त पूजा (३) मिश्र पूजा।

१. **सचित्त पूजा** - प्रत्यक्ष उपस्थित समवशरण में विराजमान जिनेन्द्र भगवान और निर्ग्रन्थ गुरु का यथायोग्य पूजन करना सचित्त द्रव्यपूजा है।

२. **अचित्त पूजा** - तीर्थंकर के शरीर (प्रतिमा) की और द्रव्यश्रुत (लिपिबद्ध शास्त्र) की पूजन करना अचित्त द्रव्यपूजा है।

३. **मिश्र पूजा** - उपर्युक्त दोनों प्रकार की पूजा मिश्र द्रव्यपूजा है।

सचित्त फलादि से पूजन करनेवालों को उपर्युक्त कथन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसमें अत्यन्त स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सचित्तता सामग्री की नहीं, आराध्य की होना चाहिए। सचित्त माने साक्षात् सशरीर जिनेन्द्र भगवान और अचित्त माने उनकी प्रतिमा।

१. स्तुतिविद्या, प्रस्तावना, पृष्ठ १० : जुगलकिशोर मुख्तार।

२. अमितगति श्रावकाचार, १२-१३ एवं वसुनन्दि श्रावकाचार, श्लोक ४४९-५०

महापुराण में द्रव्यपूजा के पाँच प्रकार बताये हैं^१ -

१. सदारचन (नित्यमह) २. चतुर्मुख ३. कल्पद्रुम ४. आष्टाह्निक
५. ऐन्द्रध्वज ।

१. सदारचन पूजा - इसे नित्यमह तथा नित्यनियम पूजा भी कहते हैं । यह चार प्रकार से की जाती है ।

(अ) अपने घर से अष्ट द्रव्य ले जाकर जिनालय में जिनेन्द्रदेव की पूजा करना ।

(आ) जिन प्रतिमा एवं जिन मन्दिर का निर्माण करना ।

(इ) दानपत्र लिखकर ग्राम-खेत आदि का दान देना ।

(ई) मुनिराजों को आहार दान देना ।

२. चतुर्मुख (सर्वतोभद्र) पूजा - मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा महापूजा करना ।

३. कल्पद्रुम पूजा - चक्रवर्ती राजा द्वारा किमिच्छिक दान देने के साथ जिनेन्द्र भगवान का पूजोत्सव करना ।

४. आष्टाह्निक पूजा - आष्टाह्निक पर्व में सर्व साधारण के द्वारा पूजा का आयोजन करना ।

५. ऐन्द्रध्वज पूजा - यह पूजा इन्द्रों द्वारा की जाती है ।

उपर्युक्त पाँच प्रकार की पूजनों में हम लोग सामान्यजन प्रतिदिन केवल सदारचन (नित्यमह) का 'अ' भाग ही करते हैं । शेष पूजनें भी यथा-अवसर यथायोग्य व्यक्तियों द्वारा की जाती हैं ।

वसुनन्दि श्रावकाचार में नाम, स्थापना, द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव के भेद से द्रव्यपूजा के छह भेद कहे हैं -

१. महापुराण श्रावकाचार, सर्ग ३८/२६-३३

१. नाम पूजा — अरहंतादि का नाम उच्चारण करके विशुद्ध प्रदेश में जो पुष्पक्षेपण किये जाते हैं, वह नामपूजा है ।

२. स्थापना पूजा — यह दो प्रकार की है, सद्भाव स्थापना और असद्भाव स्थापना । आकारवान वस्तु में अरहंतादि के गुणों का आरोपण करना सद्भाव स्थापना है तथा अक्षतादि में अपनी बुद्धि से यह परिकल्पना करना कि यह अमुक देवता है, असद्भाव स्थापना है । असद्भाव स्थापना मूर्ति की उपस्थिति में नहीं की जाती ।^१

३. द्रव्य पूजा — अरहंतादि को गंध, पुष्प, धूप, अक्षतादि समर्पण करना तथा उठकर खड़े होना, नमस्कार करना, तीन प्रदक्षिणा देना आदि शारीरिक क्रियाओं तथा वचनों से स्तवन करना द्रव्यपूजा है ।

४. भाव पूजा — परमभक्ति से अनन्त चतुष्टयादि गुणों के कीर्तन द्वारा त्रिकाल वन्दना करना निश्चय भावपूजा है । पञ्च नमस्कार मन्त्र का जाप करना तथा जिनेन्द्र का स्तवन अर्थात् गुणस्मरण करना भी भाव पूजा है तथा पिण्डस्थ, पदस्थ आदि चार प्रकार के ध्यान को भी भावपूजा कहा गया है ।

५. क्षेत्र पूजा — तीर्थंकरों की पञ्चकल्याणक भूमि में स्थित तीर्थक्षेत्रों की पूर्वोक्त प्रकार से पूजा करना क्षेत्र पूजा है ।

६. काल पूजा — तीर्थंकरों की पञ्चकल्याणक तिथियों के अनुसार पूजन करना तथा पर्व के दिनों में विशेष पूजायें करना काल पूजा है ।^२

जिनपूजा में अन्तरङ्ग भावों की ही प्रधानता है, क्योंकि वीतरागी होने से भगवान को तो पूजा से कोई प्रयोजन ही नहीं है । पूजक के जैसे परिणाम होंगे, तदनुसार ही उसे फल की प्राप्ति होती है ।

१. वसुनन्दि श्रावकाचार, ३८३-३८४

२. भगवती आराधना, गाथा ४६ विजयोदया टीका एवं वसुनन्दि श्रावकाचार, ४५६ से ४५८ ।

अभिषेक या प्रक्षाल

सर्वप्रथम यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि उक्त पाँचों अंगों में अभिषेक या प्रक्षाल सम्मिलित नहीं है। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि अभिषेक या प्रक्षाल के बिना भी पूजन अपूर्ण नहीं है। प्रत्येक पूजक को अभिषेक करना अनिवार्य नहीं है, आवश्यक भी नहीं है। बार-बार प्रक्षाल करने से प्रतिमा के अंगोपांग अल्पकाल में ही घिस जाते हैं, पाषाण भी खिरने लगता है; अतः प्रतिमा की सुरक्षा की दृष्टि से भी प्रतिदिन दिन में एक बार ही शुद्ध प्रासुक जल से प्रक्षाल होना चाहिए। मूर्तिमान तो त्रिकाल पवित्र ही है, केवल मूर्ति में लगे रजकणों की स्वच्छता हेतु प्रक्षाल किया जाता है। मूर्ति को स्वच्छ रखने में शिथिलता न आने पाये, एतदर्थ प्रतिदिन प्रक्षाल करने का नियम है।

वर्तमान में अभिषेक के विषय में दो मत पाये जाते हैं। प्रथम मत के अनुसार पंचकल्याणक प्रतिष्ठा होने के बाद जिनप्रतिमा समवशरण के प्रतीक जिनमन्दिर में विराजमान अरहंत व सिद्ध परमात्मा की प्रतीक मानी जाती है। इसलिए उस अरहंत की प्रतिमा का अभिषेक जन्मकल्याणक के अभिषेक का प्रतीक नहीं हो सकता।

रत्नकरण्ड श्रावकाचार में अरहंत परमात्मा की प्रतिमा के अभिषेक के विषय में लिखा है – “यद्यपि भगवान के अभिषेक का प्रयोजन नहीं, तथापि पूजक के प्रक्षाल करते समय ऐसा भक्तिरूप उत्साह का भाव होता है – जो मैं अरहंत कूँ ही साक्षात् स्पर्श करूँ हूँ।”^१

कविवर हरजसराय कृत अभिषेक पाठ में तो यह भाव और सशक्त ढंग से व्यक्त हुआ है। वे लिखते हैं –

“पापाचरण तजि नह्वन करता, चित्त में ऐसे धरूँ ।
साक्षात् श्री अरहंत का, मानो नह्वन परसन करूँ ॥
ऐसे विमल परिणाम होते, अशुभ नशि शुभबन्धतैं ।
विधि^२ अशुभ नसि शुभ बन्धतैं, ह्वै शर्म^३ सब विधि^४ नासतैं।”

१. रत्नकरण्ड श्रावकाचार : पं. सदासुखदासजी की टीका पृष्ठ २०८

२. कर्म ३. सुख ४. सब प्रकार से

आगे अभिषेक करता हुआ पूजक अपनी पर्याय को पवित्र व धन्य अनुभव करता हुआ कहता है -

“पावन मेरे नयन भये तुम दरस तैं । पावन पान^१ भये तुम चरनन परस तैं ॥
पावन मन हूँ गयो तिहारे ध्यान तैं । पावन रसना मानी तुम गुन-गान तैं ॥
पावन भई परजाय मेरी, भयो मैं पूरन धनी ।
मैं शक्तिपूर्वक भक्ति कीनी, पूर्ण भक्ति नहीं बनी ॥
धनि धन्य ते बड़भागि भवि तिन नींव शिवघर की धरी ।
वर क्षीरसागर आदि जल मणिकुंभ भरि भक्ति करी ॥”

इसके भी आगे पूजक प्रक्षाल का प्रयोजन प्रगट करता हुआ कहता है -

“तुम तो सहज पवित्र, यही निश्चय भयो । तुम पवित्रता हेत नहीं मज्जन^२ ठयो ॥
मैं मलीन रागादिक मल करि हूँ रह्यो । महामलिन तन में वसुविधि वश दुःख सह्यो ॥”

इसके साथ-साथ प्रतिदिन प्रक्षाल करने का दूसरा प्रयोजन परम-शान्त मुद्रा युक्त वीतरागी प्रतिमा की वीतरागता, मनोज्ञता व निर्मलता बनाये रखने के लिए यत्नाचारपूर्वक केवल छने या लोंग आदि द्वारा प्रासुक पानी से प्रतिमा को परिमार्जित करके साफ-सुथरा रखना भी है ।

दुग्धाभिषेक करने वालों को यदि यह भ्रम हो कि देवेन्द्र क्षीरसागर के दुग्ध से भगवान का अभिषेक करते हैं तो उन्हें ज्ञात होना चाहिए कि क्षीरसागर में त्रस-स्थावर जन्तुओं से रहित शुद्ध निर्मल जल ही होता है, दूध नहीं । क्षीरसागर तो केवल नामनिक्षेप से उस समुद्र का नाम है ।

द्वितीय मत के अनुसार अभिषेक जन्मकल्याणक का प्रतीक माना गया है । सोमदेवसूरि (जो मूलसंघ के आचार्य नहीं हैं) द्वितीय मत का अनुकरण करने वाले जान पड़ते हैं; क्योंकि उन्होंने अभिषेक विधि का विधान करते समय वे सब क्रियायें बतलाई हैं, जो जन्माभिषेक के समय होती हैं । यह जन्माभिषेक भी इन्द्र और देवगण द्वारा क्षीरसागर के जीव-जन्तु रहित निर्मल जल से ही किया जाता है, दूध-दही आदि से नहीं ।

यहाँ ज्ञातव्य यह है कि दोनों ही मान्यताओं के अनुसार जिनप्रतिमा का अभिषेक या प्रक्षाल केवल शुद्ध प्रासुक निर्मल जल से ही किया जाना चाहिए ।

१. ज्ञान, २. परिमार्जन करना, अंगोछे से पोंछना, ३. वृहज्जिनवाणी संग्रह : टोडरमल स्मारक, पृष्ठ १९

आरती का अर्थ

‘पूजन’ शब्द की भाँति ही ‘आरती’ शब्द का अर्थ भी आज बहुत संकुचित हो गया है। आरती को आज एक क्रिया विशेष से जोड़ दिया गया है, जबकि आरती पंचपरमेष्ठी के गुणगान को कहते हैं। जिनदेव का गुणगान करना ही जिनेन्द्रदेव की वास्तविक आरती है।

पूजन साहित्य में ‘आरती’ शब्द जहाँ-जहाँ भी आया है, सभी जगह उसका अर्थ गुणगान करना ही है। इस संदर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण उद्धरण द्रष्टव्य हैं :-

देव-शास्त्र-गुरु रतन शुभ, तीन रतन करतार।

भिन्न-भिन्न कहूँ आरती, अल्प सुगुण विस्तार ॥^१

देखिए! इस पद्य में देव-शास्त्र-गुरु को तीन रत्न कहा गया है तथा इन तीनों रत्नों को क्रमशः सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र्यरूप तीनों रत्नों का कर्ता (निमित्त) कहा गया है। तथा ‘भिन्न-भिन्न कहूँ आरती’ कहकर तीनों का भिन्न-भिन्न गुणानुवाद करने का संकल्प किया गया है।

इसीप्रकार पंचमेरु पूजा, गुरु पूजा, दशलक्षणधर्म पूजा, क्षमावाणी पूजा, सिद्धचक्रमण्डल विधान आदि के निम्नांकित पदों से भी ‘आरती’ का अर्थ गुण-गान करना ही सिद्ध होता है।

पंचमेरु की ‘आरती’, पढ़ै सुनै जो कोय।

‘द्यानत’ फल जानै प्रभु, तुरत महासुख होय ॥^२

--

--

--

तीन घाटि नव कोड़ि सब, बन्दों शीश नवाय।

गुण तिन अट्टाईस लों, कहूँ ‘आरती’ गाय ॥^३

दशलक्षण बन्दौ सदा, मनवांछित फलदाय।

कहों ‘आरती’ भारती, हम पर होहु सहाय ॥^४

१. देव-शास्त्र-गुरु पूजन : कविवर द्यानतराय, जयमाला।

२. पंचमेरु पूजन (जयमाला का अन्तिम छन्द) : कविवर द्यानतराय।

३. गुरु पूजन : कविवर द्यानतराय, जयमाला का प्रथम छन्द।

४. दशलक्षण धर्म पूजा : जयमाला का प्रथम छन्द।

उनतिस^१ अंग की 'आरती', सुनो भविक चित लाय ।

मन-वच-तन सरधा करो, उत्तम नरभव पाय ॥^२

--

--

--

यह क्षमावाणी 'आरती', पढ़ै-सुनै जो कोय ।

कहै 'मल्ल' सरधा करो, मुक्ति श्रीफल होय ॥^३

--

--

--

जग आरत भारत महा, गारत करि जय पाय ।

विजय 'आरती' तिन कहूँ, पुरुषारथ गुण गाय ॥^४

--

--

--

मंगलमय तुम हो सदा, श्री सन्मति सुखदाय ।

चाँदनपुर महावीर की, कहूँ 'आरती' गाय ॥^५

इसप्रकार पूजन साहित्य में आये उपर्युक्त कथनों से स्पष्ट है कि 'आरती' शब्द का अर्थ केवल स्तुति (गुणगान) करना है, अन्य कुछ नहीं। तथा उक्त सभी कथनों में - 'आरती' को पढ़ने, सुनने या कहने की ही बात कही गई है, इससे भी यही सिद्ध होता है कि 'आरती' पढ़ने, सुनने या कहने की ही वस्तु है, क्रियारूप में कुछ करने की वस्तु नहीं।

वैसे तो दीपक से आरती का दूर का भी सम्बन्ध नहीं है, परन्तु प्राचीनकाल में जिनालयों में न तो कोई बड़ी खिड़कियाँ होती थीं और न ऐसे रोशनदान ही, जिनसे पर्याप्त प्रकाश अन्दर आ सके। दरवाजे भी बहुत छोटे बनते थे तथा बिजली तो थी ही नहीं। इसकारण उन दिनों प्रकाश के लिए जिनालयों में दिन में भी दीपक जलाना अति आवश्यक था। तथा भले प्रकार दर्शन के लिए दीपक को हाथ में लेकर प्रतिमा के अंगोपांगों के निकट ले जाना भी जरूरी था क्योंकि दूर रखे दीपक के टिमटिमाते प्रकाश में प्रतिमा के दर्शन होना संभव नहीं था।

किन्तु आज जब जिनालयों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था है तो फिर दीपक की आवश्यकता नहीं रह जाती, तथापि या तो हमारी पुरानी आदत के कारण या फिर अनभिज्ञता के कारण आज अनावश्यक रूप से अखण्ड दीपक जल रहा है तथा आरती का भी दीपक अभिन्न अंग बन बैठा है - इस कारण अब बिना दीपक के आरती आरती-सी ही नहीं लगती।

अतः आज के संदर्भ में दीपक व आरती का यथार्थ अभिप्राय व प्रयोजन जानकर प्रचलित प्रथा को सही दिशा देने का प्रयास करना चाहिए।

१. सम्यग्दर्शन के ८, सम्यग्ज्ञान के ८ व सम्यक्चारित्र के १३ : कुल २९ अंग हुए।

२. कविवर मल्ल, क्षमावाणी पूजन : जयमाला का प्रथम छन्द।

३. कविवर मल्ल, क्षमावाणी पूजन : जयमाला का अन्तिम छन्द।

४. संत कवि : सिद्धचक्र विधान : प्रथम पूजन, जयमाला।

५. चाँदनपुर महावीर पूजन : कवि पूरनमल जैन।

Shree Prakshaal Paath

(Chhand-geetika)

Prakshaal shree jinbimb kaa nit harsh se savinay karoon
Moortimaan jinendra prabhu ko bhakti se vandan karoon
Arahant paramesthi jineshwar veetaraag swaroop hain
Sarvagya tirthankar mahaaprabhu param siddh anoop hain
Divyadhvani din-raat goonje naath mere hrdaya mein
Gyaandhaaraa pravaahit ho aatmaa ke nilay mein
Bhed-gyaan mahaan ho prabhu aapase hai prarthanaa
Mukti kaa sanmarg paaun maatra yah hai yachanaa
Aatma dharm mahaan mangalamay sabhi ko prapt ho
Vishwa kaa kalyaan ho prabhu shaanti jag mein vyaapt ho
Ahimsaa ho aacharan mein satya ho vyavahaar mein
Sab sukhee aanand may ho dukh na ho sansaar mein
Yahee hai prakshaal kaa udesch paavan hrday mein
Gyaan soorya prakaash ho prabhu aatma he niyam mein

Abhishek Path

(Chhand-geetika)

Main shuddh jal ke kalash prabhu ke poojya mastak par karoon
Jal dhaar dekar harsh se abhishek prabhu jee kaa karoon

Main nhavan prabhu kaa bhaav se kar sakal bhav paatak haroon
Prabhu charan-kamal pakhaarakar samyaktva kee sampatti varoon

Main param puja jinendra prabhu ko bhaav se vandan karoon
Man-vachan-kaay, triyog poorvak sheesh charano mein dharoon

Sarvagya kevalgyaan dhaari ki suchhavi ur mein dharoon
Nirgranth paavan veetaraag mahaan ki jay uccharoon

Ujjawal digamber vesh darshan kar hrday aanand bharoon
Ati vinay poorvak naman karake safal yah narabhav karoon

Jinendra-Abhishek Stuti

Maine prabhu ji ke charna pakhaare
Janam-janam ke sanchit paatak tatkshan hi nirvaare ||1||

Praasuk jal ke kalash shree jin, pratimaa oopar dhaare
Veetarag arihant dev ke, goonje, jay jayakaare ||2||

Charanaambuj sparsh karat hee, chhaye harsh apaare
Paavan tan-man-nayan bhaye sab, door bhaye andhiyaare ||3||

Vinay Path

Safal janma meraa huaa, prabhu darshan se aaj
Bhav samudra nahi dikhataa, poorn hue sab kaaj

Durnivaar sab karm aroo, mohaadik parinaam
Swayam door mujhsehue, dekhat tumhe lalaam

Sanwar karmon kaa huaa, shaant hue grah jaal
Huaa sukhi sampan main, nahin aaye mam kaal

Bhav kaaran mithyaatva ka, naashak gyaan subhaanu
Adit huaa mujhme prabho, dikhe aap saman

Mera aatmaswaroop jo, jhaanaadik gun-khaan
Aaj hua pratyaksh sam, darshan se bhagawaan

Din bhaavanaa mit gae, chintaa mitee ashesh
Nij prabhutaa paaee prabho, rahaa na dukh kaa lesh

Sharan rahaa thaa khojataa, is sansaar manjhaar
Nij aatam mujhako sharan, tumse sikhaa aaj

Nij swaroop mein magan ho, paoon shiv abhiraam
Isee hetu main aapako, karataa koti pranaam

Mein vandau jinaraaj ko, dhar ur samataa bhaav
Tan-dhan-jan-jagajaal se, dhari viraagataa bhaav

Yahi bhaavana hai prabho, mere parinati maahin
Raag-dvesh kee kalpanaa, kinchit upajai naahin

Pujaa Peethikaa

Ohm Jai Jai Jai, Namostu Namostu Namostu,

Namo Arihantanam, Namostu Siddhanam, Namostu Airiyanam,
Namostu Uvajjhayanam, Namostu Loye Savva Sahunam.

Ohm Rhim anadi moolmantrebhyo namaha, Pushpanjali kshipami

Chattari Mangalam, Arihanta Mangalam, Siddha Mangalam,
Sahu Mangalam, Kevali Pannato Dhammo Mangalam.

Chattari Loguttama, Arihanta Loguttama, Siddha Loguttama,
Sahu Loguttama, Kevali Pannato Dhammo Loguttama.

Chattari Sharanam Pavvajjami, Arihanta Sharanam Pavvajjami,
Siddhe Sharanam Pavvajjami, Sahu Sharanam Pavvajjami,
Kevali Pannattam Dhammam Sharnam Pavvajjami.

Om namoarihante swahah, Pushpanjali kshipayth

Jinasahastranam Argha (Sanskrit)

Udaka-chandana-tandula-pushpakaih

charu-su-deepa-su-dhoopa-phalarghakaih,

Dhavalamangala-gana-rava-kule

jinagrahe jinanam maham yaje.

Om hrim shree bhagwat-jin-sahasranamebhyo arghyam nirwapameeti swahah.

Swasti Mangal (Sanskrit)

Shri Vrushabho Nah Swasti, Swasti Shri Ajitah |

Shri Sambhav Swasti, Swasti Shri Abhinandanah |

Shri Sumatih Swasti, Swasti Shri Padmaprabah |

Shri Suparshvah Swasti, Swasti Shri Chandraprabah |

Shri Pushpadantah Swadti, Swasti Shri Shitalah |

Shri Sreyansah Swadti, Swadti Shri Vasupujyah |

Shri Vimalah Swasti, Swasti Shri Anantah |

Shri Dharmah Swasti, Swasti Shri Shantih |

Shri Kunthuh Swasti, Swasti Shri Aranathah |

Shri Mallih Swasti, Swasti Shri Munisuvratah |

Shri Namih Swasti, Swasti Shri Neminathah |

Shri Parshvah Swasti, Swasti Shri Vardhmanah |

Pushpanjali kshipayth

Pujaa Peethikaa (Hindi)

Ohm Jai Jai Jai, Namostu Namostu Namostu,
Arahanto ko namaskaar hay, Siddho ko sadar vandan
Acharyo ko namaskaar hay, Upashyay ko hay vandan
Aur lok ke Sarva Sadhuo, ko hay vinay sahit vandan
Panch param parmesthi prabhu ko baar-baar mera vandan

Om namoarahante swahah, Pushpanjali kshipayth

Mangal chaar, chaar hay uttam, chaar sharan mein jaaon mein
Man-vach-kaaya triyog purvak, shuddh bhavana bhavoon mein
Shri Arihant Dev mangal hay, Shri Siddh Prabhu hay mangal
Shri Sadhu Muni mangal hay, hay Kevali kathit dharma mangalk
Shri Arihant lok mein uttam, Siddh lok mein hay uttam
Sadhu lok mein uttam hay, hay Kevali kathit dharma uttam
Shri Arihant sharan mein javoon, Siddh sharan mein me javoon
Sadhu sharan mein javoon, Kevali kathit dharma sharan javoon.

Om namo Arhante swahah. Pushpanjali kshipami

Jin Sahastranaam Arghya

Mein prashasht mangal gano se yukta jinalaya manhi yajun |
Jal chandan akshat prasun charu, deep dhoop fal arghya sajun | |

Om hrim shri bhagvajin sahastranaamebhyo arghyam nirvapamiti swahah

Mangal Vidhan

Apavitra Ho Yaa Pavitra, Jo Namokaar Ko Dhyaataa Hai
Chaahae Susthit Ho Yaa Dusthit, Paap-Mukt Ho Jaataa Hai
Ho Pavitra-Apavitra Dasha, Kaisee Bhee Kyoo Nahi ho Jan Kee
Parmaatam Kaa Dhyaan Kiyae, Ho Antar Baahar Suchi Unkee
Hai Ajaey Vighno Kaa Hartta, Namokaar Yah Mantra Mahaa
Sab Mangal Mae Pratham Sumangal, Shree Jinvar Nae Aim Kahaa
Sab Papon Kaa Hai Kshyakaarak, Mangal Mae Sabsae Pahalaa
Namskaar Yaa Namokaar Yah, Mantra Jinaagam Mae Pahelaa
Arham Aisae Parm Brahm-Vaachak, Akshar Kaa Dhyaan Karu
Sidhachkra Kaa Sadbeejaakshar, Man Vach Kaay Pranaam Karu
Ashthakarm Sae Rahit Mukti Lakshmi Kae dhar Shree Siddh Namu
Samyaktvaadi Guno Sae Sanyukt, Tinhae Dhyaan Dhar Karm Vamu

Jinvar Kee Bhakti Sae Hotae, Vighna Samuh Anta Jaano
Bhut Shaakinee Sarp Shaant Ho, Vish Nirvish Hotaa Maano

Pushpanjali kshipayth

Arghyavali

Shri Adinath Arghya

Samyak Tatva Scarup Na Jaanaa, Nahi Yatharthat: Puj Sakaa
Raagbhaav Ko Rahaa Poshataa, Veetraagataa Sae Chukaa
Kaalalabdhi Jaagee Antar Mae, Bhaas Rahaa Hai Satya Svarup
Paaungaa Nij Samyak Prabhuta, Bhaas Rahee Nij Maahi Anup
Saevaa Satya Svarup Kee, Yae Hee Prabhu Kee Saeva
Jin Seavaa Vyavahaar Sae, Nischaya Aatama Daev
*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: AnarghayaPraaptaay
Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Shri Shantinath Arghya

Avichal Anarghya Prabhutaamaya Rup Jaanaa
Valasae Anarghya Aanand Ho Aatmadhyaanaa
Shree Shaantinaath Prabhu Kee Pujaa Rachaau
Sukh Shaanti Sahaj Svaamee Nij Maahi Paau
*Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: AnarghayaPraaptaay
Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Shri Mahavir Swamy Arghya

Es Arghya Kaa Kya Mulya Hae Anarghya Pad Ke Saamne
Us Param-Pad Ko Paa Liyaa Hai Patit Paavan Aapne
Santapt –Maanas Shaant Ho Jineke Guno Ke Gaan Mai
Ve Vardhmaan Mahaan Jin Vichare Hamaare Dhyan Mai
*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya anarghyapad praaptaay arghyam
nirwapameeti swaaha.*

Shri Parshvanaath Swamy Arghya

Neer Gandh Akshatam Supushp Charu Leejiyae
Deep-Dhup-Shreephalaadi Arghya Tae Jajeejiyae
Shree Parshvanaath Dev, Sev Aapkee Karu Sadaa
Deejiyae Nivaas Moksh, Bhuliyae Nahee Kadaa
*Om hrim shree Parshavnaath- Jinendraaya anarghya Pad Praaptaay
arghyam nirwapameeti swaaha.*

Shri Simandhar Swamy Arghya

Nirmal Jal-Saa Prabhu Nij Swarup, Pahichaan Usee Mae Leen Huyae,
Bhav-Taap Utarnae Lagaa Tabhee, Chandan See Uthee Hilor Hiyae
Abhiram Bhavan Prabhu Akshat Kaa Sub Shakti Prasoon Lagae Khilanae,
Kshut Trushaa Atharah Dosh Ksheenh, Kaivalya Pradeep Lagaa Jalanae
Meet Chalee Chapaltaa Yogo Kee, Karmo Kae Indhan Dhavast Huae,
Phal Huaa Prabho Aisaa Madhurim, Tum Dhalval Niranjan Svastha Huae

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, anarghya pad praptaaya,
arghyam nirwapameeti swaaha.*

Siddha Parmeshthi Arghya

Jal Piyaa Aur Chandan Charchaa, Maalaaye Surbhit Sumano Kee
Pahanee, Tandul Seye Vyanjan, Deepavaliyaa Kee Ratno Kee
Surbhee Dhupaayan Kee Faliee, Shubh Karmo Kaa Sub Fal Paayaa
Hokar Nirash Sub Jag Bhar Se, Ab Siddh Sharan Mae Mai Aayaa
Jab Drashti Padee Prabhujee Tum Par, Mujhko Swabhaav Kaa Bhaan Huaa
Sukh Nahee Vishaya-bhogo Mai Hae, Tum Ko Lakh Yeh Sadgyaan Huaa
Jal Se Fal Tak Kaa Vaibhav Yeh, Mai Aaj Tyaagane Hu Aayaa
Hokar Nirash Sub Jug Bhar Se, Ab Siddh Sharan Mae Mai Aayaa

*Om hrim shree Siddha chakraadhipatae! Siddha Parmeshthine, anarghya pad prap-
taaya, arghyam nirwapameeti swaaha.*

Panch Parmeshthi Arghya

Jal Chandan Akshat Pushpa Deep, Naivaidya Dhup Phal Laayaa Hu
Ab Tak Kae Sanchit Karmo Kaa, Mai Punj Jalaanae aayaa Hu
Yah Argh Samarjit Karataa Hu, Avichal Anarghya Pad Do Swamee
Hae Panch Param Parmeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shri Panch Paramaeshthibhyo anarghyapad praaptaay arghyam
nirvapaamitee Swaaha.*

Shri Jinwani (Saraswati) ko Arghya

Jal Chandan Akshat Phol Charu, Chat Deep Dhup Ati-Phal Laayaa Laavai
Puja KO Thanat Jo Tum Jaanat. So Nar 'Dhyanat' Sukh Paavai
Tirthankar Ki Dhuni, Gandhar Ne Suni, Ang Rache Chuni Gyan-Mai
So Jinver-wani, Shiv Sukh-Dani, Tribhuvan-Mani Pujya Bhair

*Om hrim shri Jin Mukhodbhut Saraswati Daivye Namah,
An-Arghya Pad Praptaye Argham NirvaPamiti Swaaha.*

Dev-Guru-Shastra Poojan

(Shree Babu Yugalji krut)

Keval-Ravi Kirano Sae Jisakaa, Sampurna Prakaashit Hai Antar
Us Shree Jinvanee Mae Hotaa, Tatvo Kaa Sundar Darshan
Saddarshan-Bodh-Charan-Path Par, Aviral Jo Badhtae Hai Muniganh
Un Dev Param Aagam Guru Ko, Shat Shat Vandan Shat Shat Vandan
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurusamuh Atraavatraavtar Sanvooshat
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurusamuh Atra Tisht Tisht Tha: Tha:
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurusamuh Atra Mam Sannihito Bhav Bhav Vashat

Indriya Kae Bhog Madhur-Vish Sam, Laavanmayee Kanchan Kaaya
Yah Sab Kuch Jad Kee Kridaa Hai, Mai Ab Tab Jaan Nahee Paaya
Mai Bhul Svayam Nij Vaibhav Ko, Par Mamtaa Mae Atkaayaa Hu
Ab Nirmal Samyak Neer Liyae, Mithyaamal Dhonae Aayaa Hu
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Janma-Jaraa-Mrtiyu Vinaashnaay
Jalam Nirvaanti Svaahaa

Jad Chaetan Kee Sab Pariniti Prabhu! Apnae Apnae Mae Hotee Hai
Anukul Kahae Pratikul Kahae, Yah Jhutee Man Kee Vratee Hai
Pratikul Sanyogo Mae Krodhit, Hokar Sansaar Barhaayaa Hai
Santapt Hridya Prabhu! Chandan Sam, Sheetaltaa Paanae Aayaa Hai
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Sansaar Taap Vinaashnaay
Chandanam Nirvaanti Svaahaa

Ujjaval Hu Kund Dhaval Hu Prabhu! Par Sae Na Lagaa Kinchit Bhee
Phir Bhee Anukul Lagae Un Par, Kartaa Abhimaan Nirantar Hee
Jad Par Jhuk Jaataa Chaetan Kee Mardav Kee Khandit Kaayaa
Nij Shaashvat Akshaynidhi Paanae, Ab Daas Charan Raj Mae Aayaa
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Akshaypadpraaptaayae
Akshatam Nirvaanti Svaahaa

Yah Pushpa Sukomal Kitanaa Hai, Tan Mae Maaya Kuch Shaesh Nahee
Nij Antar Kaa Prabhu! Bhed Kahu, Usmae Rijutaa Kaa Laesh Nahee
Chintan Kuch Phir Sambaashn Kuch, Pariniti Kuch Kee Kuch Hotee Hai
Sthirtaa Nij Mae Prabhu Pau, Jo Antar Kaa Kalush Dhotee Hai
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Kaam-VaanVidhvansnny
Pushpam Nirvaanti Svaahaa

Ab Tak Aganit Jad Dravyo Sae, Prabhu Bhuk Na Maeree Shaant Hui
Trishnaa Kee Khaai Kubh Bharee, Par Rikt Rahee Vah Rikt Rahee
Yug-Yug Sae Ichchaa Saagar Mae, Prabhu Gotae Khaataa Aayaa Hun
Panchaendriya Man Kae Shatras Taj, Anupam Ras Pinae Aayaa Hun
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Kshudhaarog-vinaashnaay
Naivaidyam Nirpaanti Svaahaa*

Jag Kae Jad Deepak Ko Ab Tak, Samjhaa Thaa Mai Nae Ujjiyaaaraa
Jhanjhaa Kae Eak Jhakoraee Mae, Jo Bantaa Ghor Timir Kaaraa
Ataev Prabhu! Yah Nashvar Deep, Samarpan Karanae Aayaa Hu
Taeree Antar Loo Sae Nij Antar, Deep Jallanae Aayaa Hu
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Moh-andhkaar-vinaashnaay
Deepam Nirpaanti Svaahaa*

Jad Karm Gumaataa Hai Mujhko, Yah Mithyaa Bhranti Rahee Maree
Mai Ragg-Dvesh Kiyaa Kartaa, Jab Parirniti Hotee Jad Kaeree
Yo Bhaavkaram Yaa Bhaavmaran, Sadiyo Sae Kartaa Aayaa Hu
Nij Anupam Gandh Anal Sae Prabhu, Par-gandh Jalaanae Aayaa Hu
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Ashta-karma-dahnaay
Dhupam Nirpaanti Svaahaa*

Jag Mae Jisko Nij Kahataa Mai, Vah Chhod Mujhe Chal Detaa Hai
Mae Akul-Vyaakul Ho Laetaa, Vyaakul Kaa fal Vyakulataa Hai
Mai Shaant Niraakul Chaetan Hu, Hai Mukti Ramaa Sahchar Maeree
Yah Moh Tarhak Kar Tut Parhe, Prabhu Saarthak Pujaa Taeree
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Mokshfa-lpraptaayae
Falam Nirpaanti Svaahaa*

Kshan Bhar Nijras Ko Pee Chaetan, Mithyaamal Ko Dho Daeta Hai
Kaashaayik Bhaav Vinashta Kiyae, Nij Aanand Amrit Peetaa Hai
Anupam Sukh Tab Vilsit Hotaa, Kaeval Ravi Jagmag Kartaa Hai
Darshan Bal Purna Prgat Hotaa, Yah Hee Arihant Avasthaa Hai
Yah Argh Samarpan Karkae Prabhu, Nij Gun Kaa argha Banaaungaa
Aur Nishit Tere Sadarsh Prabhu, Arahant Avashtha Paaunga
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Anarghapraptaayae
Argham Nirpaanti Svaahaa*

Jayamaalaa

(Baaraha Bhaavanaa)

Bhav Van Mae Jee Bhar Dhoom Chukaa, Kanh-Kanh Ko Jee Bhar-Bhar Daekhaa
Mriga-Sam Mriga-Trishnaa Kae Pichae, Mujhako Milee Na Sukh Kee Raekha

Jhoothe Jag Kae Sapnae Saarae, Jhoothe Man Kee Sab Aashaayae
Tan-Jeevan-Yovan Asthir Hai, Kshan Bhangur Mae Murjhaayae

Samraat Mahaabal Saenaanee, Us Kshan Ko Taal Sakaegaa Kyaa
Ashran Mrit Kaayaa Mae Harshit, Nij Jeevan Dall Sakaegaa Kyaa

Sansaar Mahaa Dukh Saagar Kae, Prabhu Dukhmay Sukh Aabhaaso Mae
Mujhko Na Milaa Sukh Kshan Bhar Bhee, Kanchan Kaamini Prasaado Mae

Mae Ekaakee Ekatva Liyae, Ekatva Liyae Sab Hee Aatae
Tan-Dhan Ko Saathee Samjhaa Thaa, Par Yae Bhee Chhod Chalae Jaatae

Maerae Na Huyae Yae Mai In Sae, Ati Bhinn Akhand Niraalaa Hu
Nij Mai Par sae Anyatva Liyae, Nij Samras Pinae Vaalaa Hu

Jiskae Shringaaro Mae Maeraa Yah, Mahangaa Jeevan Dhul Jaata
Atanyant Ashuchi Jad Kaayaa Sae, Is Chetan Kaa Kaisaa Naataa

Din-Raat Shubhaashub Bhaavo Sae, Maeraa Vyaapaar Chalaa Kartaa
Maanas-Vaanee or Kaayaa Sae, Aashrav Kaa Dvaar Khulaa Rahtaa

Shubh Or Ashubh Kee Jvaalaa Sae, Jhulasaa Hai Maera Antasthal
Sheetal Samkit Kiranae Phutae, Sanvar Sae Jaagae Antarbal

Phir Tap Kee Shodhak Vanhi Jagae, Karmo Kee Kadiyaa Tut Padae
Sarvaang Nijaatam Pradaesho Sae, Amrit Kae Nirjhar Phut Padae

Ham Chhod Chalae Yah Lok Tabhee, Lokaant Viraajae Kshan Mae Jaa
Nij Lok Hamaaraa Vaasaa Ho, Shokaant Banae Phir Hamko Kyaa

Jaagae Mam Durlabh Bodhi Prabho, Durnaytam Satver Tal Jaavae
Bas Gyaataa Drishta Rah Jaao, Mad-Matsar-Moh Vinash Jaavae

Chir Rakshak Dharma Hamaaraa Ho, Ho Dharma Hamaaraa Saathee
Jag Mae Na Hamaaraa Koi Thaa, Ham Bhee Na Rahae Jag Kae Saathee

(Dev-Stavan)

Charano Mae Aayaa Hu Prabhavar, Sheetalaa Mujhko Mil Jaavae
Murjhai Gyaan-Lataa Maeree, Nij Antarbal Sae Khil Jaavae

Sochaa Kartaa Hu Bhogo Sae, Bhujh Jaavaegee Ichchaa Jvaalaa
Parinaam Nikalataa Hai Laekin, Maano Paavak Mae Ghee Daalaa

Taerae Charno Kee Pujaa Sae, Indriya Sukh Kee Bhee Abhilaashaa
Ab Tak Na Samajh Hee Paayaa Prabhu, Sachchae Sukh Kee Bhee Paribhaashaa

Tum Toe Avikaaree Ho Prabhavar, Jag Mae Rahatae Jag Sae Nayaarae
Ataev Jhukae Tab Charanho Mae, Jag Kae Manik Motee Saarae

(Shaatra-Stavan)

Svaadaadmeyee Taeree Vaanhee, Shubhnay Kae Jharanae Jharatae Hai
Oos Paavan Nokaa Par Laakho, Praanhee Bhav-Vaaridhi Tirtae Hai

(Guru-Stavan)

Hae Guruvar! Shaashvat Sukh-Darshak, Yah Nagna Svarup Tumhaaraa Hai
Jag Kee Nashvartaa Kaa Sachchaa, Digdarshan Karanae Vaalaa Hai

Jab Jag Vishyo Mae Rach-Pach Kar, Gaphil Nidraa Mae Sotaa Ho
Athvaa Vah Shiv Kae Nishkantak, Path-Mae Vish Kantak Botaa Ho

Ho Ardha Nisha Kaa Sannaataa, Van Mae Vanchaaree Charatae Ho
Tab Shaant Niraakul Maanas Tum, Tatvo Kaa Chintan Karatae Ho

Karatae Tap Shail Nadee Tat Par, Tarutal Varshaa Kee Jhadiyo Mae
Samataa Ras Paan Kiyae Karatae, Sukh-Dukh Dono Kee Ghadiyo Mae

Antar-Jvaalaa Haratee Vaanhee, Maano Jharhtee Ho Phuljhadiyaa
Bhav-Bandhan Tad-Tad Tut Pade, Khil Jaavae Antar Kee Kaliyaa

Tum-Saa Daanee Kyaa Koe Ho, Jag Ko Jag Ko Dae Dee Jag Kee Nidhiyaa
Din-Raat Lutaayae Karatae Ho, Sam-Sham Kee Avinashvar Manhiyaa
Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Anarghapraptayae Argham Nirpaanti Svaahaa

Hae Nirmal Dev Tumhae Pranaam, Hae Gyaan Deep Aagam! Pranaam
Hae Shaanti Tyaag Kae Murtimaan, Shiv-Pad-Panthee Guruvar Pranaam
(Iti Pushpaanjali Chipae)

Dev-Guru-Shastra Poojan

(Dr. Humakchandji Bharill krut)

Sudhabrahma Parmaatmaa, Shabdabrahm Jinvaani
Sudhaatam Saadhakdashaa, Namō Jod Jugpaani

Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurusamuh Atraavatraavtar Sanvooshat

Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurusamuh Atra Tisht Tisht Tha: Tha:

Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurusamuh Atra Mam Sannihito Bhav Bhav Vashat

Aashaa Kee Pyaas Bujhaanae Ko, Ab Tak Mrigrtrushanaa Mae Bhatakaa
Jal Samjeh Vishaya Bhogo Ko, Unkee Mamtaa Mae Thaa Atkaa
Lakh Somya Drashti Taeree Prabhuvar, Samtaa Ras Peenae Aayaa Hu
Es Jal Nae Pyaas Bujhaayee Naa, Esko Lotaanae Aayaa Hu
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Janam-Jaraa-Mrtiyu
Vinaashnaay Jalam Nirvaanti Svaahaa*

Krodhaanal Sae Jab Jalaa Hridaya, Chandan Nae Koe Na Kaam Kiyaa
Tan Ko To Shaant Kiyaa Esnae, Man Ko Na Magar Aaraam Diyaa
Sansaar Taap Sae Tript Hridya, Santaap Mitaanae Aayaa Hu
Chrano Mae Chandan Arpar Kar, Sheetaltaa Paanae Aayaa Hu
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Sansaar Taap Vinaashnaay
Chandanam Nirvaanti Svaahaa*

Abhimaan Kiyaa Ab Tak Jad Par, Akshyanidhi Ko Naa Pahichaanaa
Mae Jad Kaa Hu Jad Maeraa Hai Yah, Soch Banaa Thaa Mastaanaa
Kshat Mae Vishvaas Kiyaa ab Tak, Akshat Ko Prubhuvar Na Jaanaa
Abhimaan Kee Aan Mitaanae Ko, Akshyanidhi Tumako Pahichaanaa
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Akshaypadpraaptaayae
Akshatam Nirvaanti Svaahaa*

Din Raat Vaasanaa Mae Rahkar, Maerae Man Nae Prabhu Sukh Maanaa
Purushatva Gamaayaa Par Prabhuvar, Uskae Chhal Ko Naa Pahichaanaa
Maayaa Nae Daal Jaal Pratham, Kaamuktaa Nae Phir Baandh Liyaa
Uskaa Pramaan Yah Pushp-Baanh, Laakar Kae Prabhu Bhaent Kiyaa
*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Kaam-VaanVidhvansnnay
Pushpam Nirvaanti Svaahaa*

Par Pudgal Kaa Bhkshan Karkae, Yah Bhukh Mitaanaa Chaahee Thee
Es Naagin Sae Bachanae Ko Prabhu, Har Cheej Banaakar Khaayee Thee
Mishtaan anaek Banaayae Thae, Din-Raat Bhakhae Na Mitee Prabhuvar
Ab Saiyam Bhaav Jagaanae Ko, Laayaa Hu Yae Sab Thaalee Bhar

*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Kshudharogvinaashnaay
Naivaidyam Nirpaanti Svaahaa*

Pahilae Agyaan Mitaanae Ko, Deepak Thaa Jag Mae Ujjiyaalaa
Usasae Naa Huaa Kuch Tab Yug Nae, Bijlee Kaa Balb Jalaa Daalaa
Prabhu Bhaed-Gyaan Kee Aankh Naa Thee, Kyaa Kar Sakti Thee Yaha Jvaalaa
Yaha Gyaan Hai Ki Agyaan Kaho, Tumako Bhee Deep Dhikaa Daalaa

Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Mohandhkaarvinaashnaay Deepam Nirpaanti Svaahaa

Shub-Karm Kamaayu Sukh Hogaa, Ab Tak Mainae Yah Maanaa Thaa
Paap Karma Ko Tyaag Punya Ko, Chaah Rahaa Apnaanaa Thaa
Kintu Samajh Kar Shtru Karma Ko, Aaj Jalaanae Aayaa Hu
Laekar Dashaang Yah Dhup, Karma Kee Dhum Udaanae Aayaa Hu

*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Ashtakarmadahnaay
Dhupam Nirpaanti Svaahaa*

Bhogo Ko Amrit Phal Jaanaa, Vishayo Mae Nish-Din Masta Rahaa
Uskae Sangrah Mae Hae Prabhuvar! Mai, Vyasta-Trast-Abhayst Rahaa
Sudhaatamprabhaa Jo Anupam Phal, Mae Usae Khojanae Aayaa Hu
Prabhu Saras Svaasit Yae Jad Phal, Mae Tumhae Chadhaanae Laayaa Hu

*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Mokshfalpraptaayae
Phalam Nirpaanti Svaahaa*

Bahumulya Jagat Kaa Vaibhav Yah, Kyaa Hamko Sukhee Banaa Saktaa
Arae Purtaa Paanae Mae, Eskee Kyaa Hai Aavashyaktaa
Mai Svayam Purna Hu Apnae Mae, Prabhu Hai Anargha Maeree Maayaa
Bahumulya Dravmay Argaha Liyae, Arpan Kae Haetu Chalaa Aayaa

*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Anarghapraptaayae
Argham Nirpaanti Svaahaa*

Jayamaalaa

Samay Saar JinDaev Hai, Jin-Pravachan Jin Vaanahee
Niyamsaar Nirgranth Guru, Karae Karm Kee Haanee

Hae Vitraag Sarvagya Prabho, Tumako Naa Abtak Pahichaanaa
Ataev Parh Rahae Hai Prabhuvar, Chauraasee Kae Chkkaar Khaanaa

Karunaanidhi Tumako Samajh Naath, Bhagavaan Bharosae Padaa Rahaa
Bharpur Sukhee Kar Dogae Tum, Yah Sochae Sanmukh Khadaa Rahaa

Tum Vitraag Ho Leen Svayam Mae, Kabhee Na Mainae Yah Jaanaa
Tum Ho Nireeha Jag Kae Krit-Krit, Etnaa Naa Mainae Pahichaanaa

Prabhu Vitraag Kee Vaanee Mae, Jaisaa Jo Tatva Dikhaayaa Hai
Jo Honaa Hai So Nishchit Hai, Kaeval Gyaneer Nae Gaayaa Hai

Us Par To Shrdhaa Laa Naa Sakaa, Parivartan Kaa Abhimaan Kiyaa
Bankar Par Kaa Kartaa Ab Tak, Sat Kaa Naa Prabho Sammaan Kiyaa

Bhagvaan Tumhaaree Vaanee Mae, Jaisaa Jo Tatva Dikhaayaa Hai
Syaadvaad-Nay Anaekaant-May, Samayasaar Samjhaayaa Hai

Us Par To Dhyaan Diyaa Na Prabho, Vikathaa Mai Samaya Gamaayaa Hai
Shudhaatama-Ruchi Na Hui Man Mae, Naa Man Ko Udhar Lagaayaa Hai

Mae Samajh Na Paayaa Thaa Ab tak, Jinvaanhee Kisko Kahatae Hai
Prabhu Vitraag Kee Vaanee Mae, Kaisae Kyaa Tatva Nikaltae Hai

Raag Dharmmay Dharm Raagmay, Ab Tak Aesaa Jaanaa Thaa
Shub-Karma Kamaatae Sukh Hogaa, Bas Ab Tak Aesaa Maanaa Thaa

Par Aaj Samajh Mae Aayaa Hai, Ki Veetraagtaa Dharma Ahaa
Raag-Bhaav Mae Dharma Maananaa, Jinmat Mae Mithyaatva Kahaa

Veetraagtaa Kee Poshak Hee, Jinvaanhee Kahalaatee Hai
Yah Hai Mukti Kaa Maarg Nirantar, Ham Ko Jo Dikhalaatee Hai

Us Vaanhee Kae Antartam Ko, Jin Guruo Nae Pahichaanaa Hai
Un Guruvaryo Kae Charano Mae, Mastak Bas Hamae Jhukaanaa Hai

Din-Raat Atmaa Kaa Chintan, Mridu Sambhaashan Mae Vahee Kathan
Nirvastraa Digambar Kaayaa Sae Bhee, Prakat Ho Rahaa Antarman

Nirgranth Digambar Sadgyaanee, Svaatam Mae Sadaa Vichartae Jo
Gyaanee-Dhyaanee-Samrassaanee, Dvaadash Vidhi Tap Nit Karatae Jo

Chalatae-Phiratae Sidho Sae Guru, Chrano Mae Sheesh Jhukaatae Hai
Ham Chalae Aapkae Kadamo Par, Nit Yahee Bhaavanaa Bhaatae Hai

Ho Namaskaar Sudhaatam Ko, Ho Namaskaar Jinvar Vaanee
Ho Namaskaar Un Guruo Ko, Jinkee Charyaa Samrassaanee

*Om Hreem Shree Daev-Shaatra-Gurubhyao Anarghapraptaayae Jaimaalaa
Mahaargham Nirpaanti Svaahaa*

(Dohaa)

Darshan Daataa Daev Hai, Aagam Samyak Gyaan
Guru Chaaritra Kee Khaan Hai, Mai Vando Dharidhyaan

(Iti Pushpaanjali Chipae)



मनुष्यभव की उपयोगिता

हे भाई ! आत्मा को भूलकर भव में भटकते हुए अनन्तकाल बीत गया, उसमें अति मूल्यवान यह मनुष्य अवतार और धर्म का ऐसा दुर्लभ योग तुझे प्राप्त हुआ है तो अब परमात्मा जैसा ही तेरा जो स्वभाव है, उसे दृष्टि में लेकर मोक्ष का साधन कर, प्रयत्नपूर्वक सम्यक्त्व प्रगट कर, बुद्धोपयोगरूप मुनिधर्म की उपासना कर और यदि इतना न बन सके तो श्रावकधर्म का जरूर पालन करना ।

—पूज्य श्री कानजी स्वामी

Dev Shastra Guru Poojan

(Pandit Dhyanaatraijee krut)

Pratham dev arahant sushruta siddhant ju,
Guru niragrantha mahant muktapura pantha ju.

Teen ratan jag mahi so ye bhavi dhyaiye,
Tinakee bhakti prasad paramapad paeeye.

Poojo Pad Arahant ke, Poojo Gurupad Saar
Poojo Devi Saraswati, Nit Prati Ashta Prakaar

*Om hrim deva shastra guru samooha ! Atra avatar, avatar, savaushata
Om hrim deva shastra guru samooha ! Atra tishta, tishta, thah, thah
Om hrim deva shastra guru samooha ! Atra mam sannihito bhava, bhava vashat*

Surpati uraga naranath tina kari, vandaneek su-padaprabha,
Ati shobhaneeka suvaran ujjwal, dekh chhavi mohita sabha.

Vara neera ksheer-samudra ghat bhari agra tasu bahavidhi nachu,
Arahant, shruta-siddhanta, guru-niragrantha nit pooja rachu.

Malin Vastu Har Let Saab, Jal Swabhaav Mal Chhin
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim deva shastra gurubhyo janma jara mrityu vinaashanaaya, jalam
nirwapameeti swahah*

Je trijaga-udara majhaara pranee, tapat ati duddhvara khare,
Tina ahit-harana suvachana jinake, parama sheetalata bhare.

Tasu bhramara lobhit, ghrana pawan, saras chandan ghasi sachu,
Arahant, shruta-siddhanta, guru-niragrantha nit pooja rachu.

Chandan Shitalta Karai, Tapat Vastu Parveen
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo samsar taap vinaashanaaya, chandanam
nirwapameeti swahah.*

Yah bhava-samudra apaara tarana, ke nimittha su-vidhi thae,
Ati dridha parama pawana jathaaratha, bhakti vara naouka sahee.

Ujjwal akhandit shali tandula, punja dhari trayaguna jachu,
Arahant, shruta-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Tandul Saali Sugandhi Ati, Param Akhandit Been
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo akshay pada praptaaya, akshatam
nirwapameeti swahah*

Jai vinayavant subhavya-ura-ambuja prakashana bhanu hai,
Jai ek mukh charitra bhashata, trijaga maahi pradhan hai.

Lahi kunda-kamaladik pahupa, bhava-bhava kuvedan so bachu,
Arahant, shruta-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Vividh Bhanti Parimal Suman, Bharmar Jaas Aadhin
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo kam-baan vidhvanshnaaya, pushpam
nirwapameeti swahah*

Ati sabala mada kandarp jako, kshudha uraga amaan hai,
Dussaha bhayanak tasu nashan ko su garuda saman hai.

Uttam chaho rasa yukta nita, naivedya kari dhрут mai pachu,
Arahant, shruta-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Naanaavidhi Saiyuktaras, Vyanjan Saras Naveen
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo kshudha rog vinaashanaaya, naivaidyam
nirwapameeti swahah*

Je trijaga udyama nasha keene, moha-timira mahabalee,
Tihi karm ghati gyan-deep prakasha jyoti prabhavalee.

Iha bhanti deep prajala kanchana ke su-bhajana mai khachu,
Arahant, shruta-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Swa-Par Prakashak Jyoti Ati, Deepak Tamakari Heen
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo mohaandhakar vinaashanaaya, deepam
nirwapameeti swahah.*

Je karm indhana dahana agni-samuha sum uddhat lasai,
Vara dhoopa taasu sugandhita kari, sakala parimalata hasai.
Iha bhanti dhoop chadhaya nit bhava-jwala maahi nahi pachu,
Arahant, shruta-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Agnimahi Parimal Dahan, Chandanaadi Gunleen
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo ashta karma vidhvanshnaaya, dhoopam
nirwapameeti swahah*

Lochana su-rasana, ghrana, ura, utsaaha ke karatar hai,
Mopai na upama jaye varnee, sakala-phal gun sara hai.
So phala chadhawat artha pooran, param amrit rus sachu,
Arahant, shruta-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Je Pradhan Fal Fal Vishe, Panchkaran Rus-Leen
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo moksha phal praptaaya, phalam
nirwapameeti swahah*

Jala param ujjwal, gandh, akshata, pushpa, charu, deepak dharu,
Vara dhoop niramal, phal-vividh, bahu janama ke pataka haru.
Iha bhanti arghya chadhay nita bhavi karata shiv-pankati machu,
Arahant, shrut-siddhant, guru-niragrantha nita pooja rachu.

Vasuvidhi Arghya Sanjoy Ke, Ati Ucchhah Man Keen
Jasou Poojo Parampad, Dev Shashtra Guru Teen

*Om hrim dev shastra gurubhyo anarghya pada praptaaya, arghyam
nirwapameeti swahah*

Jaymaala

Dev-Shashtra-Guru Ratan Shubh, Teen Ratan Kartar
Bhinh-Bhinh Kahun Aarti, Alpa Suguna Vistaar

Chau karm su-treshath prakruti nashi, jeete ashtadasha dosh rashi,
Jai parama suguna hai ananta dheera, kahavat ke chhayalis guna-gambheer.

Subha samavasarana shobha apaar, shata Indra namata kar-sheesha dhar,
Devadhi-dev Arahant dev, vando mana-vacha-tan kari su-sev.

Jinakee dhvani hai omkar roop, nir-akshara maya mahima anoop,
Dusa-ashta mahabhasha samet, laghu-bhasha saata-sataka su-chet.

So syadawad maya sapta bhanga, gandhar goonthe baraha su-anga,
Ravi-shashi na harai so tama haraya, so sashatra namo bahu preeti lyaya.

Guru-acharaja-uwajhaya-sadhu, tana nagana, ratantraya-nidhi agadha,
Sansara-deha vairaagya dhaara, nirvanchi tapain shiva-pada nihara.

Guna chhattisa, pacchis, aathabisa, bhava taarana-tarana jihaja ish,
Guru kee mahima varanee na jaya, guru nama japo mana-vachana-kaya.

Om hrim dev shastra gurubhyo maharghyam nirwapameeti swahah.

Keejai Shakti Praman, Shakti Bina Saradha Dharai
'Dhyanat' Saradhavaan, Ajar Amar Pad Bhogave

lthi aashirvaad: Pushpanjali Kshipayt

Shree Aadinaath Jinpujan

Namu jineshwar dev me, param sukhee bhagwaan
Aaraadhoo shuddhaatmaa, paun pad nirvan

He dharm pitaa sarvagya jineshwar, chetan murti aadi jinam
Meraa gyayak roop dikhaane darpan sam, prabhu aadi jinam
Samyagdarshan gyaan charan paa sahaj sudhaaras aap piyaa
Muktimaarg darshaa kar swaami, bhavyon prati upkaar kiyaa
Saadhak shivpad kaa aaho, aayaa prabhu ke dvaar
Sahaj shuddh nij bhaavanaa, jin poojaa kaa saar

Om hreem shree Aadinaath jinendra! Atra avatar avatar sanvaushat ityaahaanam

Om hreem shree Aadinaath jinendra! Atra tistht tistht taha taha sthaapanam

*Om hreem shree Aadinaath jinendra! Atra mam sannihito bhav bhav vashat
sannidhikaranam*

Chetanamay aanand sarovar, shraddha-gyan suman suhaave hain
Aanand motee charate hans sukeli karain sukh pave hain
Svaanubhooti ke kalash kanakmay, bhari-bhari prabhu ko poojain hain
Ese dharmee nirmal jal se, moha mail ko dhote hain
Athaah saravara aatmaa, aanand ras chhalkaay
Shaant aatma raspaan se, janma-maran mit jay
*Om hreem shree Aadinaath jinendraay janmajaramrutyuvinaashanaay
jalam nirvapaameeti swaahaa*

Magna prabhu chetan saagar me sheetal jal se nhaay rahe
Moh mail ko door hataakar, bhavaataap se rahit bhaye
Tapta ho rahaa moha taap se samyak ras me snaan karoon
Samras chandan se poojoon aaroo teraa path anusaran karoon
Chetan ras ko dholkar, chaaritra sugandh milaay
Bhaav sahit poojaa karoon, sheetalataa pragataay
*Om hreem shree Aadinaath jinendraay sansaarataapvinaashanaay
chandanam nirvapaameeti swaahaa*

Aksha agochar prabho aap, par akshat se main poojaa karoon
Akshaateet gyaan pragataa kar, akshay pad ko prapta karoon
Antarлакshmee gyaan bhaav se, prabhuvar kaa sammaan karoon
Poojoon jinavar param bhaav se, nij sukh kaa aasvaad karoon
Akshay sukh ka svaad loon, indriya man ke paar
Siddh prabhu sukh magan jyon, tishte moksh manjhaar
*Om hreem shree Aadinaath jinendraay akshaypadpraaptaye
akshatam nirvapaameeti swaahaa*

Nishkaam Ateendraya Daev Aho,! Puju Mai Shradhaa Suman Chadrhaa
Kratakraty Huaa Nishkaam Huaa, Tab Mukti Maarg Mae Kadam Badrhaa
Gunha Anantamaya Pushpa Sugandhit, Viksitae Hai Nij-Aatama Mae
Kabhee Nahee Murajhaavae Paramaanand Paayaa Sudhaatam Mae
Ratnatraya Kae Pushpa Subha, Khilae Aatma Uddyaan
Sahajbhaav Sae Pujatae Harshit Hu Bhagavaan
*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: KaamBaanhVidhvansanaay
Pushpam Nirvapaameeti Svaahaa*

Tum Kchudaa Sae Rahit Prabho! Phir Kyo Naivaedyaa Chadrhaau Mai
Anubhav Rasmaya Naivaedyaa Praapt Kar, Kchudaarog Vinashaau Mai
Chaa Nahee Kinchit Bhee Svaamee, Svayam Svayam Mae Trapt Rahu
Saadi-Anant Muktipad Jinvar, Aatmadhyaan Sae Prakat Lahu
Vishaya Sukho Kaa Svaad Yae, Chakhyo Baar Anant
Veetraag Nij Svaad Lu, Hovae Bhav Kaa Ant
*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: KchudhaaRogaVinaashnaay
Naivaeddyam Nirvapaameeti Svaahaa*

Aganhit Deepo Kaa Prakaash Bhee, Dur Nahee Agyaan Karae
Aatmgyaan Kee Aek Kiranha, Hee Mohatimir Ko Turat Harae
Aho Gyaan Kee Adbhut Mahimaa, Mohee Nahi Pahichaan Sakae
Aatmagyaan Kaa Deep Jalaakar, Saadhak Bhaed-Vigyaaan Karae
Svaanubhuti Prakaash Mae, Bhaasae Aatmasvarup
Raag Pavan Laagae Nahee, Kaevaljyoti Anup
*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: MohAndhkaarVinaashnaay
Deepam Nirvapaameeti Svaahaa*

Dvaesh Bhaav To Nahee Rahaa, Raagaandh Maatra Avshaesh Huaa
Dhyaan Agni Pragatee Aesee, Tahaa Karmaendhan Sab Bhasma Huaa
Aho! Aatmasudhi Adbhuta Hai, Dharma Sugandhee Phail Rahee
Dashlakchanha Parinhati Pragataanae, Prabhu Charanho Kee Shranha Gahee
Sva Sanmukh Ho Anubhavu, Gyaanand Svabhaav
Nij Mae Hee Ho Leenataa, Vinasai Sarva Vibhaav
*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: AshtaKarma Dahanaay
Dhupam Nirvapaameeti Svaahaa*

Samyagdarshan Mul Aho! Chaaritra Vrakcha PallavitHuaa
Svaanubhutimaya Amrat Phal, Aasvaadu Ati Hee Trapt Huaa
Mokcha Mahaaphal Bhee Aavaegaa, Nichaya Hee Vishvaas Aho
Nirvikalpa Ho Purnha Leenataa, Prabhu Phal Pujaa Kaa Phal Ho
Nirvaankchak Aanandmaya, Chaa Na Rahee Lagaar
Bhaed Na Pujak Pujya Kaa, Phal Pujaa Kaa Saar
Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: MokshaPhalPraaptaay Phalam Nirvapaameeti Svaahaa

Samyak Tatva Scarup Na Jaanaa, Nahi Yatharthat: Puj Sakaa
Raagbhaav Ko Rahaa Poshataa, Veetraagataa Sae Chukaa
Kaalalabधि Jaagee Antar Mae, Bhaas Rahaa Hai Satya Svarup
Paaungaa Nij Samyak Prabhutaa, Bhaas Rahee Nij Maahi Anup
Saevaa Satya Svarup Kee, Yae Hee Prabhu Kee Saeva
Jin Seavaa Vyavahaar Sae, Nischaya Aatama Daev
*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya: AnarghayaPraaptaay
Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Panchakalaanhaka Argha

Dviteeyaa Krashnha Asaadra, Marudaevee Kae Garbha Mae
Aaya Basae Prabhu aap, Sarvaartheesidhi Vimaan Tae
Garbhvaas Dukh Rup, Tahaa Bhee Prabhu Aanandmaya
Maa Ko Bhee Nahi Kashta, Ratna Pitaarae Jyo Rahae
*Aum Hreem Shree AashaadrhaKrashnhaaDvitiyaamGarbhaKalyaanhakPraaptaaya
ShreeAadinaath-Jinaendraaya Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Navamee Krashnhaa Chait, Huaa Janma Kalyaanhamaya
Narako Mae Bhee Naath, Ek Kchanha Ko Saataa Bhai
Indraadik Bhee Aaya, Kiyo Mahotsva Janma Ko
Maeru Par Abhishaek, Kchirodadhi Tae Prabhu Bhayo
*Aum Hreem ChaitraKrashnhaNavamyamJanmaKalyaanhakPraapataaya
ShreeAadinaath-Jinaendraaya Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Bhaasaa Jagat Asaar, Dhaekh Nidhan Neelaanjanaa
Navamee Krashnhaa Chaitra Param Digambar Pad Dhara
Chidaanand Pad Saar, Dhyaavan Ko Muni Pad Dhara
Laukaantik Sur Aaya Anumodaa Vairaagya Ko
*Aum Hreem ChaitraKrashnhaaNavamyamTapKalyaanhakPraaptaay
Shree AadinaathJinaendraaya Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Pragatyo Kaevalgyaan, Phaalgun Krashnha Aekaadashee
Dharmateerth Sukhakaar, Huaa Pravartit Aap Sae
Samajhaa Tatva Scarup, Divya Daeshanaa Shravanha Kar
Paai Mukti Anup, Bhavyan Nij Purusharth Tae
*Aum Hreem PhalgunKrashnhaAekaadashamyam GyaanKalyaanhakPraaptaaya
ShreeAadinaath-Jinaendraaya Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Paayo Avichal Thaan, Chaudash Krashnhaa Maagh Din
Giri Kailaash Mahaan, Teerth Pragat Jag Mae Bhayo
Sahaj Mukti Avikaar, Shudhaatam Kee Bhaavanaa
Vartae Prabhu Sukhkaar, Mai Bhee Tishtu Aap Ding
*Aum Hreem Shree MaaghaKrashnhaChaturdashyaam MokchaKalyaanhakPraaptaaya
ShreeAadinaath-Jinaendraaya Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Jayamaalaa

Aadeeshvar Vandu Sadaa, Chidaanand Kchalakaaya
Charanha-Sharanha Mae Aapakee, Mukti Sahaj Dikhaaya

Dhanya Dhyaan Mae Aap Viraajae, Daekha Rahae Prabhu Aatamraam
Gyaataa-Drashtaa Aho Jinaeshvar, Paramjyotimaya Aanandadhaam

Ratnatraya Aabhushanha Saanchae, Jadrha Aabhushanha Kaa Kyaa Kaam
Raag-Dvaesh Ni:Shaesh Huae Hai, Vastra-Shatra Kaa Laesha Na Naam

Teen Lok Kae Svayam Mukut Ho, Svaranha Mukut Kaa Hai Kyaa Kaam
Prabhu Trilok Kae Naath Kahaao, Phir Bhee Nij Mae Hee Vishraam

Bhavya Nihaarae Aho Aapko, Aap Nihaarae Apnee Or
Dhanya Aapkee Vitraagtaa, Prabhutaa Kaa Prabhu Or and Kchor

Aap Nahee Daetae Kukcha Bhee Par, Bhakta Aap Sae Lae Laetae
Darshan Kar Updaesh Shravanha Kar, Tatva Gyaan Ko Paa Laetae

Bhaedgyaan Aru Svaanubhuti Kar, Shivpath Mae Lag Jaatae Hai
Aho! Aap Sam Svaashrya Dvaaraa, Nij Prabhutaa Pragataatae Hai

Jab Tak Mukti Nahee Hotee, Prabhu Punya Saatishaya Honae Sae
Chakree Indraadik Kae Vaibhava, Milae Anna Sang Kae Tush-Sae

Par Unko Chaahae Nahi Gyaanee, Milae Kintu Aasakta Na Ho
Nijaanand Amrat Ras Peetae, Vish-Phal Chaahae Kaun Aho

Bhaavae Nit Vairaagya Bhaavanaa, Kchanha Mae Kchodrha Chalae Jaatae
Muni Deekchaa Lae Param Tapasvee, Nij Mae Hee Ramatae Jaatae

Ghor Pareedhah Upsargo Mae Man Sumaeru Nahi Kampit Ho
Kchanha-Kchanha Aanand Ras Vradeengat, Kchapakshraenhi Aarohanha Ho

Shukladhyaan Bal Ghaati Vinashtae, Arhat Dashaa Pragat Hotee
Alpakaal Mae Sarva Karmamal-Varjit Mukti Sahaj Hotee

Paramaanandmaya Darsh Aapkaa, Mangal Uttam Sharanha Lalaam
Niraavaranha Niralaep Param Prabhu, Samyak Bhaavae Sahaj Pranhaam

Gyaan Maahi Sthaapan Keenaa, Sva-Sanmukh Hokaar Abhiraam
Svayam Sidh Sarvagya Svabhaavee, Sahaj Nihaaru Aatamaraam

Prabhu Nandan Mai aapkaa, Hu Prabhutaa Sampann
Alpakaal Mae Aapkae, Tishttugaa Aasann

*Aum Hreem Shree AadinaathJinaendraaya AnarghayaPraaptaay JayamaalaaArgham
Nirvapaameeti Svahaa*

Darshan Gyaan Svaabhaavamaya, Sukh Anant Kee Khaan
Jaakae Aashrya Pragatataa, Avichal Pad Nirvaan

(Ityaasheervaad: Pushpaanjali Kchipaami)

Shree Shaantinaath Poojan

(Geetikaa)

Chakravartee Paanchavae Aru Kaamdaev Su Baarahavae
Indraadi Sae Pujit Huae, Teerthaesh Jinavar Dolahavae
Tihuloka Mae Kalyaanhmaya, Nirgranth Maarag Aapakaa
Bahumaan Sae Pujan Nimitta, Svarup Chintae Aapakaa
Charanho Sheesh Navaaya, Bhaktibhaav Sae Pujatae
Praasuk Dravya Suhaaya, Upjae Paramaanand Prabhu

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendra: Atra Avatarat Avatarat Sanvoshat Aahaananam

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendra: Atra Tishattat Tta: Tta: Sthaapanam

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendra: Atra Mam Sannihito Bhav Bhav Vashat Sannidhikaranham

(Basantatilakaa)

Prabhu Kae Prasaad Apanaa Dhruvarup Jaanaa
Janmaadi Dosha Naashae Ho Aatmadhyaanaa
Shree Shaantinaath Prabhu Kee Pujaa Rachau
Sukh Shaanti Sahaj Svaamee Nij Maahi Paau

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: Janam-Jaraa-Mrityu-Vinaashnaay

Jalam Nirvapaameeti Svaahaa

Jaanaa Svarup Sheetal Udhyotamaanaa

Bhav Taap Sarva Naashae Ho Aatmadhyaanaa || Shree Shaanti... ||

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: SansaarTaapVinaashnaay Chandanam Nirvapaameeti Svaahaa

Akchaya Vibhava Prabhu Sam Nij Maahi Jaanaa

Akchaya Svapad Su Paau Ho AatamaDhyaanaa || Shree Shaanti... ||

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: AkchayapadPraaptaayae Akchatam Nirvapaameeti Svaahaa

Nishkaam Brahmrupam Nij Aatma Jaanaa

Durdaant Kaam Naashae Ho AatamaDhyaanaa || Shree Shaanti... ||

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: KaamBaanhVidhvansanaay Pushpam Nirvapaameeti Svaahaa

Paripurnha Trapta Gyaataa Nijabhaav Jaanaa

Naashae Kchudaadi Kchanha Mae Ho Aatmadhyaanaa || Shree Shaanti... ||

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: KchudhaaRogaVinaashnaay Naivaeddyam Nirvapaameeti Svaahaa

Nirmoha Gyaanmaya Gyaakarup Jaanaa

Kaivalya Sahaj Pragatae Ho AatamaDhyaanaa || Shree Shaanti... ||

Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: MohAndhkaarVinaashnaay Deepam Nirvapaameeti Svaahaa

Nishkarma Nirvikaaree Chidrupa Jaanaa
Bhav-Haetu-Karmanaashae Ho Aatmadhyaanaa
Shree Shaantinaath Prabhu Kee Pujaa Rachaau
Sukh Shaanti Sahaj Svaamee Nij Maahi Paau
*Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: AshtaKarma Dahanaay
Dhupam Nirvapaameeti Svaahaa*

Nirbandha Mukta Apanaa Sudhaatma Jaanaa
Pragatae Su Mokcha Sukhamaya Ho aatamaDhyaanaa || Shree Shaanti... ||
*Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: MokshaPhalPraaptaay
Phalam Nirvapaameeti Svaahaa*

Avichal Anarghya Prabhutaamaya Rup Jaanaa
Valasae Anarghya Aanand Ho Aatmadhyaanaa || Shree Shaanti... ||
*Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: AnarghayaPraaptaay
Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Panchakalaanhaka Argha (Dohaa)

Bhaado Krashnhaa Saptamee, Taji Sarvaartha Vimaan
Aeraa Maa Kae Garbha Mae, Aayae Shree Bhagvaan
*Aum Hreem Shree BhaadavKrashnhaaSaptamyamGarbhaMandalManditaaya Shree-
Shaantinaath-Jinaendraaya: AnarghayaPraaptaay Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Krashnhaa Jaetta Chaturdashee, Gajapur Janmae Esha
Kari Abhishaeka Sumaeru Par, Indra Jhukaavae Sheesha
*Aum Hreem Shree JyaeshhtaKrashnhaaChaturdashyaamJanmaMandalManditaaya Shree-
Shaantinaath-Jinaendraaya AnarghayaPadPraaptaay Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Saarbhut Nirganth Pad, Jagat Asaar Vichaar
Krashnhaa Jaetta Chaturdashee, Deekchaa Lee Hitakaar
*Aum Hreem Shree JyaeshhtaKrashnhaaChaturdashyaamTapoMandalManditaaya Shree-
Shaantinaath-Jinaendraaya: AnarghayaPadPraaptaay Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Aatmadhyaana Mae Nashi Gayae, Ghaatikarma Dukhadaan
Pausha Sukla Dashamee Dinaa, Pragatto Kaevalgyaan
*Aum Hreem Shree PaushaShuklaaDashamyamGyaanMandalManditaaya ShreeShaantin-
aath-Jinaendraaya: AnarghayaPadPraaptaay Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Jaett Krashnha Chaudashi Dinaa, Bhayae Sidha Bhagavaan
Bhaav Sahit Prabhu Pujatae, Hauvae Sukha Amlaan
*Aum Hreem Shree JyaeshhtaKrashnhaaChaturdashyaamMokchaMandalManditaaya Shree-
Shaantinaath-Jinaendraaya: AnarghayaPadPraaptaay Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Jayamaalaa

(Chaupaai)

Jaya Jaya Shaantinaath Jinaraja, Gaau Jayamaalaa Sukhakaajaa
Jinavar Dharma Su Mangalkaaree, Aanandakaaree Bhavdadhitaaree

(Laavane)

Prabhu Shaantinaath Lakh Shaant Svarup Tumhaaraa
Chit Shaant Huaa Mai Jaanaa Jaananahaaraa (Taek)

Hae Vitaraag Sarvagya Param Upkaaree
Adbhut Mahimaa Mainae Pratyakcha Niharee
Jo Dravya Aur Gunha Paryaya Sae Prabhu Jaanae
Vae Jaanae Aatmasvarup Moha Ko Haanae
Vinashae Bhav Bandhan Ho Sukha Aparmpaaraa
Chit Shaant Huaa Mai Jaanaa Jaananahaaraa (1)

Hae Daev! Krodha Bin Karma Shatru Kim Maaraa?
Bin Raag Bhavya Jeevo Ko Kaisae Taaraa?
Nirgrantha Akinchan Ho Triloka Kae Svaamee
Ho Nijaanandras Bhogee Yogee Naamee
Adabhut, Nirmal Hai Sahaj Charitra Tumhaaraa
Chit Shaant Huaa Mai Jaanaa Jaananahaaraa (2)

Sarvaarth Sidhi Sae Aa Parmarth Su Saadhaa
Ho Kaamdaev Nishkaam Tatv Aaraadhaa
Taji Chakra Sudarshan, Dharmachakra Ko Paayaa
Kalyaanhamayee Jin Dharma Teerth Pragataayaa
Anupam Prabhutaa Maahaatmya Vishva Sae Niyaraa
Chit Shaant Huaa Mai Jaanaa Jaananahaaraa (3)

Gunhgaan Karu Hae Naath Aapkaa Kaisae?
Hae Gyaanmurti! Ho Aap Aap Hee Jaisae
Ho Nirvikalpa Nigrantha Nijaatam Dhaayu
Parbhaavshunya Shivarupa Parampad Paau
Advait Naman Ho Prabho Sahaj Avikaaraa
Chit Shaant Huaa Mai Jaanaa Jaananahaaraa (4)

Kukcha Rahaa Na Bhaeda Vikalpa Pujya Pujak Kaa
 Upjae Na Dvanda Du:khrop Saadhya Saadhak Kaa
 Gyaataa Hu Gyaataarup Asanga Rahungaa
 Par Kee Na Aas Nij Mae Hee Trapt Rahungaa
 Svabhaav Svayam Ko Hovae Magalkaaraa
 Chit Shaant Huaa Mai Jaanaa Jaananahaaraa (5)

(Ghattaa)

Jaya Shanti Jinaendra, Aanandkandam, Naath Niranjan Kumatiharaa
 Jo Prabhu Gunhagaavae, Paap Mittaavae, Paavae Aatamagyaan Varaa
*Aum Hreem Shree ShaantinaathJinaendraaya: AnarghayaPraaptaay
 Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

(Dohaa)

Bhaktibhaav sae Jo Jajae, Jinavar Charanha Puneet
 Vae Ratnatraya Pragatkar, Lahae Mukti Navaneet
(Ityaasheervaad: Pushpaanjali Kchipaami)

महावीर वाणी

- ☞ प्रत्येक आत्मा स्वतन्त्र है। कोई किसी के आधीन नहीं है।
- ☞ सब आत्माएँ समान हैं। कोई छोटा-बड़ा नहीं है।
- ☞ प्रत्येक आत्मा अनन्तज्ञान और सुखमय है। सुख कहीं बाहर से नहीं आना है।
- ☞ आत्मा ही नहीं, प्रत्येक पदार्थ स्वयं परिणमनशील है। उसके परिणमन में पर-पदार्थ का कोई हस्तक्षेप नहीं है।
- ☞ सब जीव अपनी भूल से ही दुखी हैं और स्वयं अपनी भूल सुधार कर सुखी हो सकते हैं।
- ☞ अपने को नहीं पहचानना ही सबसे बड़ी भूल है तथा अपना सही स्वरूप समझना ही अपनी भूल सुधारना है।
- ☞ भगवान कोई अलग नहीं होते। यदि सही दिशा में पुरुषार्थ करे तो प्रत्येक जीव भगवान बन सकता है।
- ☞ स्वयं को जानो, स्वयं को पहचानो और स्वयं में समा जावो; भगवान बन जावोगे।
- ☞ भगवान जगत का कर्त्ता-हर्त्ता नहीं। वह तो समस्त जगत का मात्र ज्ञाता-दृष्टा है।
- ☞ जो समस्त जगत को जानकर उससे पूर्ण अलिप्त वीतराग रह सके अथवा पूर्णरूप से अप्रभावित रहकर जान सके, वही भगवान है।

Shree Vardhmaan Poojan

Shreematha veera, hare bhava peer, bhare sukha-seera anakulatayee,
Kehari-anka ari-karadanka, naye hari-pankati-mauli suhayee,
Mai tuma ko ita thapatu ho prabhu, bhakti-sametha hiye harashayee,
He karuna-ghana dhaarakata deva, iha aba tistahu sheegrahi ayee.
Om hrim shri mahavir jinendraaya! Atra avatar, avatar, samvaushata ahvanam.
Om hrim shri mahavir jinendraaya! Atra tishta, tishta, thah, thah, sthapanam.
Om hrim shri mahavir jinendraaya! Atra mam sannihito bhava bhava sannidhi-karanam.

Ksheerodhadhi sama suchi-neera, kanchana brhanga bhara,
Prabhu vega haro bhava-peera, yate dhaara karo.
Shree veera, maha ativeera, sanmati nayak ho,
Jaya vardhamana guna-dheer, sanmati dayak ho
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, janma-jara-mrityu vinaashnaaya, jalam
nirwapameeti swahah*

Malaya giri-chandana saara, keshara-sanga ghaso,
Prabhu bhava-ataapa niwaar, pujata hiya hulaso.
Shree veera, maha ativeera, sanmati nayak ho,
Jaya vardhamana guna-dheer, sanmati dayak ho.
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, samsar thaap vinaashnaaya, chandanam
nirwapameeti swahah.*

Tandula sitha shashi-sama suddha, leeno thaara bhari,
Thasu punja dharo aviruddha, pavo shiva-nagari.
Shree veera, maha ativeera, sanmati nayak ho,
Jaya vardhamana guna-dheer, sanmati dayak ho.
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, akshay pad praptaaya, akshatam
nirwapameeti swahah.*

Sura-taru kay sumana sametha, sumana-sumana pyare,
So manamatha-bhanjana-heth, pujo pada thare.
Shree veera, maha ativeera, sanmati nayak ho,
Jaya vardhamana guna-dheer, sanmati dayak ho.
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, kam-vaana vidvanshanaaya, pushpam
nirwapameeti swahah.*

Rasa-rajjatha sajjatha sadya, majjatha thar bhari,
Pada jajjatha, rajjatha adya, bhajjatha bhukha-ari.
Shree veera, maha ativeera, sanmati nayak ho,
Jaya vardhamana guna-dheer, sanmati dayak ho.
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, kshudha-rog vinaashanaaya, naivaidhyam
nirwapameeti swahah.*

Tama-khanditha manditha-nehā, deepaka jōvata ho,
tuma pada tala he sukha-geha, bhrama-tama khovata ho.

Shree veera, maha ativeera, sanmati nayak ho,
Jaya vardhamana guna-dheer, sanmati dayak ho.
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, moha-andhakar vinaashnaaya,
deepam nirwapameeti swahah.*

Hari-chandana, agara, Kapoor, choora suganda kara,
tuma pada-tara khevata bhuri, aattho karma jhara. || Shree veera.. ||
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, ashta karma dahanaaya,
dhoopam nirwapameeti swahah.*

Ritu-phala kala-varjita laya, kanchana-thar bhāro,
shiva-phala-hita he jinraya, tuma dhig bheta dharo. || Shree veera.. ||
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, moksha phala praptaaya,
phalam nirwapameeti swahah.*

Jala-phal vasu saji hima-thar, thana-mana-moda dharo,
guna gaoo bhava-dadhi thar, pujata paapa haro. || Shree veera.. ||
*Om hrim shree mahavir jinendraaya, anarghya pad praptaaya,
arghyam nirwapameeti swahah.*

Panchakalaanhaka Argha

Mohi rakho ho sharana, shree vardhamana jinarai ji, mohi rakho ho sharana.
Garabha sadh sita chhatta liyo tithi, trishala ura agha harana,
Sura-surapati-tiya, seva kari nita, mai pujo bhava-tharana naath.
Mohi rakho ho sharana, shree vardhamana jinarai ji, mohi rakho ho sharana.
*Om hrim ashadha shukla sasthyam garbha-mangal manditaya,
shree mahavir jinendraaya arghyam nirwapameeti swahah.*

Janama cheta sita teras kay dina, kundalapura kana-varana,
Sura-giri sura-guru pooj rachayo, me pujo bhava-harana || Mohi.. ||
*Om hrim chaitra shukla traiodusyam janma mangal mandithaya,
shree mahavir jinendraaya arghyam nirwapameeti swahah.*

Magashira asita manohara dashami, tha dina tapa-acharana,
Nripa-kumar ghara paarana kino, me pujo tuma-charana || Mohi.. ||
*Om hrim margashirsha krishna dashumyam tapo mangal mandithaya,
shree mahavir jinendraaya arghyam nirwapameeti swahah.*

Shukala dashai vaisakha divasa ari, ghaathi-chatuka chhaya-karana,
Kevala lahi, bhavi bhava-sara tare, jajo charana sukha-bharana
Mohi rakho ho sharana, shree vardhamana jinarai ji, mohi rakho ho sharana.
*Om hrim vaisakha shukla dashumyam gyan mangal mandithaya,
shree mahavir jinendraaya arghyam nirwapameeti swahah.*

Kartika shyama amaavasa shiva-tiya, pavapura te parana,
Guna-phani-vrinda jaje tiha bahu-vidhi, me pujo bhava-harana naath.
Mohi rakho ho sharana, shree vardhamana jinarai ji, mohi rakho ho sharana.
*Om hrim kartik krishna amavashyam moksha mangal mandithaya,
shree mahavir jinendraaya arghyam nirwapameeti swahah.*

Jayamaalaa

Gana-dhara asani-dhara, chakra-dhara hala-dhara gadadhara varavada,
Aru chapa-dhara vidhya su-dhara, tirashula-dhara sevahi sada.
Dukha-harana, ananda-bharana, taarana-tarana, charana rasaala hai,
Sukumal, guna-mani-mal, unnatha bhal ki jayamal hai. | |

Jay Trishlanandan, Harikrutvandan, Jagdanandan, Chandavaram |
Bhavtaapnikandan, Tan Kanmandan, Rahitsapandan Nayandharam | |

Jaya kevala-bhanu kalasadanam, bhavi coka-vikashana-kanjavanam,
Jaga jita-maha-ripu-mohaharam, raja gyana drigavara choora karam.
Garabhadika mangala manditha ho, dukha-daarida ko nita khanditha ho,
Jagamahi tumi sata pandita ho, tuma hee bhava bhaava vihunditha ho.

Hari-vansha sarojana ko ravi ho, balavanta mahanta tumi kavi ho,
Lahi kevala dharm prakasha kiyo, abalo soi maraga raajati yo.

Puni aapa tanay guna mahi sahi, sura magna rahe jitane saba hee,
Tinaki vanita guna gaavata hai, laya tananee so mana bhavata hai.

Puni nachata ranga-umanga bhari, tuva bhakti-vishay paga aima dhari,
Jhananam jhananam jhananam jhananam, swara leta thaha tananam tananam.

Ghananam ghananam ghana ghunta bajay, drimadam drimadam miradanga sajai,
Gaganan-gana-garbhagata-sugata, thatha-thaa thatha-thaa atha-thaa viitha-thaa.

Drigatam drigatam gati baajata hai, suratala rasala ju chhajata hai,
Sananam sananam sananam nabha mai, ika roopa aneka ju dhari bhrahmai.

Kaye naari su beena bajavati hai, tumaro jasa ujjwala gavati hai,
Karatala visay karatala dhare, suratala visala ju naadha karay.

Ina aadhi aneka uchhaha bhari, sura bhakti karay prabhuji tumari,
Tumahee jaga jivana kai pitu ho, tumahee bina karana kai hitu ho.

Tumahee sabha vighna-vinashana ho, tumahee nija ananda bhashana ho,
Tumahee chita chintitha dayaka ho, jagamahee tumahee saba layaka ho.

Tumarai pana mangala mahi sahee, jiya uttama punya liyo saba hee,
Hamako tumaree saranagati hai, tumarai guna mai mana paagata hai.

Prabhu mo hiya aapa sada basiyay, jabalo vasu karma nahee nasiyay,
Tabalo tuma dhyana hiye barato, tabalo shruta chinatana chittha rato.

Tabalo vrata charita chhahathu ho, tabalo shubha bhava suhagata ho,
Tabalo mama sangati nitya rahai, tabalo mama samyama chittha gahe.

Jabalo nahi naasha karo ariko, shiva naari varo samata dhari ko,
Yaha dyo tabalo hamako jina ji, hama jachatatu hai itanee suna ji.

Shree Veera Jinesha, Namita Suresha, Naag Naresha Bhagat Bhara |
'Vrandavana' Dhyave, Vighana Dhyave, Vighana Nashaave, Vaanchhita Paave Sharma Varaa | |
Om hrim shree mahavir jinendraaya maharghyam nirwapameeti swahah.

Shree Sanmati Ke Jugalapad, Jo Poojay Dhari Preet |
'Vrandavana' So Chatur Nar, Lahay Mukti Navneet
[Ithi aashirvad: Pushpanjali Kshipayth]

वीतरागभाव ही मोक्षमार्ग

इसलिए बहुत क्या कहे—जिसप्रकार से रागादि मिटाने का श्रद्धान हो वही श्रद्धान सम्यग्दर्शन है, जिसप्रकार से रागादि मिटाने का जानना हो वही मानना सम्यग्ज्ञान है तथा जिसप्रकार से रागादि मिटें वही आचरण सम्यक्चारित्र है; ऐसा ही मोक्षमार्ग मानना योग्य है।

—पं० टोडरमलजी मोक्षमार्ग प्रकाशक, पृष्ठ २१३

Shree Mahavir Poojan

Jo Moh Mayaa Maan Matsar, Madan Mardan Veer Hai
Jo Vipul Vighno Beech Mai Bhee, Dhyaan Dharan Dheer Hai
Jo Taran-Taaran Bhav Nivaaran, Bhav-Jaladhi Ke Teer Hai
Ve Vandaneey Jinesh, Thirthnankar Swayam Mahavir Hai

Om hrim shri Mahavir Jin! Atra avatar, avatar, samvaushata.

Om hrim shri Mahavir Jin! Atra fishtha, fishtha, thah, thah.

Om hrim shri Mahavir Jin! Atra mum sannihito bhav bhav vashat

Jinke Guno Kaa Stavan Paavan Karan Amlaan Hai
Mal Haran Nirmal Karan Bhaageerthee Neer Samaan Hai

Santapt –Maanas Shaant Ho Jineke Guno Ke Gaan Mai
Ve Vardhmaan Mahaan Jin Vichare Hamaare Dhyan Mai

*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya, janma-jara-mrutyu vinaashnaaya,
jalam nirwapameeti swaha.*

Lipte Rahai Vishdhar Tadapi Chandan Vitap Nirvish Rahai
Tyo Shant Sheetal Hee Raho Ripu Vighan Kitane Hee Karai Santapt...

*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya sansaartaap vinaashnaaya chandham
nirwapameeti swaha.*

Sukha-Gyaan-Darshan-Veer Jin Akshat Samaan Akhand Hai
Hai Shant Yadyapi Tadapi Jo Dinkar Samaan Prachand Hai Santapt...

*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya, akshayapadpraaptaaya, akshatam
nirwapameeti swaha.*

Tribhuvanjayee Avijit Kusumsar Subhat Maaran Soor Hai
Paragandh Se Virhit Tadapi Nijgandh Se Bharpur Hai Santapt...

*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya, Kaambaanvidhvanshanaaya Pushpam
nirwapameeti swaha.*

Yadi Bhookh Ho To Vividh Vyanjan Misht Esht Prateet Ho
Tum Kshudhaa-Baadhaa Rahit Jin Kyo Tumhe Unse Preeti Ho Santapt...

*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya kshudhaarog vinaashnaaya Naivadyam
nirwapameeti swaha.*

Yugpad Vishad Sakalaarth Jhalke Nitya Kevalgyaan Mae
Trailookyadeepak Veerjin Deepak Chadhaayoo Kyaa Tumhe Santapt...

*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya mohandhkaar vinaashnaaya deepam
nirwapameeti swaha.*

Jo Karma-eendhan Dahan Paavak Punjj Pavan Samaan Hae
Jo Hae Ameya Pramey Puran Gyaey Gyaata Gyaan Hae
Santapt –Maanas Shaant Ho Jineke Guno Ke Gaan Mai
Ve Vardhmaan Mahaan Jin Vichare Hamaare Dhyan Mai
*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya ashtakarmadahanaay dhupam
nirwapameeti swaaha.*

Saaraa Jagat Fal Bhogataa Nit Punya Aevam Paap Kaa
Sub Tyaag Samras Nirat Jinvar Safal Jeevan Aapkaa Santapt...
*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya mokshaphal praaptaay phalam
nirwapameeti swaaha.*

Es Arghya Kaa Kya Mulya Hae Anarghya Pad Ke Saamne
Us Param-Pad Ko Paa Liyaa Hai Patit Paavan Aapne Santapt...
*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya anarghyapad praaptaay arghyam
nirwapameeti swaaha.*

Panchkalyanak Arghya

Sit Chhatavee Aashadh, Maa Trishala Ke Garbh Mai
Antim Garbhavas, Yahee Jaan Pranamu Prabho
*Om hrim Aashadhshukla sashthaayam garbha mangalmanditaay shree Mahavir
Jinendraaya arghyam nirwapameeti swaaha.*

Teras Din Sit Chaet, Antim Janma Liyo Prabhu
Nrup Sidhartha Niket, Indra Aay Utsav Kiyo
*Om hrim Chaitra Sukla Trayodashya janma mangal manditaay shree Mahavir
Jinendraaya arghyam nirwapameeti swaaha.*

Dashvee Mangsir Krushna, Vardhman Deeksha Dharee
Karma Kaalimaa Nasht, Karane Aatmarathee Bane
*Om hrim Margshirsh Krushnadashmya tapmangal manditaay shree Mahavir
Jinendraaya arghyam nirwapameeti swaaha.*

Sit Dashavee Baesaakh, Paayo Kevalgyaan Jin
Ashta Dravyamay Arghya, Prabhupad Pujaa Karae Hum
*Om hrim Vaishakh Shukla Dashmya Gyaan Manditaay shree Mahavir
Jinendraaya arghyam nirwapameeti swaaha.*

Kaartik Maavas Shyaam, Paayo Prabhu Nirvana Tum
Paavaa Teerathdhaam, Deepaawalee Manay Hum
*Om hrim Kartik Krushna Amavasyam moksha mangalmanditaay shree Mahavir
Jinendraaya arghyam nirwapameeti swaaha.*

Jaymaala

Yadapi Yuddh Nahee Kiyo, Naahi Rakhe Asi-Teer
Param Ahinsak Aacharan, Tadapi Bane Mahavir

He Moh-Mahaadal Dalan Veer, Dudhwar-Tap Sayam Dharan dheer
Tum Ho Anant Aanandkand, Tum Rahit Sarva Jug Dand-Fund
Adhakaran Karan-Mun Haran-Haar, Sukhkaran Haran Bhavdukh Apaar
Siddharth Tanay Tun Rahit Dev, Sur-Nur-Kinner Sub Karat Sev
Matigyan Rahit Sanmati Jinesh, Tum Raag Dvesh Jite Ashesh
Shubh-Ashubh Raag Kee Aag Tyaag, Ho Gaye Swayam Tum Veetaraag
Shut Dravya Aur Unke Vishesh, Tum Jaanat Ho Prabhuvar Ashesh
Sarvagya-Veetaraagee Jinesh, Jo Tum Ko Pahichane Vishesh
Ve Pahichaane Apanaa Swabhaav, Ve Kare Moh-Ripu Kaa Abhaav
Ve Pragat Kare Nij-Par Vivek, Ve Dhyave Nij Sudhaatam Ak
Nij Atam Mae Hee Rahe Leen, Charitra-Moh Ko Kare Ksheen
Unakaa Ho Jave Ksheen Raag, Ve Bhee Ho Jave Veetraag
Jo Huae Aaj Tak Arahant, Sabane Apanaaya Yahee Panth
Updesh Diya Es Hee Prakaar, Ho Sabako Mera Namaskaar
Jo Tumko Nahi Jaane Jinesh, Ve Paave Bhav-Bhav Bhraman Klesh
Ve Maange Tumse Dhan-Samaaj, Vaibhav Putraadik Raaj-Kaaj
Jinko Tum Tyaage Tuchha Jaan, Ve Unhe Mante Hai Mahaan
Unme Hee Nishdin Rahe Leen, Ve Punya-Paap Mae Hee Praveen
Prabhu Punya-Paap Se Paar Aap, Bin Pahichane Paave Santaap
Santaap haran Sukhkaran Saar, Sudhaatma swarupee Samaysaar
Tum Samaysaar Hum Samaysaar, Sampurna Aatma Samaysaar
Jo Pahechaane Apnaa Swarup, Ve Ho Jaave Parmaatmaarup
Unko Naa Koe Rahe Chaah, Ve Apnaaleve Moksha Raah
Ve Kare Aatmaa Ko Prasiddha, Ve Alpakaal Mae Hoya Siddha
*Om hrim shree Mahavir Jinendraaya anarghyapad praaptaay jayamaalaa ma-
haarghya nirwapameeti swaaha.*

Bhutkaal Prabhu Aapkaa, Vah Meraa Vartmaan
Vartmaan Jo Apkaa, Vah Bhavishya Mum Jaan

Iti Asirwad, Pushpaanjalee kshipaet.

Panch Parmeshthi Poojan

Arihant Siddha Aachaarya Naman, Hae Upaadhyay Hae Saadhu Naman
Jay Panch Param Parmeshthi Jay, Bhav Saagar Taaranh Haar Naman

Man-Vach-Kaayaa Purvak Kartaa Hu, Suddh Rhidaya Sae Aahvaanan
Mum Rhiday Virojo Tishth Tishth, Sannikat Hohu Maerae Bhagvan

Nij Aatmatatva Kee Praapti Haetu, Lae Asht Dravaya Kartaa Pujan
Tum Charano Kee Pujan Sae Prabhu, Nij Siddh Rup Kaa Darshan Ho

*Om hrim shree Arihant-Sidha-Aachaaraya-Upaadhyay-Sarvsaadhu
panchparmeshthin! atra avatar, avatar, samvaushata*

*Om hrim shree Arihant-Sidha-Aachaaraya-Upaadhyay-Sarvsaadhu p
anchparmeshthin! Atra tishtha, tishtha, thah, thah,*

*Om hrim shree Arihant-Sidha-Aachaaraya-Upaadhyay-Sarvsaadhu
panchparmeshthin! Atra mum sannihito bhava bhava vashat*

Mai To Anaadi Sae Rogee Hu, Upchaar Karaanae Aayaa Hu
Tun Sam Ujjavalataa Paanae Ko, Ujjaval Jal Bhar Kar Laayaa Hu

Mai Janm-Jaraa-Mrutu Naash Karu, Aisee Do Shakti Rhidaya Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav-Dukh: Maeto Antaryaamee

*Om hrim shree Panch Parmaeshthibhyo janm-jara-mrutyu vinaashnaay jalam
nirvapamitee swaaha.*

Sansaar Taap Mae Jal-Jal Kar, Mainae Aganit Dukh Paayae Hai
Nij Shaant Swabhaav Nahee Bhaayaa, Par Kae Hee Geet Suhaae Hai

Sheetal Chandan Hai Bhaet Tumhae, Sansaar Taap Naasho Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shree Panch Parmaeshthibhyo sansaartaap vinaashnaay chandnam nirva-
pamitee swaaha.*

Dukh:may Athaah Bhavsagar Mae, Maeree Yah Noukaa Bhatak Rahee
Shubh-Ashubh Bhaav Ki Bhavaro Mae, Chaitanya Shakti Nij Atak Rahee

Tandul Hai Dhaval Tumhae Arpit, Akshay Pad Praapt karu Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shree Panch parmaeshthibhyo akshaypad praaptaay akshatam
nirvapaameeti swaaha.*

Mai Kaam Vyathaa sae Ghaayal Hu, Sukh Kee Na Milee Kinchit Chhaayaa
Charano Mae Pushpa Chadhaataa Hu, Tum Ko Paakar Man Harshaayaa

Mai Kaam Bhav Vidhvansh Karu, Aisaa Do Sheel Rhidaya Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shree Panch parmaeshthibhyo kambaan vidhvanshanaay
pushpam nirvapamitee swaaha.*

Mai Kshudhaa Rog Sae Vyaakul Hu, Charo Gati Mae Bharmaayaa Hu
Jug Kae Saarae Padaarth Paakar Bhee, Trupt Nahee Ho Paayaa Hu

Naivaidya Samarpit Kartaa Hu, Yah Kshudhaa Rog Maeto Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shree Panch parmaeshthibhyo kshudaarog vinaashanaay
naivaidyam nirvapamitee swaaha.*

Mohaandh Mahaa Agyaane Mai, Nij Ko Par Kaa Kartaa Maanaa
Mithyaatam Kae Kaaran Mainae, Nij Aatmsvarup Na Pahichaanaa

Mai Deep Samarpan Karataa Hu, Mohaandhkaar Kshaaya Ho Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shree panchparmaeshtheebhyo mohandhkaar vinaashanaay deepam nir-
vapaameete savahaa.*

Karmo Kee Jvaalaa Dhadhak Rahee, Sansaar Badh Rahaa Hai Pratipal
Sanvar Sae Ashrav Roku, Nirjaraa Surabhi Mahakae Pal-Pal

Mai Dhup Charhaakar Ab Aatho, Karmo Kaa Hanan Karo Svaamee
Hae Panch Param Parmaeshtee Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

Om hrim shree Panch parmaeshthibhyo ashtakarma dahanaay dhupam nirvapamitee swaaha.

Nij Aatmtatva Kaa Manan Karu, Chintvan Karu Nij Chetan Kaa
Do Shradhaa-Gyaan-Charitra Shreshth, Sachaa Path Moksh Nikaetan Kaa

Uttam Phal Charanh Chadhaataa Hu, Nirvaan Mahaa Phal Ho Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

Om hrim shree Panch parmaeshthibhyo mokshaphal praaptaay phalam nirvapamitee swaaha.

Jal Chandan Akshat Pushpa Deep, Naivaidya Dhup Phal Laayaa Hu
Ab Tak Kae Sanchit Karmo Kaa, Mai Punj Jalaanae aayaa Hu

Yah Arghya Samarpit Karataa Hu, Avichal Anarghya Pad Do Swami
Hae Panch Param Parmaeshthi Prabhu, Bhav Dukh Maeto Antaryaamee

*Om hrim shri Panch parmaeshthibhyo anarghyapad praaptaay arghyam
nirvapamitee swaaha.*

Jaymaala

Jai Veetraag Sarvagya Prabho, Nij Dhyaan Leen Gunmay Apaar
Aashtaadash Dosh Rahit Jinvar, Arahant Dev Ko Namaskaar

Avikal Avikaaree Avinaashee, Nijrup Niranjan Niraakaar
Jai Ajay Amar Hae Muktikant, Bhagvant Siddh Ko Namaskaar

Chhattis Sugunh Sae Tum Mandit, Nischaya Ratan Traya Rhidaya Dhaar
Hae Mukti Vadhu Kae Anuraagee, Aacharyaa Suguru Ko Namaskaar

Aekaadash Ang Purva Chaudhah Kae, Paathee Gunh Pachchees Dhaar
Baahyaantar Muni Mudraa Mahaan, Shree Upaadhyaay Ko Namaskaar

Vrat Samiti Gupti Chaaritra Dharma, Vairaagya Bhaavanaa Rhidaya Dhaar
Hae Dravya-Bhaav Samyam-maya Munivar, Sarv Saadhu Ko Namaskaar

Bahu Punya Sanyog Milaa Nartan, Jin Shrut Jindev Charan Darshan
Ho Samyagdarshan Praapt Mujhae, To Saphal Banae Maanav Jeevan

Nij-par Kaa Bhed Jaankar Mai, Nij Ko Hee Nij Mae Leen Karu
Ab Bhaedgyaan Kae Dvaaraa Mai, Nij Aatma Svayam Swaadheen Karu

Nij Mae Ratantraya Dhaaran Kar, Nij Parinhiti Ko Hee Pahachaanu
Par-Parinhiti Sae Ho Vimukh Sadaa, Nij Gyaan Tatva Ko Hee Jaanu

Jab Gyaan-Gyae-Gyaataa Vikalp Taj, Shukla Dhyaan Mai Dhyaaungaa
Tab Chaar Ghaatiyaa Kshay Karkae, Arahant Mahaapad Paaungaa

Hai Nishchit Siddh Swapad Mera, Hae Prabhu Kub Isko Paungaa
Samyak Pujaa Phal Paanae Ko, Ab Nij Swabhaav Mae Aaungaa

Apnae Swarup Kee Praapti Hetu, Hae Prabhu Mainae Kee Hai Pujan
Tub Tuk Charano Mae Dhyaan Rahae Jub tak Na Praapt Ho Mukti Sadan

*Om hrim Arahant-siddh-Aachaarya-Upaadhyaay SarvSaadhu panch-
Parmaeshthibhyo mahaaarghyam nirvapamitee swaaha.*

Hae Mangal Rup Amangal Har, Mangalmay Mangal Gaan Karu
Mangal Mae Pratham Shraeshth Mangal, Navkaar Mantra Kaa Dhyaan Karu

Iti Pushpaanjali Kshipaet

जिन्हें जिनदेव का सेवक बनना हो व जिनदेव के उपदेशित मार्ग-
रूप प्रवर्तना हों, उन्हें सर्वप्रथम जिनदेव के सच्चे स्वरूप का अपने ज्ञान में
निर्णय करके उसका श्रद्धान करना चाहिए ।

—सत्तास्वरूप, पृष्ठ १६

Shree Chaubeese Poojan

Rushabha Ajit Sambhava Abhinandan, Sumati Padma Supaarshv jinraya,
Chanda pahup Sheetal Shreyans nami, Vaasupujya pujit sur raaya.

Vimal Ananta Dharma jusa ujjaval, Shanti Kunthu Ara Malli manaay,
Munisuvrat Nami Nemi Paarshwa prabhu Vardhamaan pad pushpa chadhay.

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahairaant-chaturvinshati-jinasamuha!
Atra avatar, avatar, samvaushata,*

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahaviraant-chaturvinshati-jinasamuha!
Atra tishta, tishta, thah, thah,*

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahaviraant-chaturvinshati-jinasamuha!
Atra mum sannihito bhava bhava vashat.*

Muni-mana suma ujjaval neer, praasuk gandha bharaa,
Bhari kanaka katoree dheer, deenee dhaar dharaa.

Chaubeesou shree jinachanda, aannad kund sahee,
Pada-jajata harat bhavafunda, paavat moksha mahee.

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, janma-jara-mrutyu vinaashnaaya,
jalam nirwapameeti swaaha.*

Gosheer kapur milaaya, keshar rang bharee,
Jina charanana deta chadhaya, bhava-aataapa haree. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, sansaar taap vinaashnaaya,
chandanam nirwapameeti swaaha.*

Tandul sita soma samaan, sundar aniyare,
Muktaphal ki oona-maan punja dharo pyaare. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, akshay pad praptaaya,
akshatam nirwapameeti swaaha.*

Varkanj kadamba kuraand, suman sugandha bhare,
Jina agra dharo gunamand, kaama-kalank hare. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, kam-baan vidhvanshanaaya,
pushpam nirwapameeti swaaha.*

Mana mohan modak aadi, sundar sadya bane,
Rusapurit prasuka swad, jajat kshudhadi hane. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, kshudha-rog vinaashanaaya, na-
ivaidyam nirwapameeti swaaha.*

Tama-khandan deepa jagaay, dhaaron tum aage,
Suba timir moha kshaya jaaya, gyankalaa jaage.
Chaubeeso shree jinachanda, aannad kund sahee,
Pada-jajata harat bhavafunda, paavat moksha mahee.

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, moh-andhakar
vinaashnaaya, deepam nirwapameeti swaaha.*

Dashagandh hu -taashan maahin, he prabhu khevat haun,
Misa dhuma karam jari jaahin, tum pada sevata haun. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, ashta karma dahanaaya
dhoopam nirwapameeti swaaha.*

Shuchi-pakva-sarus-phal saar, suba ritu ke lyayo,
Dekhat druga manko pyar, poojat sukha paayo. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, moksha phala praptaaya,
phalam nirwapameeti swaaha.*

Jala phal aathon shuchi-saar, takou aragha karoun,
Tumko arapoun bhavataar, bhava tari moksha varoun. | Chaubeesou.. |

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahavirantebhyo, anarghya pad praptaaya, arghyam
nirwapameeti swaaha.*

Jaymaala

Shreemat Teeratha-natha pad, maath naaya hita het,
Gaaon gunamala abai, ajar amar pada det.

Jaya bhavataama bhanjana janamana kanjana, ranjana dinamani swachha-karaa,
Shiva muga parakaashaka, arigana naashak, chaubeeso jinaraaj varaa.

Jaya Rushabhadev rishigan namant, jaya Ajit jeeta vasu ari turant.
Jaya Sambhava bhav bhaya karat choor, jaya Abhinandan aanandpoor.

Jaya Sumati sumati daayak dayaal, jaya Padma padma duti tanarasaal.
Jaya jaya Supaas bhava paas naash, jaya Chand chand tan duti prakash.

Jaya Pushpadunt duti dunt sait, jaya Sheetal sheetal guna niket.
Jaya Shreyanatha nuta sahasa bhujja, jaya vaasava poojit Vaasupujya

Jaya Vimala vimala padaden haar, jaya jaya Anant gunagan apaar.
Jaya Dharma dharma shiva sharma det, jaya Shanti shanti pushti karet.

Jaya Kunthu kunthu vaadik rakheya, jaya Ara jina vasu ari chhaya karey.
Jaya Malli malla hata mohamalla, jaya Munisuvrata vrat shallya dalla.

Jaya Nami nita vaasav-nuta sapem, jaya Neminath vrasha chakra nem,
Jaya Parasnath anaath naath, jaya Vardhamaan shivanagar saath.

Chaubeesa jinandaa aanand-kandaa, paap-nikandaa sukh-kaaree.
Teena pada juga-chandaa, udaya-amandaa, vaasava-vandaa hita-kaaree.

*Om hrim shree Vrushabhadi-Mahairaant-chaturvinshati-jinebhyo,
maharghyam nirwapameeti swaaha.*

Bhukti mukti daataar, chaubeesso jinaraaj var.
Teenapada mana vacha dhaar, jo poojai so shiva lahai.

Ithi aashirvad: Pushpanjali Kshipayt.



जो जाणदि अरहंतं द्रव्यतगुणतपज्जयत्तेहिं ।
सो जाणदि अप्पाणं मोहो खलु जादि तस्स लयं ॥ ८० ॥

इसका अर्थ यह है :- जो अरहन्तको द्रव्यत्व, गुणत्व, पर्यायत्व से जानता है वह आत्मा को जानता है; उसका मोह विलयको प्राप्त होता है।

इसलिये जिसके जीवादि तत्त्वोंका श्रद्धान नहीं है, उसके अरहन्तादिकका भी सच्चा श्रद्धान नहीं है। तथा मोक्षादिक तत्त्वके श्रद्धान बिना अरहन्तादिकका महात्म्य यथार्थ नहीं जानता। लौकिक अतिशयादिसे अरहन्तका, तपश्चरणादिसे गुरुका और परजीवोंकी अहिंसादिसे धर्मकी महिमा जानता है, सो यह पराश्रितभाव हैं। तथा आत्माश्रित भावोंसे अरहन्तादिकका स्वरूप तत्त्वश्रद्धान होनेपर ही जाना जाता है; इसलिये जिसके सच्चा अरहन्तादिकका श्रद्धान हो उसके तत्त्वश्रद्धान होता ही होता है – ऐसा नियम जानना।

Simandhar Poojan

Bhav-Samudra Seemit Kiyo, Simandhar Bhagwan
Kar Simit Nij Gyaan ko, Pragatyo Puran Gyaan

Pragatyo Puranh Gyaan-Veerya-Darshan Sukhdhaaree
Samaysaar Avikaar Vimal Chaitanya Vihaaree

Antarbal Sae Kiyaa Prabal Ripu-Moh Paraabhav
Arae Bhavaantak ! Karo Abhay Har Lo Maeraa Bhav

Om hrim shree Simandharjin! Atra avatar, avatar, samvaushata.

Om hrim shree Simandharjin! Atra tishtha, tishtha, thah, thah.

Om hrim shree Simandharjin! Atra mum sannihito bhava bhava vashat.

Prabhuvar Tum Jal-Sae Sheetal Ho, Jal-Sae Nirmal Avikaaree Ho
Mithyaamal Dhonae Ko Jinvar, Tum Hee To Malparihaaree Ho

Tum Samyakgyaan-Jalodadhi Ho, Jaldhar Amrut Barsaatae Ho
Bhavijan-Man-Meen-Praandaayak, Bhavijan-Man-jalaj Khilaatae Ho

Hae Gyaanpayonidhi Simandhar ! Yah Gyaanprateek Samarjit Hai
Ho Shaant Gyaey-nishtha Maere, Jal Sae Charanaambuj Charchit Hai

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, janma-jara-mrutyu vinaashnaaya,
jalam nirwapameeti swaaha.*

Chandan-Sum Chandravadan Jinvar, Tum Chandrakiran Sae Sukhkar Ho
Bhav-Taap Nikandan Hae Prabhuvar! Sachmuch Tum Hee Bhav-Dukh-Har Ho

Jal Rahaa Hamaaraa Antahsthal, Prabhu Ichchhaao Kee Jwaalaa Sae
Yah Shaant Na Hogaa Hae Jinvar Rae ! Vishayo Kee Madhushaalaa Sae

Chir-Antardaah Mitaanae Ko, Tum Hee Malayaagiri Chandan Ho
Chandan Sae Charchu Charanaambuj, Bhav-Tap-Har ! Shat-Shat Vandan Ho

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, sansar taap vinaashnaaya,
chandanam nirwapameeti swahah.*

Prabhu ! Akshatpur Kae Vaasee Ho, Mai Bhee Taeraa Vishvaasee Hu
Kshat-Vikshat Mae Vishvaas Nahee, Taerae Pad Kaa Pratyashee Hu

Akshat Kaa Akshat-Sambal Lae, Akshat-Saamraajya Liyaa Tumnae
Akshat-Vigyaaan Diyaa Jug Ko, Akshat-Brahmaand Kiyaa Tumnae

Mai Keval Akshat-Abhilaashee, Akshat Ataev Charan Laayaa
Nirvaan-Shilaa Kae Sangam-Saa, Dhavalaaksht Maerae Man Bhaayaa

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, akshay pad praptaaya, akshatam nirwapa-
meeti swaaha.*

Tum Surbhrit Gyaan-Suman Ho Prabhu, Nahi Raag-Dvesh Durgandh Kahee
Sarvaang Sukomal Chinmay Tan, Jug Sae Kuchh Bhee Sambandh Nahee

Nij Antarvaas Suvaasit Ho, Shunyaantar Par Kee Maayaa Sae
Chaitanya-Vipin Kae Chittranjan, Ho Dur Jagat Kee Chaayaa Sae

Sumano Sae Man Ko Raah Milee, Prabhu Kalpbaeli Sae Yah Laayaa
Inako Paa Chahak Uthaa Mankhag, Bhar Chonch Charan Mae Lae Aayaa

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, kam-baan vidhvanshanaaya,
pushpam nirwapameeti swaaha.*

Aanand-Rasaamrut Kae Drah Ho, Neerus Jadataa Kaa Daan Nahee
Tum Mukta-Kshudhaa Kae Vaedan Sae, Shatras Kaa Naam-Nishaan Nahee

Vidh-Vidh Vyanjan Kae Vighrah Sae, Prabhu Bhukh Na Shaant Huie Maeree
Aanand-sudhaaras-Nirjhar Tum, Ataev Sharan Lee Prabhu Taerie

Chir-Trupti-Pradaayee Vyanjan Sae, Ho Dur Kshudhaa Kae Anjan Yae
Kshutpeedaa Kaisae Rah Laegee? Jub Paayae Naath Niranjan Yae

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay , kshudha-rog vinaashanaaya,
naivaidyam nirwapameeti swaaha.*

Chinamay-Vigyaaan-Bhavan Adhipati, Tum Lokaalok-Prakaashak Ho
Kaivalya Kiran Sae Jyotit Prabhu, Tum Mahaa-mohatam Naashak Ho

Tum Ho Prakaash Kae Punj Naath, Aavarno Kee Parchhaanh Nahee
Pratibimbit Puree Gyaeyaavali, Par Chinmayataa Ko Aanch Nahee

Lae Aayaa Deepak Charano Mae, Rae Antar Aalokit Kar Do
Prabhu Taerae Maerae Antar Ko, Avilamb Nirantar Sae Bhar Do

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, moh-andhakar vinaashnaaya, d
eepam nirwapammeti swaaha.*

Dhu-Dhu Jalatee Dukh Kee Jwaalaa, Prabhu Trust Nikhil Jagteetal Hai
Baechaet Padae Sub Daehee Hai, Chalataa Phir Raag Prabhanjan Hai
Yah Dhum Dhumaree Khaa-Khaakar, Ud Rahaa Gagan Kee Galiyo Mae
Agyaan Tamaamrut Chetan Jyo, Chauraasee Kee Rang-Raliyo Mae
Sandesh Dhum Kaa Tattvik Prabhu, Tum Huyae Urdhvagaamee Jug Sae
Pragatae Dashaang Prabhuvar Tum Ko, Antahdashaang Kee Saurabh Sae
*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, ashta karma dahanaaya, dhoopam
nirwapameeti swaaha.*

Shubh-Ashubh Vrutti Aekaant Dukh, Atyant Malin Sanyogee Hai
Agyaan Vidhaataa Hai Inkaa, Nishchit Chaitanya Virodhee Hai
Kanto See Paidaa Ho Jaatee, Chaitanya Sadan Kae Aangan Mae
Chanchal Chaayaa Kee Maayaa See, Ghatatee Kshan Mae Badhatee Kshhan Mae
Taeree Phal-Puja Kaa Phal Prabhu, Ho Shaant Shubha-ashubh Jwaalaayae
Madhukalp Phalo-See Jeevan Mae, Prabhu Shaant-Lataayae Chhaa Jaavae
*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, moksha phala praptaaye, phalam
nirwapameeti swaaha.*

Nirmal Jal-Saa Prabhu Nij Swarup, Pahichaan Usee Mae Leen Huyae
Bhav-Taap Utarnaee Lagaa Tabhee, Chandan-see Uthee Hilor Hiyae
Abhiraam Bhavan Prabhu Akshat Kaa, Sub Shakti Prasoon Lagae Khilanae
Kshut Trushaa Attharah Dosh Ksheen, Kaivalya Pradeep Lagaa Jalanae
Mit Chalee Chapaltaa Yogon Kee, Karmo Kae Indhan Dhvast Huyae
Phal Huaa Prabho Aisaa Madhurim, Tum Dhaval Niranjan Svastha Huyae
*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, anarghya pad praptaaya,
arghyam nirwapameeti swaaha.*

Jaymaala

Vaidaehee Ho Daeh Mae, Atah Vidaehee Naath
Simandhar Nij Seem Mae, Shaashvat Karo Nivaas

Shree Jin Purva Vidaehe Mae, Vidyamaan Arahant
Veetraag Sarvagya Shree, Simandhar Bhagvant

Hae Gyaan swabhaavee Simandhar, Tum Ho Aseem Aanand Rup
Apnee Seema Mae Simit Ho, Phir Bhee Ho Tum Trailokya Bhup

Mohandhkaar Kae Naash Haetu, Tum Hee Ho Dinkar Ati Prachand
Ho Swayam Akhandit Karma Shatru Ko, Kiyaa Aapanae Khand-Khand

Grahvaas Raag Kee Aag Tyaag, Dhaaraa Tumnae Munipad Mahaan
Aatam Swabhaav Saadhan Dwaraa, Paayaa Tumanae Paripurna Gyaan

Tum Darshan Gyaan Divaakar Ho, Veeraj Mandit Aanandkand
Tum Huae Svayam Mae Svayam Purna, Tum Hee Ho Sachchae Purna Chand

Purab Vidæh Mae Hai Jinvar, Ho Aap Aaj Bhee Vidyamaan
Ho Rahaa Divya Updaesh, Bhavya Paa Rahae Nitya Adhyatm Gyaan

Shree Kundkund Aachaarya Dev Ko, Milaa Aapsae Divya Gyaan
Aatmaa-nubhuti Sae Kar Pramaan, Paayaa Unanae Aanand Mahaan

Paayaa Thaa Unanae Samaysaar, Apnaayaa Unanae Samaysaar
Samjhaayaa Unanae Samaysaar, Ho Gayae Svayam Vae Samaysaar

Dae Gayae Hamae Vae Samaysaar, Gaa Rahae aaj Hum Samaysaar
Hai Samaysaar Bus Aek Saar, Hai samaysaar Bin Sub Asaar

Mai Hu Swabhaav Sae Samaysaar, Pariniti Ho Jaavae Samaysaar
Hai Yahee Chaah, Hai Yahee Raah, Jeevan Ho Jaavae Samaysaar

*Om hrim shree Simandhar Jinendraay, anarghya pad praptaaya,
arghyam nirwapameeti swaaha.*

Samaysaar Hai Saar, Aur Saar Kuchh Hai Nahee
Mahimaa Aparampaar, Samaysaarmaya Aapkee

Iti Ashirwaad, Pushpaanjali Kshipaet

अनुभूति स्वरूप भगवानात्मा वालगोपाल सबको अनुभव में सदा स्वयं ही
आने पर भी अनादि बन्ध के वश होकर पर (द्रव्यों) के साथ एकत्व के
निश्चय से मूढ़-अज्ञानीजन को 'जो यह अनुभूति है वही मैं हूँ' ऐसा
आत्मज्ञान उदित नहीं होता । *(श्री अमृतचन्द्राचार्य, समयसार, गाथा-१८) ६१*

Bis Tirthankar Poojan

Deep Adhaee Maeru Pan Sub Tirthankar Bis
Tin Sabkee Pujaa Karu Man Vacha Tan Dhari Sees

*Om hrim shree Vidyamaan Vishanti Tirthankaraa! Atra avatar, avatar, samvaushata.
Om hrim shree Vidhyamaan Vishanti Tirthankaraa! Atra tishtha, tishtha, thah, thah.
Om hrim shree Vidhyamaan Vishanti Tirthankaraa! Atra mum sannihito bhava bhava vashat.*

Indra-Phaneendra-Narendra-Vandya Pad Nirmal Dhaaree
Shobhaneek Sansaar Saar Gunh Hai Avikaaree
Ksheerodadhi Sum Neer So (Ho) Pujo Trushaa Nivaar
Simandhar Jin Aadi Dae Bis Vidaeh Manjhaar
Shree jinraaj Ho Bhav-Taaran-Taran-Jihaaj

*Om hrim shree Simandhar-Yugmandhar-Baahu-Subaahu-Sanjaatak- Svayamprabhu-
Rushbhaanan-Anantviryaa-Surprabh-Vishaalkirtee-Vajradhar-Chandraanan-Bhadraabaahu-
Bhujangam-Ishvar-Naemiprabh-Veershaen-Mahaabhadra-Devashyoajit veeryaeti Vidyamaan
Vishanti Tirthankarabhyo, janma-jara-mrutyu vinaashnaaya, jalam nirwapameeti swaaha.*

Teen Lok Kae Jeev Paap-ataap Sataayae
Tinko Saataa Daataa Sheetal Vachan Suhaayae
Baavan Chandan So Jaju (Ho) Bhraman-Tapannirvaar | Simandhar Jin.. |

*Om hrim shree VidyamaanVishanti Tirthankaraa, sansaar taap vinaashnaaya,
chandanam nirwapameeti swaaha.*

Yah Sansaar Apaar Mahaasaagar Jinswami
Taatain Taarae Badee Bhakti-Noukaa Jagnaamee
Tandul Amal Sugandh So (Ho) Pujo Tum Gunsaar | Simandhar Jin.. |

*Om hrim shreeVidyamaan Vishanti Tirthankarabhyo, akshay pad praptaaya,
akshatam nirwapameeti swaaha.*

Bhavik-Saroj-Vikaash Nindya-Tamhar Ravi Sae Ho
Jati-Shraavak Aachar Kathan Ko Tumhee Badae Ho
Phul Suvaas Anaek so (Ho) Pujo Madan-Prahaar.! Simandhar ...

*Om hrim shree Vidyamaan Vishanti Tirthankarabhyo kaam-baan vidhvanshanaaya,
pushpam nirwapameeti swaaha.*

Kaam-Naag Vishdhaam Naash Ko Garud Kahae Ho
Kshudhaa Mahaa Dav-Jwaal Taasu Ko Maegh Lahae Ho
Nevaj Bahudhrut Misht So (Ho) Pujo Bhukh-Vidaar | Simandhar Jin.. |

*Om hrim shree Vidyamaan Vishanti Tirthankarabhyo, kshudha-rog vinaashanaaya,
naivaidyam nirwapameeti swaaha.*

Udyam Hon Na Daet Sarva Jagmaahee Bharyo Hai
Moh-Mahaatam Ghor Naash Parkaash Karyo Hai
Pujo Deep Prakaash So (Ho) Gyaan-Jyoti Kartaar.
Simandhar Jin Aadi Dae Bis Vidaeh Manjhaar
Shree jinraaj Ho Bhav-Taaran-Taran-Jihaaj

*Om hrim shree Vidyamaan Vishanti Tirthankarabhyo, moh-andhakar
vinaashnaaya, deepam nirwapammeti swaaha.*

Karma Aath Sub Kaath Bhaar Vistaar Nihaaraa
Dhyaan Agani Kar Prakat Sarab Kino Nirvaaraa
Dhup Anupam Khaevatae (Ho) Dukh Jalai Nirdhaar. | Simandhar Jin.. |
*Om hrim shree VidhyamaanVishantiteerthankaraa, ashta karma dahanaaya,
dhoopam nirwapameeti swahah*

Mithyaavaadee Dusht Lobhahankaar Barae Hai
Sabko Chhin Mae Jeet Jain Kae Maeru Kharhae Hai
Phal Atiuttam So Jajo (Ho) Vaankchit Phal Daataar. | Simandhar Jin.. |
*Om hrim shreeVidyamaan Vishanti Tirthankarabhyo, moksha phal praptaaya,
phalam nirwapameeti swaaha.*

Jal-Phal Aatho Darva Aragh Kar Preeti Dharee Hai
Gandhar-Indrani Hu Tai Thuti Puree Na Karee Hai
"Dhyaanat" Sevak Jaankae (Ho) Jug Tai Laehu Nikaar. | Simandhar Jin.. |
*Om hrim shree Vidhyamaan Vishanti Tirthankarabhyo, anarghya pad praptaaya,
arghyam nirwapameeti swaaha.*

Jaymaala

Gyaan-Sudhaakar Chand, Bhavik-Khaet Hit Maegh Ho
Bhram-Tam Bhaan Amand, Tirthankar Bisou Namoo

Simandhar-Simandhar Swami, Jugmandhar Jugmandhar Naami
Baahu-Baahu Jin Jag-Jan Taarae, Karam Subaahu Baahubal Daarae

Jaat Sujaatam Kevalgyaanam, Svayamprabhu Prabhu Svayam Pradhaanam
 Rushabhaanan Rushi Bhaanan Dosham, Anantveeraj Veeraj Kosham
 Soureeprabh Soureegunmaalam, Suguna Vishaal Vishaal Dayaalam
 Vajradhaar Bhavgiri Vajjar Hai, Chandraanan Chandraanan Var Hai
 Bhadrabaahu Bhadrini Kae Karataa, Shreebhujang Bhujangam Harataa
 Ishvar Sabkae Ishvar Chhaajai, Nemiprabhu Jus Nemi Viraaiae
 Veersaen Veeram Jug Jaanae, Mahaabhdra Mahaabhdra Bakhaanae
 Namu Jasodhar Jasdharakaaree, Namu Ajit Veeraj Balkaaree
 Dhanush Paanchsae Kaay Viraaiae, Aayu Kodipurav Sub Chhaajae
 Samavsharan Shobhit Jinraajaa, Bhavjal-Taaran-Tararh Jihaajaa
 Samyak Ratnatray-Nidhi Daanee, Lokaalok-Prakaashak Gyaanee
 Shat-Indrani Kari Vandit Sohail, Sur-Nar-Pashu Sabkae Man Mohae
 Om hrim shree Vidyamaan Vishanti Tirthankarabhyo Jaymaalaa mahaaarghya
 nirwapaameeti swaaha.

Tumako Pujae Vandanaa, Karai Dhanya Nar Soy
 "Dhyaanat" Sardhaa Man Dharai, So Bhee Dharamee Hoi

Iti Aashirwadam, Pushpaanajali Kshipaet

धन्य ! आज का दिन !!

चैतन्य की मस्त मुनि को देखते हुए गृहस्थ को ऐसा भाव आता है कि अहा ! रत्नत्रय साधने वाले सन्त को शरीर की अकूलता रहे— ऐसा आहार-औषध देऊँ, जिससे वे रत्नत्रय को निर्विघ्न साधें, इसमें मोक्षमार्ग का बहुमान है। अहो ! धन्य ये सन्त और धन्य आज का दिन कि मेरे आंगन में मोक्षमार्गी मुनिराज के चरण पड़े.....आज तो मेरे आंगन में साक्षात् मोक्षमार्गी आया.....। वाह ! धन्य ऐसे मोक्षमार्गी मुनियों को जिन्हें देखते ही श्रावक का हृदय बहुमान से उछल जाता है। जिसे धर्मों के प्रति भक्ति नहीं, आदर नहीं; उसे धर्म का भी प्रेम नहीं।

—पूज्य श्री कानजी स्वामी

Sidha Pujan

(Shree Yugal Jee Krat)

(Dohaa: Harigeetika)

Nij Vajra Paurusha Sae Prabho! Antar-Kalusha Sab Har Liyae
Praanjal¹ Pradaesh-Pradaseh Mae, Peeyush Nirjhar Jhar Gayae

Sarvochcha Ho Ata Aeva Basatae, Loka Kae Us Shikhar Rae
Tumako Hradaya Mae Thyaap, Manhi–Muktaa Charanha Ko Chumatae

Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshttin!

Atra Avatarat Avatarat Sanvoshat

Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshttin!

Atra Tishattat Tta: Tta:

Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshttin!

Atra Mam Sannihito Bhav Bhav Vashat

(Veerkchand)

Sudhaatam-Saa Parisudha Prabho! Yah Nirmal Neer Charanha Laayaa
Mai Peedrhita Nirmam Mamtaa Sae, Ab Eskaa Antim Din Aayaa

Tum To Prabhu Antarleen Huyae, Todrhae Kratim Sambandha Sabhee
Maerae Jeevan-Dhan Tumako Paa, Maeree Pahalee Anubhuti Jagee

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshttin! Janam-Jaraa-Mrityu-
Vinaashnaay Jalam Nirvapaameeti Svaahaa*

Maerae Chaitanya-Sadan Mae Prabhu, Dhu-Dhu Krodhaanala Jalataa Hai
Agyaan-Amaa² Kae Anchal Mae, Jo Chipakar Pal-Pal Palataa Hai
Prabhu! Jahaa Krodha Kaa Sparsha Nahee, Tum Baso Malaya Kee Mahako Mae
Mai Esseliyae Malayaja Laayaa, Krodhaasur Bhaagae Palako Mae

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshttin! SansaarTaap
Vinaashnaay Chandanam Nirvapaameeti Svaahaa*

Adhipati Prabhu! Dhaval Bhavan³ Kae Ho, Aur Dhaval Tumahaaraa Antastala
Antar Kae Kchata Sab Vikvhat Kar, Ubharaa Svarnhim Saundrya Vimala
Mai Mahaamaan Sae Kchata-Vikchata, Hu Khnda-Khanda Lokaant Vibho
Maerae Mitttee Kae Jeevan Mae, Prabhu! Akkchata Kee Garimaa Bhara Do

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshttin! AkchayPadPraaptaayae
Akchatam Nirvapaameeti Svaahaa*

१. शुद्ध २. अमावस्या ३. सिद्धशिला

Chaitanya_Surabhi Kee PushpaVaattikaa, Mae Vihaar Nita Karatae Ho
Maayaa Kee Kchaayaa Ranza Nahee, Har Bindu Sudhaa Kee Peetae Ho
Nishkaam Pravaahit Har Hilora, Kyaa Kaam Kaam Kee Jvaalaa Sae
Pratyaeek Pradaesha Pramatt Huaa, Paataal-Madhushaalaa¹ Sae

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshtinae! KaamBaanha
Vinaasanaay Pushpam Nirvapaameeti Svaahaa*

Yaha Kchudhaa Daeha Kaa Dharma Prabho! Esakee Pahichaan Kabhee Na Hue
Har Tal Tan Mae Hee Tanmayataa, Kchut-Trashnhaa Aviral Peen² Hue
Aakramanha Kchudhaa Kaa Sahya Nahee, Ataaeva Liyae Hai Vyanjana Yae
Satvar³ Trashnaa Ko Todrha Prabho! Lo, Ham Aanand-Bhavan Pahunchae

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshtinae! KchudhaaRoga
Vinaashnaay Naivaeddyam Nirvapaameeti Svaahaa*

Vigyaan Nagar Kae Vaigyaanik, Taeree Prayogashaalaa Vismaya
Kaivalya-Kalaa Mae Umadrha Padrhaa, Samurnha Vishva Kaa Hee Vaibhav
Par Tum To Usasae Ati Virakta, Nit Nirakhaa Karatae Nij Nidhiyaa
Ataeva Prateek Pradeep Liyae, Mai Manaa Rahaa Deepaavaliyaa⁴

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshtinae! MohaAndhkaar
Vinaashnaay Deepam Nirvapaameeti Svaahaa*

Taeraa Praasaada Mahaktaa Prabhu! Ati Divya Dashaangee⁵ Dhupo Sae
Ataeva Nikatta Nahi Aaa Paatae, Karmo Kae Keet-Patanga Arae
Yaha Dhupa Surbhi-Nirjhranhee, Maeraa Paryaavarana⁶ Vishudha Huaa
Kchaka Gayaa Yoga-Nidraa⁷ Mae Prabhu! Sarvaanga Ameer⁸ Hai Baras Rahaa

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshtinae! Vibhaav Parirhati
Vinaahanaay Dhupam Nirvapaameeti Svaahaa*

Nij Leen Param Svaadheen Baso, Prabhu! Tum Suramya Shiva-Nagaree Mae
Prati Pala Barasaat Gagan⁹ Sae Ho, Rasapaan Karo Shiva-Gagaree Mae
Yae Surataruo Kae Phal Saakchee, Yaha Bhav-Santati Kaa Antim Kchanha
Prabhu! Mandap Mae Aao, Hai Aaja Mukti Kaa Udghaatana

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshtinae! MahaaMokshaPhal
Praaptaay Phalam Nirvapaameeti Svaahaa*

Taerae Vikeernha¹⁰ Gunha Saarae Prabhu! Muktaa-Modaka Sae Saghana Huae
Ataeva Rasaasyaadan Karatae, Rae! Ghaneebhuti Liyae

१. शुद्ध अन्तस्तत्त्व का आनन्दभवन २. पुष्ट ३. अविलम्ब ४. महोत्सव ५. दशधर्मो
६. अंतरंग प्रदूषण ७. आनन्द-समाधि ८. अमृत ९. शून्य चैतन्य १०. बिखरे हुए

Hae Naatha! Mujhae Bhee Aba Pratikchanha, Nij Anta-Vaibhava Kee Mastee
Hai Aaja Arghya Kee Saarthanktaa, Taeree Asti Maeree Bastee
*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshittinae! Anarghpad Praaptaay
Argham Nirvapaameeti Svaahaa*

Jayamaalaa

(Dohaa)

Chinmaya Ho, Chidrupa Prabhu! Gyaataa Maatra Chidaesha
Shodha-Prabandha Chidaatma Kae,¹ Shrashttaa Tum Hee Aeka

Jagaayaa Tumanee Kitanee Baar! Huaa Nahi Chir-Nidraa Kaa Anta
Madir² Sammohana Mamataa Kaa, Arae! Baechaeta Padrhaa Mai Santa
Ghora Tama Kchaayaa Charo Ora, Nahee Nija Sattaa Kee Pahichaan
Nikhila Jadrhataa Dikhataa Sapraanha, Chaetanaa Apanae Sae Anajaan

Gyaan Kee Prati Pal Uttae Taranga, Jhaanktaa Usamae Aatamaraam
Arae! Aabaal Sabhee Gopaal, Sulabha Sabako Chinmaya Abhiraam

Kintu Par Sattaa Mae Pratiabaddha, Keer-Markatta-³ See Gahal Anant
Arae! Paakar Khoyaa Bhagavaan, Na Daekhaa Mainae Kabhee Basant
Nahee Daekhaa Nija Saashvata Daeva, Rahee Kchanhikaa Paryaya Kee Preeti
Kchamya Kaisae Ho Yae Aparaadha? Prakrati Kee Yahee Sanaatan Reeti

Atah: Jadrha-Karmo Kee Janjeer, Padrhee Maerae Sarvaatma Pradaesh
Aur Phir Naraka-Nigodo Beecha, Huae Saba Nirnhaya Hae Sarvaesha

GHttaa Ghana Vipadaa Kee Barasee, Ki Tuttee Sampaa Maerae Sheesha
Naraka Mae Paarada-Saa Tana Ttuka, Nigodo Madhya Anantee Meecha

Karae Kya Svarga Sukho Kee Baat, Avhaa Kee Kaisae Adbhuta Ttaeva
Anta Mae Bilakhae Kcha-Kchah Maas, Kahae Ham Kaisae Usako Daeva

Dashaa Charo Gati Kee Dayaneeya, Dayaa Kaa Kintu Na Yahaa Vidhaan
Sharanha Jo Aparaadhee Ko Dae, Arae! Aparaadhee Vaha Bhagavaan

Arae! Mitttee Kee Kaayaa Beecha, Mahakataa Chinmaya Bhinna Ateeva
Shubhaashubha Kee Jadrhataa Ko Dur, Paraayaa Gyaan Vaha Parkeeya

१. आत्मा के शुद्धि-विधान की शोध २. मादक ३. तोता और बंदर जैसी ४. बिजली ५. मृत्यु

Aho "Kchit" Param Akartaanaatha, Arae! Vaha Nishkriya Tatva Vishaesh
Aparimita Akchaya Vaibhav-Kosha, Sabhee Gyaanee Kaa Yaha Parivaesha¹

Bataayae Marma Arae! Yaha Kaun, Tumhaarae Bin Vaidaehee Naath?
Vidhaataa Shiv-Path Kae Tum Aeka, Padrhaa Mai Taskar Dal Kae Haath

Klyaa Tumanae Jeevan Kaa Shilpa², Khirae Saba Mohakarma Aur Gaata³
Tumhaaraa Paurusha Jhanjhaavaat⁴, Jhadrha Gayae Peelae-Peelae Paata

Nahee Pragyaa-Aavartan⁵ Saesha, Huae Sab Aavaagaman Ashaesh
Arae Prabhu! Chir-Samaadhi Mae Leen, Aeka Mae Basatae Aap Anaek

Tumhaaraa Chit-Prakaash Kaivalya, Kahae Tum Gyaak Lokaaloka
Aho! Bas Gyaan Jahaa Ho Leen, Vahee Hai Gyaeyam Vahee Hai Bhoga

Yoga-Chaanchlya⁶ Huaa Avarudha, Sakal Chaitanya Nikal Nishkamp
Arae! O Yogarahit Yogeesh! Raho Yo Kaal Anataanat

Jeev Kaaranha-Paramaatma Trikaal, Vahee Hai Antastatva Akhanda
Tumhae Prabhu! Rahaa Vahee Avalamba, Kaarya Prmaatva Huae Nirbandha

Aho! Nikharaa Kaanchan Chaitanya, Khilae Sab Aatto Kamal⁷ Puneet
Ateendriya Saukhya Chirantan Bhoga, Karp Tum Dhavalamahar Kae Beech

Ukchalataa Maeraa Paurusha Aaj, Tvarita Tuttaengae Bandhan Naath
Arae! Taeree Sukha-Shayyaa Beech, Hogaa Maeraa Pratham Prabhaat

Prabho! Beete Vibhaavaree⁸ Aaj, Huaa Arunhodaya Sheetal Kchaav
Jhumatae Shaanti-Lataa Kae Kunj, Chalae Prabhu! Ab Apanae Us Gaav

*Aum Hreem Shree SidhaChakraadhiPatayae SidhaParmaeshtinae! Anarghpad Praapta-
ayae Mahaargham Nirvapaameeti Svaahaa*

(Dohaa)

Chira-Vilaasa Chidbrahma Mae, Chir-Nimigna Bhagavant
Dravya⁹-Bhaav¹⁰ Stuti Sae Prabho!, Vandan Tumhae Anant

(Pushpaanjali Kchipaet:)

१. अनुभूति २. सुन्दर रचना ३. शरीर ४. तूफान ५. ज्ञप्ति परिवर्तन ६. आत्मप्रदेशों का कम्पन
७. आठ गुण ८. रात ९. उत्कृष्ट भक्ति परिणाम १०. निज शुद्धात्म-संवेदन ।



Shree Tirikaal Chaubeesee Poojan

Shree Nirvaan Aadi Tirthankar Bhutkaal Kae Tumhae Naman
Shree Vrushbhaadik Veer Jinaeshvar Vartmaan Kae Tumhae Naman
Mahaapadam Anant Veerya Tirthankar Bhaavee Tumhae Naman
Bhut Bhavishyat Vartmaan Kee Chaubeesee Ko Karu Naman

*Om hrim Bharatkshetra-sambandhee Bhut Bhavishya Vartmaan Jin
Tirthankar samooaha Atra avatar, avatar, savaushata*

*Om hrim Bharatkshetra-samabandhee Bhut Bhavishya Vartmaan Jin
Tirthankar samooaha Atra tishtha, tishtha, thah, thah*

*Om hrim Bharatkshetra-samabandhee Bhut Bhavishya Vartmaan Jin
Tirthankar samooaha Atra mum sannihito bhava, bhava Vashat*

Saat Tattva Shradhaa Kae Jal sae Mithyaa Mal Ko Dur Karu
Janma Jaraa Bhaya Maranh Naash Hit Par Vibhaav Chakachur Karu
Bhut Bhavishyat Vartmaan Kee Chaubeesee Ko Naman Karu
Krodh Lobh Mad Maayaa Harkar Moh Kshobh Ko Shaman Karu

*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo janma jara mrutyu
vinaashanaaya, jalam nirwapameeti swahah*

Nav Padaarth Ko Jyo Kaa tyo Lakh Vastu Tattva Pahichaan Karu
Bhav Aataap Nashaau Mai Nij Gunh Chandan Bahumaan Karu | Bhut.. |

*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo sansar taap
vinaashanaaya, chandanam nirwapameeti swaaha.*

Shat Dravyo Sae Purna Vishva Mae Aatma Dravya Kaa Gyaan Karu
Akshay Pad Paanae Ko Akshat Gunh Sae Nij Klyaan Karu | Bhut.. |

*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo akshay pada praptaaya,
akshatam nirwapameeti swaaha.*

Jaanu Mai Panchaastikaay Ko Panch Mahaavrat Sheel Dharu
Kaam Vyaadhi Kaa Naash Karu Nij Aatma Pushpa Kee Surabhee Varu | Bhut.. |

*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo kaam-baan
vidhvanshnaaya, pushpam nirwapameeti swaaha.*

Shuddh Bhaav Naivaedya Grahanh Kar Kshudhaa Rog Ko Vijay Karu
Teen Lok Chaudhah Raaju Unchae Mae Mohit Aub Na Phiru | Bhut.. |

*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo kshudha rog
vinaashanaaya, naivaidyam nirwapameeti swaaha.*

Gyaan Deep Kee Vimal Jyoti Sae Moh Timir Kshaya Kar Maanu
Trikaalvartee Sarv Dravya Gunh Paryaayae Yugpat Jaanu
Bhut Bhavishyat Vartmaan Kee Chaubeesee Ko Naman Karu
Krodh Lobh Mud Maayaa Harkar Moh Kshobh Ko Shaman Karu
*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo moh-andhakar
vinaashanaaya, deepam nirwapameeti swaaha.*

Shat Laeshyaa Kae Bhaav Jaankar Shat Kaayak Rakshaa Paalu
Shukla Dhyaan Kee Shuddh Dhoop Sae Ashta Karma Kshay Kar Daalu | Bhut... |
*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo ashta karma
vidhvanshnaaya, dhoopam nirwapameeti swaaha.*

Panch Samiti Tray Gupti Panch Indriya Nirodh Vrat Panchaachaar
Athhaaes Mulgoon Paalu Panch Labdhi Phal Moksha Apaar | Bhut... |
*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo moksha phal
praptaaya, phalam nirwapameeti swaaha.*

Chhyaalees Gunh Sahit Dosh Ashtaadash Rahit Banu Arahant
Gunh Anant Siddho Ke Paakar Lu Anarghya Pad Hae Bhagvant | Bhut... |
*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan Jin Tirthankarebhyo anarghya pada
praptaaya, arghyam nirwapameeti swaaha.*

SHREE BHUTKAAL CHAUBEESSEE

Jay Nirvaan, Jayati Saagar, Jay Mahaa Saadhu, Jay Vimal Prabho
Jay Sudhaabh, Dev Jay Shreedhar, Shree Datt, Sidhaabh Vibho

Jayati Amal Prabha, Jay Udhdhaar, Dev Jay Agni Dev Samyam
Jay Shivganh, Pushpaanjali, Jay Uttsaah. Jayati Parmaeshvar Nam

Jay Gyaanaeshvar, Jay Vimalaeshvar, Jayati Yashodhar, Prabhu Jay Jay
Jayati Krushnamati, Jayati Gyaanmati, Jayati Suddhmati Jay Jay Jay

Jay Shreebhadra, Anantveerya Jay Bhutkaal Chaubeesee Jay
Jambudveep Subharat Kshetra Kae Jin Tirthankar Kee Jay Jay

*Om hrim Bharatkshaetra-samabandhee bhutkaal-chaturvishati jinendrabhyo arghy-
am nirvapamitee swaaha.*

SHREE VARTMAAN KAAL CHAUBEESSEE

Rushabhdev, Jay Ajitnaath, Jay Sambhav Swamee, Abhinandan
Sumatinaath, Jay Jayti Padamprabh, Jay Supaarshva, Chandaa Prabhu Jin

Pushpdant, Sheetal, Jin Swamee Jay Shraeyaansh Naath Bhagwan
Vaasupujya, Prabhu Vimal, Anant, Su Dharmanaath, Jin Shaanti Mahaan

Kunthunaath, Aranaath, Malli, Prabhu Munisuvrat, Naminaath Jinesh
Neminaath, Prabhu Paarshvnaath, Prabhu Mahavir, Prabhu Mahaa Mahesh

Pujya Panch Kalyaana Vibhushit Vartmaan Chaubeesee Jay
Jambudveep Su Bharat Kshaetra Kae Tirthankar Prabhu Kee Jay Jay

*Om hrim Bharatkshetra-samabandhee vartmaan-chaturvishanti
jinandrebhyo arghyam nirvapamitee swaaha.*

SHREE BHAVISHYA KAAL CHAUBEESSEE

Jay Prabhu Mahaapadam Surprabh, Jay Suprabh, Jayti Svayamprabh, Naath
Sarvaayudh, Jaydev, Udayprabh, Prabhaadev, Jay Udank Naath

Prashankirti, Jaykirti Jayati Jay Purnabuddhi, Nihkashaay, Jinaesh
Jayati Vimal Prabh, Jayati Bahul Prabh, Nirmal, Chitra Gupti Parmaesh

Jayati Samaadhi Gupti, Jay Svayamprabhu, Jay Kandarp, Dev Jaynaath
Jayati Vimal, Jay Divyavaad, Jay Jayti anantveerya, Jugnaath

Jayati Bhvishyakaal Kee Shree Jin Chaubeesee Kee Jay Jay Jay
Jambudveep Su Bharat Kshaetra Kae Tirthankar Prabhu Kee Jay Jay

*Om hrim Bharatkshaetra-samabandhee bhavishyakaal-chaturvishati
jinandrabyo arghyam nirvapamitee swaaha.*

Jaymaala

Teen Kaal Tray Chaubeesee Kae Namu Bahattar Tirthankar
Vinay Bhakti Sae Shradhaa purvak Pau Nij Pad Prabhu Satvar

Mainae Kaal Anaadi Gavaayaa Par Padaarth Mae Rach-Pachkar
Par Bhaavo Mae Magna Rahaa Mai Nij Bhaavo Sae Bach-Bachkar

Iseeliyae Charo Gati Kae Kashta Anant Sahae Mainae
Dharma Maarg Par Drushti Na Daalee Karma Kupanth Gahae Mainae

Aaj Punya Sanyog Milaa Prabhu Sharan Aapkee Mai Aayaa
Bhav-Bhav Kae Agh Nashta Ho Gayae Maano Chintaamanee Paayaa

Hae Prabhu Mujhko Vimal Gyaan Do Samyak Path Par Aa Jaau
Ratnatraya Dharma Kee Naav Chadh Bhav Saagar sae tar Jaau

Samyak Darshan Ashta Ang Sah Ashta Bhed Sah Samyak Gyaan
Taerah Vidha Charitra Dhaar Lu Dvaadash Tap Bhaavanaa Pradhaan

Hae Jinvar Asheervaad Do Nij swarup Mae Rum Jaau
Nij Swabhaav Avalamban Dvaaraa Shaashvat Nij Pad Pragataau

*Om hrim Bhut Bhavishya Vartmaan jin Tirthankarebhyo purnaarghyam
nirvapamiti swaaha.*

Teen Kaal Kee Tray Chaubeesee Kee Mahimaa Hai Aparampaar
Man Vach Tan Jo Dhyaan Lagaatae Vae Ho Jaatae Bhav Sae Paar

lthi aashirvaad: Pushpanjali Kshipayt.

**“ भामण्डल की द्युति जगमगात,
भवि देखत निजभव सात-सात’ ”**

तीर्थंकर भगवान के प्रभामण्डल में भव्यजीव को अपने-अपने सात-सात भव दिखाई देते हैं। उन सात भवों में तीन भूतकाल के, तीन भविष्य के एवं एक वर्तमान भव दिखाई देता है।

इसके अनुसार प्रत्येक भव्य के कम से कम भविष्य के तीन भव तो निश्चित रहते ही हैं, अन्यथा वे दिखाई कैसे देते? तीन भव की आयु एक साथ बंध नहीं सकती। अतः यह भी नहीं कहा जा सकता कि आयुकर्म बंध जाने से भव निश्चित हो गए थे। इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि वे पहिले से ही निश्चित रहते हैं, आयुकर्म के बंध से निश्चित नहीं होते।

Shree Baahubali Poojan

Jayati Bahubali Swami Jay Jay Karu Vandanaa Baarambaar
Nij Swarup Kaa Aashrya Laekar, Aap Huae Bhav Saagar Paar
Hae Trailokyanaath Tribhuvan Mae, Chhayee Mahimaa Aparampaar
Siddh Swapad Kee Praapti Ho Gayee, Huaa Jagat Mae Jay Jaykaar
Pujan Karanae Mai aayaa Hu, Ashta Dravya Ko Lae Aadhaar
Yahee Vinay Hai Chaaro Gati Kae, Dukh Sae Maeraa Ho Udhaar

*Om hrim shree jin Baahubali Swamin ! Atra avatar, avatar, savaushata
Om hrim shree jin Baahubali Swamin! Atra tishtha, tishtha, thah, thah,
Om hrim shree jin Baahubali Swamin! Atra mum sannihito bhava, bhava vashat*

Ujivaal Nirmal Jal Prabhu, Pad Pankaj Mae Aaj Chadhaataa Hu
Janma Maran Kaa Naash Karu, Aanandkand Gunh Gaataa Hu
Shree Baahubali Swami Prabhu, Charano Mae Sheesh Jhukaataa Hu
Avinashvar Shiv Sukh Paanae Ko, Naath Shararh Mae Aataa Hu
*Om hrim shree jin Baahubali Swaminae janma jara mrutyu vinaashanaaya, jalam
nirwapameeti swaaha.*

Sheetal Malaya Sugandhit Paavan, Chandan Bhet Chadhaataa Hu
Bhav Aataap Naash Ho Mera, Dhyaan Aapkaa Dhyaataa Hu | Shree Baahubali... |
*Om hrim shree jin Baahubali Swaminae samsar taap vinaashanaaya, chandanam
nirwapameeti swaaha.*

Uttam Shubhra Akhandit Tandul, Harshit Charan Chdhaataa Hu
Akshaya Pad Kee Sahaj Praapti Ho, Yahee Bhaavanaa Bhaataa Hu | Shree Baahubali... |
*Om hrim shree jin Baahubali Swaminae akshay pada praptaaya, akshatam
nirwapameeti swaaha.*

Kaam Shatru Kae Kaaran Apanaa, Sheel Swabhaav Na Paataa Hu
Kaam Bhaav Kaa Naash Karu Mai, Sundar Pushp Chadhaataa Hu | Shree Baahubali... |
*Om hrim shree jin Baahubali Swaminae kaam-baan vidhvanshnaaya, pushpam
nirwapameeti swaaha.*

Trushnaa Kee Bhishanh Jwaalaa Mae, Pratipal Jaltaa Jaataa Hu
Kshudhaa Rog Sae Rahit Banu Mai, Shubh Naivaidya Chadhaataa Hu | Shree Baahubali... |
*Om hrim shree jin Baahubali swaminae kshudha rog vinaashanaaya,
naivaidyam nirwapameeti swaaha.*

Moh Mamatva Aadi Kae Kaaranh, Samyak Maarg Na Paataa Hu
Yah Mithyaatva Timir Mit Jae, Prabhuvr Deep Chadhaataa Hu
Shree Baahubali Swami Prabhu, Charano Mae Sheesh Jhukaataa Hu
Avinashvar Shiv Sukh Paanae Ko, Naath Shararh Mae Aataa Hu

*Om hrim shree jin Baahubali swaminae mohandhakar vinaashanaaya,
deepam nirwapameeti swaaha.*

Hai Anaadi Sae Karma Bandh Dukhmaya, Na Pruthak Kar Paataa Hu
Ashtkarma Vidhvansh Karu, Ataev Su Dhup Chadhaataa Hu | Shree Baahubali... |

*Om hrim shree jin Baahubali swaminae ashta karma vidhvanshnaaya, dhoopam
nirwapameeti swaaha.*

Sahaj Bhaav Sampadaa Yukt Hokar, Bhee Bhav Dhukh Mai Paataa Hu
Param Moksh Phal Sheeghra Milae, Uttam Phal Charanh Chadhaataa Hu | Shree Baahubali... |

*Om hrim shree jin Baahubali swaminae moksha phal praptaaya, phalam
nirwapameeti swaaha.*

Punya Bhaav Sae Swargaadik Pad, Baar Baar Paa Jaataa Hu
Nij Anarghya Pad Milaa Na Aub Tak, Issae Arghya Chdhaataa Hu | Shree Baahubali... |

*Om hrim shree jin Baahubali swaminae anarghya pada praptaaya, arghyam
nirwapameeti swaaha.*

Jaymaala

Aadinaath Sut Baahubali Prabhu, Maat Sunanda Kae Nandan
Charam Shareeree Kaamdaev Tum, Podanpurpati Abhinandan
Chhah Khando Par Vijay Praapt Kar, Bharat Chadhae Vrushbhaachal Par
Aghanhit Chakree Huae Naam Likhanae Ko Milaa Na Thal Til Bhar
Mai Hee Chakree Huaa, Aham Kaa Maan Dhul Ho Gayaa Tabhee
Aek Prashasti Mitaa Kar Apnee, Likhi Prashasti Swahast Jabhee
Chalae Ayodhya Kintu Nagar Mae, Chakra Pravaesh Na Kar Paayaa
Gyaat Huaa Laghu Bhraat Baahubali Seva Mae Na Abhee Aayaa
Bharat Chakravartee Nae Chahaa, Baahubalee Adhin Rahae
Thukraayaa Aadaesh Bharat Kaa, Tum Svatantira Swaadheen Rahae
Bheeshan Yuddh Chhidaa Dono Bhai Kae Man Santaap Huae
Drashti Malla Jal Yuddh Bharat Sae Karakae Vijayee Aap Huae
Krodhit Hokar Bharat, Chakravartee, Nae Chakra Chalaayaa Hai
Teen Pradkshina Daekar Kar Mae, Chakra Aapkae Aayaa Hai

Vijay Chakravartee Par Paakar, Ur Vairaagya Jagaa Tatksanh
RaajyaPaat Tuj Rushabdev Kae, Samavasaranh Ko Kiyaa Gaman

Dhik-Dhik Yah Sansaar Aur, Iskee Aasarataa Ko Dhikkar
Trushnaa Kee Anant Jwaalaa Mae, Jaltaa Aayaa Hai Sansaar

Jug Kee Nashvartaa Kaa Tumane, Kiyaa Chintavan Baarambaar
Deh Bhog Sansaar aadi Sae, Huee Virakti Purnha Saakaar

Aadinaath Prabhu Sae Deekshaa Lae, Vrata Sanyam Ko Kiyaa Graham
Chalae Tapasyaa Karanae Van Mae, Ratnatraya Ko Kar Dhaaranh

Aek Varsh Tak Kiyaa Kathin Tap, Kaayotsarg Maun Paavan
Kintu Shalya Thee Aek Rhadaya Mae, Bharat Bhumi Par Hai Aasan

Kavalgyaan Nahi Ho Paayaa, Aek Shalya Hee Kae Kaaranh
Parishah Sheet Greeshm Varshaadik, Jay Karkae Bhee Atakaa Mun

Bharat Chakravartee Nae Aakar, Shree Charano Mae Kiyaa Naman
Kahaa Ki Vasudhaa Nahee Kisee Kee, Maan Tyaag Do Hae Bhagavan

Tatkshan Shalya Vileen Hui, Tum Shukla Dhyaan Mae Leen Huaey
Phir Antarmuhurt Mae Swami, Mohksheen Swaadheen Huaey

Chaar Ghaatiyaa Karma Nasht Kar, Aap Huaey Kevalgyaane
Jay Jaykaar Vishva Mae gunjaa, Saaree Jugatee Muskaanee

Jhalakaa Lokaalok Gyaan Mae, Sarva Dravya Gunh Paryaayae
Aek Samay Mae Bhut Bhavishyat, Vartmaan Sab darshaaey

Phir Aghaatiyaa Karma Vinaashae, Siddh Lok Mae Gaman Kiyaa
Podanpur Sae Mukti Hui, Teeno Loko Nae Naman Kiyaa

Mahaa Moksha Phal Paayaa Tumanae, Lae Swabhaav Kaa Avlamban
Hae Bhagwan Bahubalee Swami, Koti Koti Shut Shut Vandan

Aaj Aapkaa Darshan Karanae, Charanh Sharanh Mae Aayaa Hu
Suddh Swabhaav Praapt Ho Mujhako, Yahee Bhaav Bhar Laayaa Hu

Bhaav Shubhaashubh Bhav Nirmaataa, Suddh Bhaav Kaa Do Prabhu Daan
Nij Parinhti Mae Ramanh Karu, Prabhu Ho Jaau Mai aap Samaan

Samkit Deep Jalae Antar Mae, To Anaadee Mithyaatva Galae
Raag Dvesh Parinhti Hat Jaayae, Punya Paap Santaap Talae

Traikaalik Gyaayak Swabhaav Kaa, Aashraya Laekar Badh Jau
Suddha-atmaanubhuti Kae Dvaaraa, Mukti Shikhar Par Chadh Jau

Moksha Lakshmee Ko Paakar Bhee, Nijjanand Rus Leen Rahu
Saadi Anant Siddh Pad Pau, Sadaa Sukhee Swaadheen Rahu

Aaj Aapkaa Rup Nirakh Kar, Nij Swarup Kaa Bhaan Huaa
Tum Sam Banae Bhavishyat Mera, Yah Dradh Nishchaya Gyaan Huaa

Harsh Vibhor Bhakti Sae Pulkit, Hokaar Kee Hai Yah Pujan
Prabhu Pujan Kaa Samyak Phal Ho, Kate Hamaarae Bhav Bandhan

Chakravartee Indraadi Pad Kee Nahee Kaamanaa Hai Swami
Suddhbuddh Chaitanya Param Pad Paatae Hae ! Antaryaamee

*Om hrim shree jin Baahubaliswaminae anarghay padpraaptaayae punaarghyam
nirwapameeti swaaha.*

Ghar-Ghar Mangal Chhaayae Jug Mae Vastu Swabhaav Dharma Jaanae
Veet-Raagvighyaan Gyaan Sae, Suddhaatam Ko Pahichaanae

lthi aashirvaad: Pushpanjali Kshipayt.

अनन्त पुरुषार्थी बाहुबली

ऐसा त्यागी, ऐसा तपस्वी, ऐसा निस्पृही, ऐसा दृढ़ संकल्पी
व्यक्तित्व कि जिसने पीछे मुड़कर देखना सीखा ही न हों, जो जब युद्ध
में जमा तो जमा ही रहा और विजयश्री का वरण करके ही दम ली
तथा जब अपने में जमा, अपने में रमा तो ऐसा रमा कि बाहर की ओर
देखा ही नहीं; कर्म-शत्रुओं का नाश कर अनन्त चतुष्टयरूप लक्ष्मी का
वरण कर इस युग में सर्वप्रथम मुक्ति प्राप्त की। बाहुबली दिगम्बरत्व
धारण कर जब अन्तर्मुख हुए तो फिर वे बाहर आये ही नहीं, कदाचित्
उपयोग आत्मा से हटा भी तो फिर उसीमें लगाने के अनन्त पुरुषार्थ में
सग गये। एक वर्ष तक लगातार वे या तो आत्मनिमग्नता की स्थिति में
रहे या फिर उसे पुनः प्राप्त करने के सार्थक पुरुषार्थ में संलग्न रहे।

—३०० हुकमचन्द भारिल्ल

गोम्मटेश्वर बाहुबली : एक नया चिन्तन, पृष्ठ ८

Krutrim-Akrutrim Chaityaalya Poojan

Teen Lok Kae Krutrim-Akrutrim Jin Chaityaalaya Ko Vandan
Urdhva Madhya Paataal Lok Kae Jin Bhavano Ko Karu Naman

Hai Akrutrim Aath Koti Aru Chhappan Laakh Param Paavan
Santanavae Sahsatra Chaar Sau Ikyaaasee Grah Man Bhaavan

Krutrim-Akrutrim Jo Asankhya Chaityalaya Hai Unko Vandan
Vinaybhaav Sae Bhaktipurvak Nitya Karu Mai Jin-Pujan

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbasmooaha
Atra avatar, avatar, savaushata*

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbasmooaha
Atra tishta, tishta, thah, thah,*

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbasmooaha
Atra mam sannihito bhava, bhava vashat*

Samyak Jal Kee Nirmal Ujjavalataa Sae Janm Jaraa Har Lu
Mul Dharma Kaa Samyak Darshan Hae Prabhu! Hridayangam Kar Lu

Teen Lok Kae Krutrim-Akrutrim, Chaityalaya Vandan Kar Lu
Gyaan Surya Kee Param Jyoti Paa Bhav Saagar Kae Dukh Har Lu

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbabhyyo janma jara
mrutyu vinaashanaaya, jalam nirwapameeti swaaha.*

Samyak Chandan Kee Paavan Sheetaltaa Sae Bhav-Bhaya Har Lu
Vastu Svabhaav Dharma Hai Samyak Gyaan Aatmaa Mae Bhar Lu | Teen Lok.. |

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbabhyyo sansaar taap
vinaashanaaya, chandanam nirwapameeti swaaha.*

Samyak Chaarita Kee Akhandataa Sae Akshaya Pad Aadar Lu
Samyak Bhaav Chaarit Dharma Paa Veetaraagataa Ko Var Lu | Teen Lok.. |

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbabhyyo akshay pada
praptaaya, akshatam nirwapameeti swaaha.*

Sheel Swabhavae Pushpa Praapt Kar Kaam Shatru Ko kshaya Kar Lu
Anhuvrata shikshaavrat Gunhvrata Dhar Panch Mahaavrat Aachar Lu

Teen Lok Kae Krutrim-Akrutrim, Chaityaalaya Vandan Kar Lu
Gyaan Surya Kee Param Jyoti Paa Bhav Saagar Kae Dukh Har Lu

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbabhyyo
kam-baan vidhvanshaaya, pushpam nirwapameeti swaaha.*

Santoshamruta Kae Charu Laeker kshudhaa Vyaadhi Ko Jay Kar Lu
Satya-Shauch-Tap-Tyaag-Kshamaa Sae Bhaav Subhaashubh Sab Har Lu

Teen Lok Kae Krutrim-Akrutrim, Chaityalaya Vandan Kar Lu
Gyaan Surya Kee Param Jyoti Paa Bhav Saagar Kae Dukh Har Lu

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbebhyo kshudha rog
vinaashanaaya, naivaidyam nirwapameeti swaaha.*

Gyaan Deep Kae Chir Prakaash Sae Moh Mamatva Timir Har Lu
Ratnatraya Kaa Saadhan Laekar Yah Sansaar Paar Kar Lu | Teen Lok.. |

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbebhyo
mohandhakar vinaashanaaya, deepam nirwapameeti swaaha.*

Dhyaan Agni Mae Karma Dhup Dhar Ashta Karma Agh Ko Har Lu
Dharma Shraeshth Mangal Ko Paa Shivmaya siddhatva Praapt Kar Lu | Teen Lok.. |

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbebhyo ashta karma
vidhvanshaaya, dhoopam nirwapameeti swaaha.*

Bhaedgyaan Vigyaan Gyaan Sae Keval Gyaan Praapt Kar Lu
Parambhaav Sampadaa Sahaj Shiv Mahaa Mokshaphal Ko Var Lu | Teen Lok.. |

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbebhyo moksha phal
praptaaya, phalam nirwapameeti swaaha.*

Dvaadash Vidhi Tap Arghya Sanjokar Jinvar Pad Anarghya Var Lu
Mithyaa Avirati Panch Pramaad, Kashaaya Yog Bandhan Har Lu | Teen Lok.. |

*Om hrim trailokasya krutrim-akrutrim jinchaityalayasth jinbimbebhyo
anarghya pada praptaaya, arghyam nirwapameeti swaaha.*

Jaymaala

Is Anant Akaash Beech Mae, Teen Lok Hai Purushaakaar
Teeno Vaatyaa Valaya Sae Vaeshtit, Sindhu Beech Jyo Bindu Prasaar

Urdhva Lok chhaha, Adho Saat Hai, Madhya Aek Raaju Vistaar
Chaudaha Raaju Utang Lok Hai, Trasnadi Tras Kaa Aadhaar

Teen Lok Mae Bhavan Akrutrim Aath Koti Aru chhappan Laakh
Santaaavae Sahastra Char Sou Ikyaaasee Jin Aagam Saakh

Urdhva Lok Mae Kalp Vaasiyo Kae Jin Gruha Chauraasee Laksha
Santaaavae Sahastra Taeis Jinaalaya Hai Shaashvat Pratyaksha

Adholok Mae Bhavanvaas Kae Lakh Bhahatar Karord Saat
Madhyalok Kae Char Shatak Atthaavan Chaityalaya Vikhyaat

Jambughatki Piushkarardh Mein Panchmeru Ke Jin Gruh Khyat
 Jambu VruX Shalmani Taru Aru Vijayarth Ke Ati Vikhyaat
 Vakshaaro Gajdanto Ishvaakaaro Kae Paavan Jingaeha
 Sarvakulaachal Maanushotar Parvat Kae Vandu Dharnaeha
 Nandeeshvar Kundalvar Dveep Ruchakavar Kae Jin Chaityalaya
 Jyotish Vyantar Svarga Lok Aru Bhavanvaasi Kae Jin Aalaya
 Aek Aek Mae Aek Shataka Aru Aath Aath Jin Murti Pradhaan
 Ashta Praatiharayo Vasu Mangal Dravyo Sae Ati Shobhaavaan
 Kul Pratimaa Nau Sau Pachchis Karod Tiraepan Lakh Mahaan
 Sattais Sahstra Aru Nau Sau Adataalis Akrutrim Jaan
 Unnat Dhanush Paanch Sau Padmaasan Hai Ratnamayee Pratimaa
 Veetraag Arahant Murti Kee Hai Paavan Achintya Mahimaa
 Asankhyaat Sankhyaat Jin Bhavan Teen Lok Mae Shobhit Hai
 Indraadik Sur Nar Vidyaaadhar Muni Vandan Kar Mohit Hai
 Dev Rachit Yaa Manuja Rachit Hai Bhavyajano Dvaara Vandit
 Krutrim-Akrutrim Chaityalaya Kee Pujan Kar Mai Hu Harshit
 Dhaaedveep Mae Bhut Bhavishyat Vartamaan Kae Teerthankar
 Panchvarnh Kae Mujhae Shakti Dae Mai Nij Pad Pau Hae Jinvar
 Jin Guna Sampati Muze Prapta Ho Param Samadhi Maran Ho Naath
 Sakal Karma Kshay Ho Prabhu Merai Bodhi Laabh Ho Hey JinNath

*Om hrim tralokyasya krutrim-akrutrim jinchaityaalayasth jinbimbaebhyo
 jayamaalaa purnaaarghyam nirwapameeti swaaha.*

Krutrim-Akrutrim Jin-Bhavan Bhaav Sahit Ur Dhaar
 Man-Vach-Tan Jo Pujatae Vae Hotae Bhav Paar
lthi aashirvaad: Pushpanjali Kshipaet.

Nandeeshvardveep Poojan

Sarab Parva Mae Bado Atthai Parva Hai
Nandeeshvar Sur Janhee Leya Vasu Darava Hai
Hamai Sakati So Naahi Inhaa Karee Thaapnaa
Pujai Jingrah-Pratimaa Hai Hit Aapnaa

*Om hrim shree Nandeeshvardveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaa
samooha ! Atra avatar, avatar, savaushata.*

*Om hrim shree Nandeeshvardveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaa
samooha ! Atra tishtha, tishtha, thah, thah.*

*Om hrim shree Nandeeshvardveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaa
samooha ! Atra mum sannihito bhava, bhava vashat.*

Kanchan-Manhi-Maya-Bhrungaar, Teerath Neer Bharaa
Tihu Dhaar Dayee Nirvaar, Jaaman Maran Jaraa
Nandeeshvar-Shree-Jindhaam, Baavan Punja Karo
Vasu Din Pratimaa Abhiraam, Aanad-Bhaav Dhara

*Om hrim shree Nandeeshvardveepae purvapaschimottardakshindhikshu dvipachchaash
jiinaalayasth jinpratimaabhyo janma jara mrutyu vinaashanaaya, jalam nirwapameeti swaaha.*

Bhav-Tap-Har Sheetal Vaas, So Chandan Naahee
Prabhu Yah Gun Keejae Saanch, Aayo Tum Thahee |Nandee..|

*Om hrim shree Nandeeshvardveepae purvapaschimottardakshindhikshu dvipachchaash
jiinaalayasth jinpratimaabhyo samsar taap vinaashanaaya, chandanam nirwapameeti swaaha.*

Uttam Akchat Jinraaj, Punjj Dharaa Sohae
Sab Jitae Akch-Samaaj, Tumsam Aru Ko Hai |Nandee..|

*Om hrim shree Nandeeshvardveepae purvapaschimottardakshindhikshu dvipachchaash
jiinaalayasth jinpratimaabhyo akshay pada praptaaye, akshatam nirwapameeti swaaha.*

Tum Kaam Vinaashak Dev, Dhyaayu Phulanso
Lahu Sheel-Lakshmee Aeva, chhuto Sulanso |Nandee..|

*Om hrim shree nandeeshvardveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaabhayo
kam-baan vidhvanshnaaya, pushpam nirwapameeti swahah.*

Naevaj Indriya-Balkaar, So Tumnae Churaa
Charu Tum Dhig Sohae saar, Acharaj Hai Puraa
Nandeeshvar-Shree-Jindhaam, Baavan Punja Karo
Vasu Din Pratimaa Abhiraam, Aanad-Bhaav Dharo

*Om hrim shree nandeeshvar dveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaabhayo
kshudharog vinaashanaaya, naivaidyam nirwapameeti swahah.*

Deepakkee Jyoti-Prakaash, Tum Tan Maahee Lasai
Tutae Karman Kee Raash, Gyaan-Kanhee Darasai |Nandee..|

*Om hrim shree nandeeshvar dveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaabhayo
mohandhakar vinaashanaaya, deepam nirwapameeti swahah.*

Krushnaagaru-Dhup-Suvaas, Dash-Dishi Naari Varai
Ati Harash-Bhaav Parakaash, Maano Nrutya Karai |Nandee..|

*Om hrim shree nandeeshvar dveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaabhayo
ashta karma vidhvanshaaya, dhoopam nirwapameeti swahah.*

Bahavidhi Phal Lae Tihu Kaal, Aanand Raachat Hai
Tum Shiv-Phal Daehu Dayaal, Tuhi Ham Jaachat Hai |Nandee..|

*Om hrim shree nandeeshvar dveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaabhayo
moksha phal praptaaya, phalam nirwapameeti swahah.*

Yah Aragh Kiyu Nij-Haet, Tumko Arapatu Ho
"Dhyaanat" Keejyo Shiv Khaet, Bhumi Samarpatu Ho |Nandee..|

*Om hrim shree nandeeshvar dveepae dvipachchaash jiinaalayasth jinpratimaabhayo
anarghya pada praptaaya, arghyam nirwapameeti swahah.*

Jaymaala

Kaartik Phalgun Saathkae Anta Aatha Din Maahi
Nandeeshvar Sur Jaat Hai, Hum Pujae Iha Thaahi

Aekso Traesatha Kodi Su Jojan Mahaa
Laakh Chauraasiaa Aek Disha Mai Lahaa

Athamo Deep Nandeeshvaram Bhaasvaram
Bhoun Baavann Pratimaa Namu Sukhkaaram

Chaar Dishī Chaar Anjjangiree Raajhee
 Sahas Chaurāasiaa Aek Dishā chāajāhee
 Dholsama Gol Upar Talae Sundaram
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram
 Aek Ika Chaar Dishī Chaar Shubh Baavaree
 Aek Ika Laakh Jojan Amal-Jal Bharee
 Chahu Dishāa Chaar van Laakh Jojan Varam
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram
 Sola Vaapeen Madhi Sol Giri Dadhimukham
 Sahas Dasha Mahaajojan Lakhat Hee Sukham
 Baavaree Kaun Do Maahi Do Rati Karam
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram
 Shail Battees Ika Sahas Jojan Kahae
 Chaar Solae Milai Sarva Baavan Lahae
 Aek Ika Seespar Aek Jin Mandiram
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram
 Bimb Atha Eaksou Ratanmayi Sohahee
 Dev Daevee Saraba Nayan Man Mohahee
 Paanchsai Dhanush Tan Padma Aasan Param
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram
 Lal Nakha-mukha Nayan shyam aru swet Hai
 Shyam Rang Bhonh Seer-Kesh Chhavi Daet Hai
 Vachan Bolat Manauo Hanshat Kaalush Haram
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram
 Koti-Shashi-Bhaan-Duti-tej Chhip Jaat Hai
 Maha Vairag-Parinaam Thaharaat Hai
 Vachan Nahi Kahe Lakhi Hot Samyakharam
 Bhoun Baavann Pratimaa Namō Sukhkaaram

*Om hrim shree Nandeeshvar-dveepae purva-paschimottar-dakshin dishu
 Dvipachchaash Jinaalayasth Jinpratimaabhyah purnarghyam nirwapameeti swahah.*

Nandishwar-Jin-Dhaam, Pratima-Mahima Ko Kahe
 'Dhyanat' Lino Naam, Yahi Bhagati Shiva-Sukh Karai

Pushpanjali Kshipet, Iti Ashirvaadah.



Akshaya-Truteeyaa Poojan

(Shri Rajmalji Pavaiiya krut)

(Tatank)

Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Rushabhdev Nae Daan Liyaa
Nrup Shreayaans Daan-Daataa Thae, Jagatee Nae Yashgaan Kiyaa

Aho Daan Kee Mahimaa, Tirthankar Bhee Laetae Haath Pasaar
Hota Panchaashcharya Punya Kaa, Bhartaa Hai Apurva Bhandaar

Moksha Maarg Kae Mahaavratee Ko, Bhaav Sahit Jo Daetae Daan
Nijsvarup Jap Vaha Paatae Hai, Nishchit Shaashvat Padnirvaanh

Daan Teerth Kae Kartaa Nrup Shaeyaans, Huae Prabhu Kae Gandhar
Moksha Praapt Kar Sidha Lok Mae, Paayaa Shivapad Avinashvar

Pratham Jinaeshwar Aadinaath Prabhu ! Tumhae Naman Baarambaar
Giri Kailaash Shikhar Sae Tumnae, Liyaa Siddhapad Mangalkaar

Naath aapkae Charanaambuj Mae, Shradhaa Sahit Pranaam Karu
Tyaagdharma Kee Mahimaa Pau, Mai Siddho Kaa Dhaam Varu

Shubha Vaishaakh Shukla Truteeyaa Kaa, Divasa Pavitra Mahaana Huaa
Daan Dharma Kee Jaya-Jaya Gunjee, Akshaya Parva Pradhaan Huaa

Om hrim shree Aadinaath Jinaendra ! Atra avatar, avatar, sanvaushata

Om hrim shree Aadinaath Jinaendra! Atra tishtha, tishhta, thah, thah

Om hrim shree Aadinaath Jinaendra! Atra mum sannihito bhava, bhava vashat.

(VeerChhand)

Karmodaya Sae Praerit Hokar, Vishayo Kaa Vyaapaar Kiyaa
Upaadaaya Ko Bhul Heya Tattvo, Sae Mainae Pyaar Kiyaa

Janma-Maran Dukh Naash Haetu Mai, Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya janma jara mrutyu vinaashanaaya,
jalam nirwapameeti swahah.*

Man-Vach-Kaayaa Kee Chanchalataa, Karma Aashrava Karatee Hai
Chaar Kashaayo Kee Chalanaa Hee, BhavaSaagar Dukh Bharatee Hai
Bhavaataap Kae Naash Haetu Mai, Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya Bhavataap vinaashanaaya,
chandanam nirwapameeti swahah.*

Indriya Vishayo Kae Sukh Kshanhbhangur, Vidyuta Sum Chamak Athir
Punya Kshinha Hotae Hee Aatae, Mahaa Assaataa Kae Din Phir
Pud Akhand Kee Praapti Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya akshay pada praptaaye
akshatam nirwapameeti swahah.*

Sheel Vinaya Vrat Tap Dhaaranha, Karkae Bhee Yadi Parmaartha Nahee
Baahya Kriyaa Mae Sae Ulajhae, Vah Sachchaa Purusharth Nahee
Kaambanh Kae Naash Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya kambaan vidhvanshnaaya,
Pushpam nirwapameeti swahah.*

Vishaya Lolupee Bhogo Kee, Jwaalaa Mae Jal-Jal Dukh Paataa
Mruga-Trushnaa Kae Peechae Paagal, Narka-Nigodaadik Jaataa
Kshudhaa Vyaadhi Kae Naash Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya kshudha rog vinaashanaaya,
Naivaidyam nirwapameeti swahah.*

Gyaan Svarup Aatmaa Kaa, Jisko Shradhaan Nahee Hotae
Bhav-Van Mae Hee Bhatakaa Karataa, Hai Nirvaan Nahee Hotae
Moha Timir Kae Naash Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya Mohandhakar Vinaashanaaya,
Deepam nirwapameeti swahah.*

Karma Phalo Ko Vaedan Karkae, Sukhee-Dukhee Jo Hotae Hai
Ashta Prakaar Karma Kaa Bandhan, Sadaa Usee Ko Hotae Hai
Karma Shatru Ke Naash Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya ashta karma vidhvanshnaaya, dhoopam
nirwapameeti swahah.*

Jo Bandhon Sae Virakta Hokaar, Bandhan Kaa Abhaav Karataa
Pragyaa Chainee Lae Bandhan Ko, Prathak Sheeghra Nij Sae Karataa

Mahaa Mokshaphal Praapti Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Truteeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya moksha phal praptaaya, phalam
nirwapameeti swahah.*

Par Maeraa Kyaa Kar Saktaa Hai, Mai Par Kaa Kyaa Kar Sakataa
Yah Nishchya Karanaevaala Hee, Bhav Atavee Kae Dukh Harataa
Pud Anargh Kee Praapti Haetu, Mai Aadinaath Prabhu Ko Dhyaau
Akshaya-Trateeyaa Parva Daan Kaa, Nrup Shraeyaans Suyasha Gaau

*Om hrim shree Aadinaath Jinaendraaya Anarghya pad praptaaye,
Arghyam Nirwapameeti Swahah.*

Jaymaala

Chaar Daan Do Jagat Mae, Jo Chaaho Kalayaan
Aushadhi Bhojan Abhaya Aru, Sud Shaashtro Kaa Gyaan

Punya Parva Akshaya Trutiya Kaa, Hamae Dae Rahaa Hai Yah Gyaan
Daan Dharma Kee Mahimaa Anupam, Shreashth Daan Dae Bano Mahaan

Daan Dharma Kee Gaurav Gaathaa Kaa Prateek Hai Yah Tyohaar
Daan Dharma Kaa Shubh Praerak Hai, Sadaa Daan Kee Jay-Jay Kaar

Aadinaath Nae Ardha Varsh Tak Kiyae Tapasyaa Maya Upvaas
Milee Na Vidhi Phir Antaraaya, Hotae-Hotae Beetae Chaha: Maas

Muni Aahaardaan Daenae Kee Vidhi, Thee Nahee Kisee Ko Gyaat
Maun Saadhanaa Mae Tanmaya Ho, Prabhu Vihaar Karatae Prakhyaat

Nagar Hastinaapur Kae Adhipati, Soma or Shreayaans Subhraat
Rushabhdaev Kae Darshan Kar, Krutakrutya Huae Pulakit Abhijaat

Shraeyaans Ko Purvajanma Kaa, Smaranh Huaa Tatkshan Vidhikaar
Vidhipurvak Padgaahaa Prabhu Ko, Diyaa Ikshurasa Kaa Aahaar

Panchaashcharya Huae Praangan Mae, Huaa Gagan Mae Jay-Jaykaar
Dhanya-Dhanya Shraeyaans Daan Kaa, Teerth Chalaayaa Mangalkaar

Daan-Punya Kee Yah Paramparaa, Hui Jagat Mae Shubh Praarambh
Ho Nishkaam Bhaavanaa Sundar, Man Mae Laesh Na Ho Kucha Dambh

Chaar Bhaed Hai Daan Dharma Kae, Aushadhi-Shaashtra-Abhaya- Aahaar
Ham Supaatra Ko Yogya Daan Dae, Banae Jagat Mae Param Udaar

Dhan Vaibhava To Nasshvaan Hai, Atah Karae Jee Bhar Daan
Is Jeevan Mae Daan Karya Kar, Karae Svayam Apnaa Kalyaanh

Akshya Trutiyaa Kae Mahatva Ko, Yadi Nij Mae Pragataayaegae
Nishchit Aisaa Din Aayaegaa, Hum Akshaya-Phal Paayaegae

Hae Prabhu Aadinaath! Mangalmaya Hum Ko Bhee Aisaa Var Do
Samyak Gyaan Mahaan Surya Kaa, Antar Mae Prakaash Kar Do

Om hrim shree Aadinaath jinaendraaya purnaaharghyam nirwapameeti swahah.

Akshya Tratiyaa Parva Kee, Mahimaa Aparampaar
Tyaag Dharma Ko Saadhatae, Ho Jaatae Bhav Paar

Ithi aashirvaad: Pushpanjali Kshipayt

अंजुलि-जल सम जवानी क्षीण होती जा रही ।

प्रत्येक पल जर्जर जरा नजदीक आती जा रही ॥

काल की काली घटा प्रत्येक क्षण मँडरा रही ।

किन्तु पल-पल विषय तृष्णा तरुण होती जा रही ॥

- डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल

Shree Samaysaar Poojan

Jai Jai Jai Granthadhiraj Shri Samaysaar Jinshrut Nandan
Kundkund Achaarya Rachit Parmagam Ko Saadar Vandan

Dwadashaang Jinvani Ka Hai Isme Saar Param Paavan
Atma Tatva Ki SahajPrapti Ka Hai Apurva Anupam Sadhan

Simandhar Prabhu Ki DivyaDhvani Isme Gunj Rahi Pratikshan
Isko Hrdayangam Karte Hi Ho Jata SamyagDarshan

Samaysaar Ka Saar Prapt Kar Safal Karu Maanav Jivan
Sab Siddho Ko Vandan Karke Karta Vinay Sahit Pujan

Om Rhim Shree Parmagam Samaysaaray Pushpanjali Kshipami.

Nij Swaroop Ko Bhul Aaj Tak Charon Gati Mai Kiya Bhraman
Janma Maran Kshay Karne Ko Aab Nij Swaroop Mai Karu Raman
Samaysaar Ka Karoo Adhyayan Samaysaar Ka Karoo Manan
Karan Samaysaar Ko Dhyao Samasaar Ko Karoo Naman

*Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Janma-Jara-Mrutyu Vinashnai
Jalam Nirupamiti Swaha*

Bhav Jwala Mai Pratipal Jal-Jal Karata Raha Karoon Krandan
Nij Swabhav Dhruv Ka Ashray Le Katunga Jag Ke Bandhan, |Samay...|

*Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Sansaar-Taap-Vinashnaay
Chandanam Nirupamiti Swaha*

Punya Paap Ke Moh Jaal Mai Badhi Sadaa Bhav Ki Ulazan
Sanvarbhav Jaga Urmai To, Bhav Samudra Ka Hua Patan |Samay...|

Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai AkshayPadPraptye Akshatam Nirupamiti Swaha

Kaam Bhog Bandhan Ki Kathani Suni Ananto Baar Sadhan,
Chiir Parichit Jinshrut Anubhuti n Jagi Mere Antarman, |Samay...|

*Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Kaambaan Vidhvanshnaay
Pushpam Nirupamiti Swaha*

Kshudha Rog Ki Aushadhi Paane Ka Na Kia Hai Kabhi Yatan,
Atmabhan Karte Hi Maheka Vitaragta Ka Upavan

Samaysaar Ka Karoo Adhyayan Samaysaar Ka Karoo Manan
Karan Samaysaar Ko Dhyao Samasaar Ko Karoo Naman

Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Kshudha-Rog-Vinashnaay Naivedyaam..

Bhram Agyaan Timir Ke Karan Parme Maana Apanapan,
Satya Bodh Hote Hi Payee Gyaan-Surya Ki Divya Kiran | Samay... |

Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Mohandhakar-Vinashnaay Deepam...

Aart Raudra Dhyaanme Padkar Par Bhavo Mai Raha Magan,
Shuchimay Dhyaan Dhoop Dekhi To Dharma Dhyaan Ki Lagi Logan, | Samay... |

Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Ashtakarma-Vinashnaay Dhoopam..

Bhav-Taru Ke Vishmay Fal Khakar Karta Aaya Bhav-Maran,
Siddha Svapad Ki Chaah Jagi To yeh Paryay Hui Dhan-Dhan, | Samay... |

Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai MokshFal-Praptye Falam..

Aasrav Bandhbhav Ke Karan Mita Raag Ka Ek Na Kan,
Dravyadrashiti Bante Hi Paaya Nij Anarghya Pad Ka Darshan, | Samay... |

Om Rhim Shri Parmagam Samaysaarai Anarghya Pad Praptye Argham ..

Jaymaala

Samaysaar Ke Granth Ki, Mahima Agam Apaar |
Nishchay Naya Bhutarth Hai, Abhutarth Vyavahaar | |

Durnay Timir Nivaran Karan, Samaysaar Ko Karoo Pranam |
Hoon AbaddhSprasht Niyat Avishesh Ananya Mukti Ka Dham | |

Sapta Tatva Aru Nav Padarth Ka Ismai Sunder Varnan Hai |
Jo Bhutarth Aashraya Leta Paata SamyagDarshan hai | |

Jiv Ajiv Adhikaar Pratham Mai Bhedgyaan Ki Jyoti Pradhaan |
"Jo Passadi Appanam Niyadam"¹ Ho Jata Sarvagya Mahaan | |

Karta-Karma Adhikkaar Samajkar Karta Buddhi Vinaash Karoo |
"Sammadansanl Nanam Eso"² Nij Shuddhatma Prakash Karoo | |

Punya-Paap Adhikaar Jaan Donome Bhed Nahi Maanoo |
Ye Vibhaav Parinati Se Hai Utpanna Bandhmaya Hi Janoo | |

"Ratto Bandhadi Kammam"³ Janoo, Ura Viraag Le Karma Haroo |
Raag Shubhashubh Ka Nishedhkar Nij Swaroop Ko Prapt Karoo | |

Mai Aasrav Adhikaar Jaankar Raag-Dwesh Aru Moha Haroo |
Bhinna Dravya Aasrav Se Hokar Bhavasrava Ko Nashta Karoo | |

Mai Sanvar Adhikaar Samajkar Sanvarmay Hi Bhaav Karoo |
"Appanam Zayanto"⁴ Darshan-Gyaanmayi Nij Bhaav Varoo | |

Mai Adhikaar Nirjara Janoo Purna Nirjaravant Banoo |
Purva Uday Mai Sum Rahakar Mai Chetan Gyayak Matra Banoo | |

"Aparigahho Anichho Bhanido"⁵ Saare Karma Zaraunga |
Mai Rativant Gyaan Mai Hokar Shashvat Shiv Sukh Paunga | |

Bandh Adhikaar Bandh Ki Hi To Sakal Prakriya Batalata |
Bin Samakit Jap Tap vrat Sanyam Bandhmarg Hai Kahelata | |

1. जो अपनी आत्मा को... नियत देखता है... 2. सम्यग्दर्शन ज्ञान ऐसी संज्ञा
मिलती है... 3. रागी जीव कर्म बाधता है... 4. आत्मा को ध्याता
हुआ... 5. अनिच्छुक को अपरिग्रही कहा है...

Raag-Dwesh Bhavon Se Virahit Jiv bandhse Raheta Door |
"Nichhayanaya Sidapunammunino"¹ Ashta Karma Karata Chakchoor | |

Jaan Moksh Adhikaar Shighra Hi Nashta Karoo Vishkumbha Vibhaav |
Aatma Swaroop Prakashit Karake Pragatau Paripurna Swabhaav | |

Shuddh Aatma Grahan Karoo Mai Sarva Bandh Ka Kar Chhedan |
Nishankit Hokaar Paunga Mukti Shila Ka Sinhasan | |

SarvaVishuddha Gyaan Ka Hai Adhikaar Apurva Amulya Mahaan |
Par Kartutva Nashta Ho Jaata Hotaa Shiv-Patha Par Abhiyaan | |

Karmafalo Ko Mudha Bhogata Gyaani Unkaa Gyaata hai |
Isiliye Agyani dukh Pataa Gyani Sukh Paata hai | |

BhaavBhaasana Nau Adhikaaro Se Kar Nijme Vaas Karoo |
"Michhatam Aviramanam Kashaay Yog"² Ki Satta Naash Karoo | |

Kund-Kund Ne Samaysaar Mandir Ka Kia Divya Nirman |
Vitarag Sarvagya Dev Ki DivyaDhwani Ka Isme Gyaan | |

Sarva Char Sau Pandraha Gathaye Prakrut Bhashame Jaan |
Saarbhut Nij Samaysaar Ka Hi Anubhav Lu Bhavya Mahaan | |

Amrutchandracharya Dev Ne Aatmakhyati Tika Likhakar |
Kalash Chadhaaye Do Sau Athahattar Swarnim Anupam Sundar | |

Shree jaysenachaarya Swami Ki Tatparyavrutti Tikaa |
Rushi Muni Vidwano Ne Likhha Varnan Samaysaarji Ka | |

1. निश्चय नयाश्रित मुनि मोक्ष प्राप्त करते है... 2. मिथ्यात्व, अविरति, कषाय,
योग-ये आसन्न है..."

Gyanni Dhyanni Muniyone Bhi Toran Dwar Sajaye Hai |
Samasaar Ke Madhur Geet Ga Vandanaar Chadhaye Hai | |

Bhinna-Bhinna Bhashao Mai Iske Anuvaad Hue Sundar |
Kaavya Aneko Likhe Gaye Hai Samaysaar Ji Par Manahar | |

Shri Kanaji Swami Ne Bhi Karake Samaysaar Pravachan |
Samaysaar Mandir Par Savinay Harshit Kia Dhwajarohan | |

Samasaar Padh SamyagDarshan Gyaan Charit Pragataunga |
"Tibbam Manda Sahavam"¹ Kshaykar Vitarag Pad Paunga | |

Panch Paravartan Abhaav Kar Siddha Lok Me Jaunga |
Kaal Labdhi Aayi hai Meri Param Mokshpad Paunga | |

Bhakti Bhaav Se Samasaar Ki Maine Pujan Ki Hai Dev |
Karaan Samaysaar Ki Mahima urme Jaag Uthi Swayamev | |

Namah Samaysaaray Swanubhav Gyaan Chetnamayi Param |
Ek Shuddha Tankotkirna Chinmatra Purna Chidrup Swayam | |

Naya Paksho Se Rahit Aatma Hi Hai Samaysaar Bhagavan |
Samaysaar Hi SamyagDarshan Samaysaar Hi SamyagGyaan | |

Om Rihm Shri Parmagam Samaysaaraay Purnarghya Nirvapamiti Swaaha.

(Doha)

Samasaar Ke Bhaav Ko Jo Lete Ura Dhaar |
Nij Anubhav Ko Prapt Kar Ho Jate Bhavpaar | |

Iti Ashirvadah Pushpanjali Kshipet

1. बन्धन के तीत्र मन्द स्वभाव को****

आत्मा ही आत्मा का गुरु है।

Shrutpanchamee Poojan

Syaadvaad Maya Dvaadshaang Yut, Maa Jinvaanhee Kalyaanhee
Jo Bhee Sharan Hradaya Sae Laetaa, Ho Jaataa Kaevalgyanee
Jay Jay Jay Hitkaaree Shiv-Sukhkaaree Maataa Jay Jay Jay
Krupaa Tumahaaree Sae Hee Hotaa, Bhaedgyaan Kaa Surya-Uday
Shree Dharsaenaachaaryaa Krupaa Sae Milaa, Param Jin Shrut Kaa Gyaan
Bhutbalee Muni Pushpdant Nae, Shatakhaadaagam Rachaa Mahaan
Ankalaeshvar Mae Yah Granth Huaa, Thaa Purnh Aaj Kae Din
Jinvaanhee Lipibadh Hui Thee, Paavan Param Aaj Kae Din
Jayaeshta Shukla Panchamee Divas Jinshrut Kaa Jay-Jaykaar Huaa
Shrutpanchamee Parva Par Shree Jinvaanee Kaa Avtaar Huaa
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagaam!
Atra avatar, avatar, savaushata,
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagaam!
Atra tishtha, tishtha, thah, thah,
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagaam! A
tra mam sannihito bhava, bhava vashat.

Shuddh Svaanubhav Jaldhaaraa Sae, Yah Jeevan Pavitra Kar Lu
Saamyabhaav Piyush Paan Kar, Janm-Jaraamaya Dukh Har Lu
Shrutpanchamee Parva Shubh Uttam, Jinshrut Ko Vandana Kar Lu
Shatkhandagam Dhaval Jayadhaval, Mahaadhaval Pujan Kar Lu
Om hrim shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagaamaaya
janma jara mrityu vinaashanaaya, jalam nirwapameeti swahah

Shuddh Svaanubhava Kaa Uttam, Paavan Chandan Charchit Kar Lu
Bhav-Daavaanal Kae Jwaalaamaya, Agha-Santaap Taap Har Lu
Shrutpanchamee Parva Shubh Uttam, Jinshrut Ko Vandana Kar Lu
Shatkhandagam Dhaval Jayadhaval, Mahaadhaval Pujan Kar Lu
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagaamaaya
samsar thaap vinaashanaaya, chandanam nirwapameeti swahah.

Shuddh Svaanubhava Kae Paramottam, Akshat Dhaval Hradaya Dhar Lu
Param Shuddh Chidrup shakti Sae, Anupam Akshayapad Var Lu
Shrutpanchamee Parva Shubh Uttam, Jinshrut Ko Vandana Kar Lu
Shatkhandagam Dhaval Jayadhaval, Mahaadhaval Pujan Kar Lu
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagaamaaya
akshay pada praptaaya, akshatam nirwapameeti swahah

Shuddh Svaanubhav Kae Pushpo Sae Nij Antar Surbhit Kar Lu
Mahaasheel Gunh Kae Prataap Sae Mai Kandarp Darp Har Lu
Shrutpanchamee Parva Shubh Uttam, Jinshrut Ko Vandana Kar Lu
Shatkhandagam Dhaval Jayadhaval, Mahaadhaval Pujan Kar Lu
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandaga-
maaya kam-baan vidhvanshnaaya, pushpam nirwapameeti swahah

Shuddh Svaanubhav Kae Ati Uttam Prabhu Naivaidya Praapt Kar Lu
Amal Ateendriya Nij Svabhaav Sae Dukhmaya Kshudhaa Vyaadhi Har Lu
Shrutpanchamee Parva Shubh Uttam, Jinshrut Ko Vandan Kar Lu
Shatkhandagam Dhaval Jayadhaval, Mahaadhaval Pujan Kar Lu
*Om hrim shree shrutapanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagamaaya
kshudha rog vinaashanaya, naivaidyam nirwapameeti swahah*

Shuddh Svaanubhav Kae Prakaashmaya Deep Prajvallit Mai Kar Lu
Moh Timir Agyaan Naash Kar Nij Kaivalya Jyoti Var Lu | Shrut ...
*Om hrim shree shrutapanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagamaaya
mohandhakar vinaashanaaya, deepam nirwapameeti swahah*

Shuddh Svaanubhav Gandh Surbhi Maya Dhyaan Dhup Ur Mae Bhar Lu
Sanvar Sahit Nirjaraa Dvaaraa Mai Vasu Karma Nashta Kar Lu | Shrut ...
*Om hrim shree shrutapanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagamaaya
ashta karma vidhvanshnaaya, dhoopam nirwapameeti swahah*

Shuddh Svaanubhav Kaa Phal Paau, Mai Lokaagra Shikhar Var Lu
Ajar Amar Avikal Avinaashee, Pad Nirvaan Praapt Kar Lu | Shrut ...
*Om hrim shree shrutapanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagamaaya
moksha phal praptaaya, phalam nirwapameeti swahah*

Shuddh Svaanubhav Divya Arghya Lae Ratnatraya Su Purnha Kar Lu
Bhav-Samudra Ko Paar Karu Prabhu Nij Anarghya Pad Mai Var Lu | Shrut ...
*Om hrim shree shrutapanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhandagamaaya
anarghya pada praptaaya, arghyam nirwapameeti swahah*

Jaymaala

Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa
Gunjaa Jay-Jay-Kaar Jagat Mae, Jinshrut Jay-Jay-Kaar Kaa
Rushabhdaev Ki Divyadhavaneer Kaa, Laabh Purna Miltaa Rahaa
Mahaveer Tak Jinvani Ka, Vimal Vruksh Khilata Raha
Huae Kaevaler Aru Shrutkavalee, Gyaan Amar Phalataa Rahaa
Phir Aachaaryo Kae Dvaaraa Yah, Gyaandeep Jalataa Rahaa
Bhavyo Mae Anuraag Jagaataa, Mukti-Vadhu Kae Pyaar Kaa
Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa
Guru Paramparaa Sae Jinvaanhee, Nirjhar See Jharatee Rahee
Mumuksho Ko Param Moksha Kaa, Path Prashast Karatee Rahee
Kintu Kaal Kee Ghadee Manuj Kee, Smaranha-Shakti Haratee Rahee
Shree Dharsaenaachaarya Hradaya Mae, Karun-Tees Bharatee Rahee
Dvaadashaang Kaa Lop Huaa, To Kyaa Hogaa Sansaar Kaa
Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa

Shishya Bhutbali-Pushpadanta Kee, Hui Pareekshaa Gyaan Kee
 Jinvaanee Lipibaddha Haetu, Shrut Vidyaa Vimal Pradaan Kee
 Taada-Patra Par Hui Avatarita, Vaanee Jan-Kalyaanha Kee
 Shatkhandaaagam Mahaa Granth, Kararhaanuyoga Jaya Gyaan Kee
 Jyaeshtha Shukla Panchamee Divasa Thaa, Sur-Nar Mangalchaar Kaa
 Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shruta Kae Avataar Kaa
 Dhanya Bhutbali Pushpadanta Jay, Shree Dharsaenaachaaryaa Kee
 Lipi Paramparaa Sthaapit Karakae, Nai Kraanti Saakaar Kee
 Devo Nae Pushpo Kee Varshaa, Nabh Sae Aganhita Baar Kee
 Dhanya-Dhanya Jinvaanhee Maataa, Nij-Par Bhed-Vichaar Kee
 Runhi Rahaegaa Vishva Tumhaarae, Nishchaya Aour Vyavahaar Kaa
 Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa
 Dhavalaa Teekaa Veersen Krut, Bahaatar Hajjar Shlok
 Jayadhavalaa Jinsen Virkrut, Uttam Saath Hajjar Shlok
 Mahaadhaval Hai Devsen Krut, Hai Chaaleesa Hajjar Shlok
 Vijayadhaval Teekaa Aru Atishayadhaval, Nahee Upalabdha Aek Shlok
 Shatakhandaaagam Teekaa Padha, Man Hotaa Bhav-Paar Kaa
 Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa
 Phir To Granth Hajjar Likhae, Rishi-Muniyo Nae Gyaan Pradhaan
 Chaaro Hee Anuyog Rachae, Jeevo Par Karakae Karuna Daan
 Punya Kathaa Prathamaanuyoga, Dravyaanuyoga Hai Tatva Pradhaan
 "X-Ray" Karanhaanuyoga, Charanhaanuyoga "Camera" Mahaan
 Yah Parinhaama Naapataa Hai, Vah baahya Charitra Vichaar Kaa
 Shrut Panchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa
 Jinvaanhee Kee Bhakti Karae Hum, Jinshrut Kee Mahimaa Gaayae
 Samyakadarshan Kaa Vaibhav, Lae Bhaedgyaan Nidhi Ko Paayae
 Ratnatraya Kaa Avalamban Lae, Nij Svarup Mae Ram Jaayae
 Mokshamaarga Par Chalaee Nirantar, Phir Na Jagat Mae Bharnaayae
 Dhanya Dhanya Avasar Aayaa Hai, Ab Nij Kae Uddhar Kaa
 Shrutpanchamee Parva Ati Paavan, Hai Shrut Kae Avataar Kaa
Om hrim shree shrutpanchamee mahotsavae shree paramshrut-shatkhan-
daagamaaya purnaaharghyam nirwapameeti swahah.
 Shrutpanchamee Suparva Par, Karo Tatva Kaa Gyaan
 Aatmatatva Kaa Dhyaan Kar, Pao Pad Nirvaan

Iti aashirvaad: Pushpanjali Kshipayth

Mahaa-Arghya

Mai Dev Shree Arahanta Puju, Siddha Puju Chaav So
Aachaarya Shree Uavajhaaya Puju, Saadhu Puju Bhaav So

Arahant Bhaashit Bain Puju, Dvaadashaang Rachee Ganee
Puju Digambar Gurucharanha, Shivahaet Sab aashaa Hanee

Sarvagya Bhaashit Dharma Dashvidhi, Dayaamaya Puju Sadaa
Jaji Bhaavanaa Shodash Ratantraya, Jaa Binaa Shiv Nahi kadaa

Trailok Kae Kratima Akratima, Chaitya Chaityaalaya Jaju
Panchmeru Nandishvar Jinaalaya, Khachar Sur Pujit Bhaju

Kailaash Shree Sammaed Giri, Girnaar Mai Puju Sadaa
Champaapuree Pavaapuree Puni, Aor Teeratha Sarvadaa

Chobeesa Shree Jinraaj Puju, Bees Kshaetra Vidaeha Kae
Naamaavalee Ik Sahas Vasu Jay, Hoya Pati Shiv Gaeha Kae

Jal Gandhaakshata Pushpacharu, Deep Dhup Phal Laaya
Sarva Pujya Pad Pujahu, Bahu Vidhi Bhakti Badhaya

*Om Hree Bhaavpujjam, Bhaav Vandanaam, Trikaalpujaam, Trikaal
Vandanaam Bhaav Purssaar Karomi, Kaarayaami, Anumodanaam
Karomi. Shree Arahantam Siddh Aachaarya Upaadhyaya Sarva
Sadhu Panchparmaeshteebhyo Namah: Jal-Sthal-Nabh-Guhaa-
Nagar-Nagaree-Urdhva-Madhya-Adholoka-Sthit Vidhyamaan
Kratrim-Akratrim-Jinchaitya chaityaalyabhyo Namah:. Vidaeh Kshet-
rasth Vidhyamaan Bees Teerthankaraebhyo Namah:. Panch Bharat
Panch aeraavat Kshaetra SambandheeTrishat Chatuvushati Jinaebhyo
Namah:. Panchmaeru Sambandhee Asheeti Jinchaityaalyaebhyo
Namah:. Sammaed Shikhar, Kailaashgiree, Champaapur Paavaapur
GadginnarMuktaagiree Aadi Siddh kshaetraebhyo Namah: Jainbidri
Mulbidree Shree Antareeksha Paarshvanaath Shirpur Aadi Teerth
Kchaetraebhyo Namah:. Shree Chaaranh Ridhidhaaree Sapta Param
Rishibhyo Namah: Samyakdarshan-Samyakgyaan-Samyakchaar-
traebhyo Namah:. Darshan Vishudhyaadee Shodashkaaranhaebhyo
Namah: Uttam Kshamaadi Dashlakshan Dharmaebyo Namah:
Prathmaanuyog-Karananuyog-Charanaanuyog-Dravyaanuyogaeb-
hyo Namah: Iti Aetaebhyo Sarvaebyo anarghya pada praptaaya,
arghyam nirwapameeti swahah.*

Shanti Paath

Shaantinaath mukh shashi unhaari, sheel-gunavrata samyama dhaari,
Lakhana ek sau aath viraajai, nirakhath nayana kamala-dala laaje.

Panchama chakra-varti-pada dhaari, solahma Tirthankara sukhakaari,
Indra narendra poojya jina naayaka, namo shanti-hita shanti vidhaayaka.

Divya vitapa pahupan ki varsha, dundubhi aasana vani sarasa,
Chhatra-chamar-bhaamandala bhaari, ye tuva praatiharya manhaari.

Shanti jinesha shanti sukh dayee, jagat poojya poojo sira nayee,
Parama shaanti deeje hum sabko, padhe tinhe puni char sangha ko.

Puje Jinhe Mukut-Haar-Kirit Laake
Indradi Dev Aru Pujya Padabja Jaake
So Shantinaath Var-Vansh Jagat Pradeep
Mere Liye Karahee Shanti Sada Anup

Sumpooj kon ko, pratipaalkon ko, yatinkon au yatinayakon ko,
Raajaa prajaa raashtra sudeshe ko le, kije sukhi hai jina shaanti ko de.

Hove Saari Praja Ko, Sukh Balyut Ho, DharmaDhaari Naresha
Hove Varsha Samay pae, Til Bhar Na Rahai, Vyadhiyon Ka Andesha
Hove Chori Na Jaari, Susamay varatai, Ho Na Dushkaal Bhaari
Saare Hee Desh Dhaarae, Jinver-Vrush Ko, Jo Sada Sokhyakaari

Ghaatikarma jina nash kari, paayo kevalaraj,
Shanti karhu sab jagata me, Vrashabhaadika Jinaraj.

Shashtro Ka Ho, Pathan Sukhada, Laabh Satsangati Kaa
Sadvruto Ka, Sujas Kahake, Dosh Dhaanku Sabhi Kaa
Bolu Pyare, Vachan Hit Ke, Aapka Roop Dhyaan
To Lou Seun, Charan Jinke, Moksha Joe Lo Na Paaun

Tava pada mere heeya me, mam heeya tere punit charano may,
Taba lon leen raho prabhu, jaba lon paya na mukti pada mainay.
Akshara-pada-maatraase, dushit jo kuchha kahaa gayaa mujha se,
Kshama karo prabhu so saba, karunakari puni chudahu bhava dukh se.
He jagabandhu jineshwara! paoo tava charana sharana balihari,
Marana samaadhi sudurlabha, karmon kaa kshaya subodha sukha kaari.

Om hrim shri pushpanjali kshipaami |

(RECITE NAVKAR MANTRA NINE TIMES HERE.)

Kshamapana

Bin Jaane VA Jaan Ke, Rahi Toot Jo Koy
Tum Prasad Tae Param Guru, So Sab Puran Hoy
Poojan Vidhi Jaanu Nahi, Nahi Jaanu Avahaan
Aur Visarjan Hu Nahi, Kshama Karahu Bhagwan
Mantrahin Dhanhin Hun, Kriyahin Jindev
Kshama Karhu Rakhahu Muze, Dehu Charan Ki Sev
Tum Charanan Dhing Ayake, Mein Puju Ati Chaav
Avagaman Rahit Karo, Meto Sakal Vidhan

Shantipath -2

Hun Shantimaya Dhruv Gyanmay, Aisi Pratiti Jab Jage
Anubhuti Ho Anandmaya, Sari Vikalta Tab Bhage
Nijbhav Hi Hay Ek Ashray, Shanti Data Sukhmayee
Bhul Swa Dar Dar Bhatakte, Shanti Kab Kisne Lahi
Nij Ghar Bina Vishram Nahi, Aaj Yah Nischay Hua
Moh Ki Chattan Tuti, Shanti Nirzar Bah Raha
Yah Shantidhara Ho Akhand, Chirkaal Tak Bahati Rahe
Hove Nimagna Subhavyajan, Sukhshanti Sab Paate Rahe
Pujoparant Prabho Yahi, Ik Bhavana Hay Ho Rahi
Leen Nij Me Hi Rahun, Prabhu Aur Kuch Vanchha Nahi
Sahaj Param Anandmay Nij Gyaak Avikaar
Swa Me Leen Parinatee Vishe Bahati Samaras Dhaar

Visarjanpath -2

Thi Dhanya Ghadi Jab Nij Gyaak Kee, Mahima Maine Pahechaani
Hey Veetrag sarvagya Maha-Upkari, Tab Poojan Thani
Sukh Hetu Jagat Mein Bramata Tha, Antar Me Sukh Sagar Paaya
Prabhu Nijanand Me Leen Dekh, Moy Yahi Bhaav Aab Umagaaya
Puja Ka Bhaav Visarjan Kar, Tumsam Hi Nij Me Thir Hovun
Upyog Nahi Bahar Jaave, Bhav Klesh Beej Aab Nahi Bovun
Puja Ka Kiya Visarjan Prabhu, Aur Paap Bhav Me Pahunch Gaya
Aab Tak Ki Murakhta Bhari, Taj Neem Halahal Haya Piya
Ye To Bhari Kamjori hey, Upyag Nahi Tik Pata Hey
Tatvadik Chintan Bhakti Se Bhi Door Paap Me Jaata Hey
Hay Bal Anant Ke Dhani Vibho! Bhavo Me Tabtak Bas Jaana
Neej Se Bahar Bhatki Parinati, Neeh Gyaak Me Hi Pahuchaana
Pavan Purusharth Prakat Hove, Bas Nijanand Me Magna Rahu
Tum Avagaman Vimukta Hue, Me Paas Aapke Ja Tishthu

(RECITE NAVKAR MANTRA NINE TIMES HERE.)

Visarjan

Bin jaane waa jaan ke rahi toot jo koy,
Tum prasaad te param guru so sab pooran hoy.

Pujan vidhi jaanu nahi, nahi jaanu ahaawan,
Aur visarjan hoo nahin, kshamaa karo bhagwaan.

Mantra-heen dhan-heen hun, kriya-heen jinadev,
Kshamaa karahu raakhahu mujhe dehu charan kee sev.

Anyatha Sharanam Naasti, Tvamev Sharanam Mama
Tasmaat Kaarunya Bhaaven, Rax Rax Jineshvaram

Aashika Mantra

Mangalam Bhagwan Veero, Mangalam Gautamo Gani
Mangalam Kundkundayo, Jain Dharmotsu Mangalam
Sarva Mangalya Mangalam, Sarva Kalyan Karanam
Pradhanam Sarva Dharmanam, Jainam Jayati Shashanam

(Recite when taking blessings from the sthapanaji)

Shree jinver ki aashikaa lijay sheesh namaai,
bhav bhav kay paatak haray dukh doora hojai.



शास्त्राभ्यास की महिमा

देखो ! शास्त्राभ्यास की महिमा, जिसके होनेपर परंपरा आत्मानुभव दशा को प्राप्त होता है, मोक्षरूप फल को प्राप्त होता है। यह तो दूर ही रहो, तत्काल ही इतने गुण प्रगट होते हैं -

१. क्रोधादि कषायों की तो मंदता होती है।
२. पंचेन्द्रियों के विषयों के बारे में प्रवृत्ति रुकती है।
३. अति चंचल मन भी एकाग्र होता है।
४. हिंसादि पांच पापोंमें प्रवृत्ति नहीं होती।
५. स्तोक (अल्प) ज्ञान होनेपर भी त्रिलोक के तीन कालसंबंधी चराचर पदार्थों का जानना होता है।
६. हेय - उपादेय की पहचान होती है।
७. ज्ञान आत्मसन्मुख होता है।
८. अधिक - अधिक ज्ञान होनेपर आनंद उत्पन्न होता है।
९. लोक में महिमा - यश विशेष होता है।
१०. सातिशय पुण्य का बंध होता है।

- पं. टोडरमलजी- 'सम्यग्ज्ञानचंद्रिका'

तुमने भाग्य से अवसर पाया है, इसलिये तुमको लठ से भी तुम्हारे हित के लिए प्रेरणा करते हैं। जैसे हो सके वैसे इस शास्त्र का अभ्यास करो। अन्य जीवों का जैसे बने वैसे शास्त्राभ्यास कराओ। जो जीव शास्त्राभ्यास करते हैं उनकी अनुमोदना करो। पुस्तक लिखवाना और पढ़ने पढ़ाने वालों की स्थिरता करनी इत्यादि शास्त्राभ्यास के बाह्य कारण उनका साधन करना, क्योंकि उनके द्वारा भी परंपरा कार्य सिद्ध होती है व महत् पुण्य उत्पन्न होता है।।

'सत्तास्वरूप' ८८